रजिस्ट्री सं. डी. एल. (एन) 04/0007/2003–05

REGD. NO. D. L. (N) 04/0007/2003—05

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY
साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 17] नई दिल्ली, अप्रैल 22—अप्रैल 28, 2012, शनिवार/वैशाख 2—वैशाख 8, 1934
No. 17] NEW DELHI, APRIL 22—APRIL 28, 2012, SATURDAY/VAISAKHA 2—VAISAKHA 8, 1934

भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (Other than the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(व्यय विभाग)

(महालेखा नियंत्रक का कार्यालय)

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 2012

का. आ. 1436.—पूर्व आदेशों का अधिक्रमण करते हुए महालेखा नियंत्रक ने श्री एम. प्रान कोनचाड़ी, संयुक्त महालेखा नियंत्रक को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के उद्देश्य के लिए अपील प्राधिकारी के रूप में मनोनीत किया है ; श्री एच. के श्रीवास्तव, उप महालेखा नियंत्रक, सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के उद्देश्य के लिए महालेखा नियंत्रक कार्यालय के संबंध मे केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) के रूप में कार्य करते रहेंगे ।

अपील प्राधिकारी के रूप में श्री एम. प्रान कोनचाड़ी, संयुक्त महालेखा नियंत्रक और केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी के रूप में श्री एच.के. श्रीवास्तव, उप महालेखा नियंत्रक का कार्यालय और आवासीय पता निम्नानुसार है :-

श्री एम. प्रान कोनचाड़ी, संयुक्त महालेखा नियंत्रक	श्री एच. के. श्रीवास्तव उप महालेखा नियंत्रक
कार्यालय पता :-	**कार्यालय पता :-**
वित्त मंत्रालय	वित्त मंत्रालय
व्यय विभाग,	व्यय विभाग,
महालेखा नियंत्रक कार्यालय	महालेखा नियंत्रक कार्यालय,
कमरा नं. 701, 7वां तल,	कमरा नं. 711, 7वां तल, सी-विंग
लोकनायक भवन,	लोकनायक भवन,
खान मार्किट, नई दिल्ली-110003	खान मार्किट, नई दिल्ली-110003
फोन नं. 24624614	फोन नं. 011-24641731
फैक्स नं. 24624614	ई-मेल: kumar hmm@yahoo.co.in
ई-मेल:pkonchady@hotmail.com	**आवासीय पता :-**
आवासीय पता :-	आई-606, एसपीएस रेजीडेंसी
जे-5ए, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन,	18-बी, वैभव खंड, इंदिरापुरम
नई दिल्ली-110016	गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201012
	फोन: 0120.2276058

[सं. ए-28015/2007/एमएफसीजीए/आरटीआई/प्रशासन/63/1056/1928]

जयदीप मिश्रा, उप महालेखा नियंत्रक (प्रशासन)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Expenditure)

(OFFICE OF CONTROLLER GENERAL OF ACCOUNTS)

New Delhi, the 16th February, 2012

S.O. 1436.—In supersession of previous orders, Controller General of Accounts has designated Shri M. Pran Konchady, Joint Controller General of Accounts as the Appellate Authority for the purpose of Right to Information Act, 2005. Shri H.K. Srivastav, Dy. Controller General of Accounts, shall continue to remain as Central Public Information Officer (CPIO) for the purpose of RTI Act, 2005 in respect of the Office of Controller General of Accounts,

The office and residential address of Shri M. Pran Konchady, Jt. CGA as Appellate Authority and Shri H.K. Srivastav, Dy CGA as CPIO are as under :—

Sh. M. Pran Konchady, Joint Controller General of Accounts	Sh. H.K. Srivastav Dy. Controller General of Accounts
Office Address :— Ministry of Finance Department of Expenditure, Controller General of Accounts, Room No. 701, 7th Floor, Lok Nayak Bhawan, Khan Market, New Delhi-110003 Tel. No. 24624614 Fax No. 24624614 Email : pkonchady@ hotmail.com	**Office Address :—** Ministry of Finance Department of Expenditure O/o Controller General of Accounts, Room No. 711, 7th Floor, C-Wing, Lok Nayak Bhawan, Khan Market, New Delhi-110003 Tel. No. 011-24641731 Email : kumar hmm@ yahoo.co.in
Residential Address:- J-5A, Green Park Extension, New Delhi - 110016	**Residential Address :-** I-606, SPS Residency, 18-B, Vaibhav Khand, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012 Tel : 0120-2276058

[No. A-28015/2007/MFCGA/RTI/Admn./63/1056/1928]

JAIDEEP MISHRA, Dy. Controller General of Accounts (Admn.)

(आयकर विभाग)

(मुख्य आयकर आयुक्त का कार्यालय)

मदुरै, 30 मार्च, 2012

निर्धारिती का नाम एवं पता : मै. वी.वी. एम एजुकेशन ट्रस्ट, 17, कीरैकरनदानतातु तिसियनविल्लै-627 657

पैन : एएबीटीवी 1947जे

का. आ.1437.—मैं, मुख्य आयकर आयुक्त, मदुरै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23सी) के उप खण्ड (vi) के साथ पठित आयकर नियम, 1962 के नियम 2सी द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त उप खण्ड में बताए गए प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 2011-12 से मै. वी.वी. एम एजुकेशन ट्रस्ट, तिसियानविल्लै को निम्नलिखित शर्तों के अनुसार अनुमोदन दिया जाता है :

2. (i) धारा 10 (23सी) (vi) के संरक्षण की अनुरूपता के साथ निर्धारिती की गतिविधियां न्यास विलेख के अनुसार प्रामाणिक है और शर्त के अनुसार निर्धारिती शैक्षिक गतिविधियों में बिना किसी लाभ की दृष्टि से भाग लेगा ।

(ii) अधिनियम की धारा 10 (23सी) के तीसरे परन्तुक से अपेक्षित निर्धारिती अपनी आय या उनका प्रयोग या आय जमा करता है, जो केवल शैक्षिक प्रयोजनों के लिए पूर्णत: और अनन्यत: उपयोग करता है ।

(iii) निर्धारिती आयोजित पाठ्यक्रमों के लिए कोई प्रतिव्यक्ति शुल्क नहीं लेगा तथा सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित मार्गदर्शन का सख्ती से पालन करेगा ।

(iv) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट एक या अधिक रूपों या पद्धतियों में किसी भी अवधि के लिए निर्धारिती अपनी निधि से अन्यथा निवेशों या निक्षेपों (आभूषण एवं फर्नीचर या ऐसी वस्तु के रूप में प्राप्त और रखे गए स्वेच्छिक अभिदाय के अलावा) में नहीं करेगा ।

(v) यह अनुमोदन किसी ऐसी आय के लिए लागू नहीं होगा जो कारोबार, व्यापार से लाभ और अधिलाभ प्राप्त होता है, जब तक कारोबार ट्रस्ट के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए है तथा ऐसे कारोबार के लिए अलग बही-खाते रखा जा रहा है ।

(vi) आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुरूप निर्धारिती आयकर प्राधिकारी के समक्ष नियमितता से आय विवरणी फाइल करेंगे।

(vii) इसके भंग होने पर उसके अधिशेष एवं आस्तियों ऐसे संगठन को दी जाएंगी जो पूर्णत: ऐसे ही प्रयोजनों के लिए है और लाभ के प्रयोजनार्थ नहीं है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13(3) में विनिर्दिष्ट अनुसार उसका कोई भी भाग प्रत्यक्ष रूप से निर्धारिती के हिताधिकारी या अन्य किसी को नहीं जाएगा।

(viii) अधिनियम की धारा 10 (23सी) के पंद्रहवें परन्तुक तथा धारा 115 बीबीसी के साथ पठित यह अनुमोदन अनाम संदानों के लिए लागू नहीं होगा ।

(ix) धारा 143 (3) के परन्तुक के प्रावधानों के अधीन अनुमोदन स्वीकृत किया जाएगा ।

3. यदि यह बाद में पता लगता है कि अनुमोदन फर्जी या तथ्य के अन्यथा-कथन द्वारा लिया गया है तो उसे शून्य माना जाएगा। अनुमोदन आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23सी) (vi) के प्रयोजन के लिए दिया गया है तथा अन्य किसी प्रयोजन के लिए नहीं और अनुमोदन वापस ले लिया माना जाएगा यदि निर्धारिती की गतिविधियां प्रामाणिक नहीं हैं या गतिविधियां स्वीकृत अनुमोदन में उल्लिखित सभी या किन्हीं शर्तों के अनुसार नहीं की जा रही हो ।

[सी. सं. 2113/11/मु.आ./मदुरै/तक./2010-11]

डी. के. दास शर्मा, मुख्य आयकर आयुक्त

INCOME TAX DEPARTMENT

(Office of the Chief Commissioner of Income-tax)

Madurai, the 30th March, 2012

Name and Address of the Assessee	:	M/s. V.V.M. Educational Trust 17 Keeraikaranthanthattu Tisayanvillai- 627 657
PAN	:	AABTV1947J

S.O.1437.—In exercise of the powers, conferred on me by virtue of sub-clause (vi) of clause (23C) of section 10 of the Income tax, 1961 read with Rule 2C of the IT Rules, 1962, I, the Chief Commissioner of Income-tax, Madurai hereby accord approval to M/s. V.V.M. Educational Trust, Tisayanvillai for the purpose of the said section from the assessment year 2011-12 subject to conditions, mentioned hereunder:—

2 (a) the activities of the assessee are genuine in accordance with the trust deed as well as in conformity with coverage of section 10(23C)(vi) and subject to the condition that the assessee will engage only in educational activities and that too without any profit motive;

(b) the assessee applies its income, or accumulates its income for application, wholly and exclusively, for the educational objects for which it is established and application of its income must be in accordance with Third Proviso to section 10(23C) of the Act;

(c) the assessee will not charge any capitation fees for the courses conducted and strictly follow such guidelines prescribed by the Government from time to time in this regard;

(d) the assessee will abide by the fee norms as prescribed by the appropriate authority and the fee structure once determined will be retained at the same level for at least two years;

(e) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture, etc.,) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in anyone or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11 of the IT Act, 1961;

(f) this approval will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the trust and separate books of accounts are maintained in respect of such business;

(g) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income tax Act, 1961;

(h) that in the event of its dissolution, its surplus and assets will be given to an organization which exists solely for similar purposes and not for purposes of profit and no part of the same will go directly to any of the beneficiaries of the institution or anybody specified in section 13(3) of the Income tax Act, 1961;

(i) the approval shall not apply in relation to anonymous donations in terms of the fifteenth proviso to section 10 (23 C) r.w.s. 115BBC of the Act;

(j) the approval granted shall be subject to the provisions of proviso to section 143(3);

3. The approval shall be void if it is subsequently found that it has been obtained by fraud or misappropriation of fact. This approval is given only for the purpose of sec.10(23C)(vi) of the Income tax Act, 1961 and not for any other purpose/s and the same is liable to be withdrawn if it is subsequently found that the activities of the assessee are not genuine or if they are not carried out in accordance with all or any of the conditions subject to which it was approved.

[C. No. 2113/11/CC/MDU/Tech/2010-11]

D. K. DAS SHARMA, Chief Commissioner of Income Tax

(वित्तीय सेवाएं विभाग)

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2012

का. आ. 1438.—भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 6 की उप-धारा (1) के खण्ड (ङ) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, श्री बिश्वजीत धर, महानिदेशक, रिसर्च एंड इंफॉरमेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज को तत्काल प्रभाव से तीन वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश होने तक, जो भी पहले हो, भारतीय निर्यात-आयात बैंक के निदेशक मण्डल में अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नामित करती है ।

[फा. सं. 24/27/2002-आई एफ-I]

एस. गोपाल कृष्ण, अवर सचिव

(Department of Financial Services)

New Delhi, the 18th April, 2012

S.O.1438.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (e) of sub-section (1) of Section 6 of the Export Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), Central Government hereby nominates Shri Biswajit Dhar, Director General, Research and Information System for Developing Countries, as a part time non-official Director on the Board of Directors of Export Import Bank of India with immediate effect for a period of three years or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 24/27/2002-IF-I]

S. GOPAL KRISHNA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2012

का.आ. 1439.—भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 6 की उप-धारा (1) के खण्ड (ङ) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, श्री ए. एम. भट्टाचार्जी, प्रोफेसर (अर्थशास्त्र), दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स को तत्काल प्रभाव से तीन वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश होने तक, जो भी पहले हो, भारतीय निर्यात-आयात बैंक के निदेशक मण्डल में अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नामित करती है ।

[फा. सं. 24/27/2002-आई एफ-I]

एस. गोपाल कृष्ण, अवर सचिव

New Delhi, the 18th April, 2012

S.O. 1439.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (e) of sub-section (1) of Section 6 of the Export Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), Central Government hereby nominates Shri A. M. Bhattacharjea, Professor (Economics), Delhi School of Economics, as a part time non-official Director on the Board of Directors of Export Import Bank of India with immediate effect for a period of three years or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 24/27/2002-IF-I]

S. GOPAL KRISHNA, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 2012

का.आ. 1440.—जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, श्री डी. के. मेहरोत्रा, प्रबंध निदेशक, भारतीय जीवन बीमा निगम को सौंपे गए अध्यक्ष भारतीय जीवन बीमा निगम के अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था को 26 फरवरी, 2012 से तीन माह की अवधि के लिए या नियमित अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, बढ़ाती है ।

[फा. सं. ए-15011/02/2010-बीमा-II (पार्ट)]

प्रिया कुमार, निदेशक (बीमा)

New Delhi, the 20th April, 2012

S.O. 1440.—In exercise of powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby extends additional charge arrangement of Chairman, Life Insurance Corporation of India to Shri D.K. Mehrotra, Managing Director, LIC for a further period of 3 months w.e.f. 26-2-2012 or till a regular Chairman is appointed or until further orders, whichever is the earliest.

[F. No. A-15011/02/2010-Ins. I (Pt.)]

PRIYA KUMAR, Director (Insurance)

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(डाक विभाग)

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2012

का. आ. 1441.—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियमावली, 1965 के नियम 29 के उप नियम (i) खंड (vi) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित पूर्व संचार मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना संख्या का.आ. 1279 दिनांक 9 जून, 2001 का अधिक्रमण करते हुए राष्ट्रपति एतद्द्वारा यह विनिर्दिष्ट करते हैं कि डाक विभाग में सेवारत किसी सरकारी कर्मचारी के मामले में, जिसके लिए अपीलीय प्राधिकारी किसी सर्किल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल (वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल से अन्यथा) के बतौर पदनामित प्राधिकारी के अधीन है, उक्त मुख्य पोस्टमास्टर जनरल उक्त नियम 29 के तहत शक्तियों का प्रयोग करने के उद्देश्य से पुनरीक्षण प्राधिकारी होंगे तथा संशोधित किए जाने वाले आदेश के जारी करने की तारीख से छह माह की अवधि के भीतर ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेंगे ।

[सं. सी-11011/01/2001-वीपी]

आर. बी. चावला, निदेशक (सामग्री प्रबंधन एवं सतर्कता याचिका)

MINISTRY OF COMMUNICATION AND INFORMATION TECHNOLOGY

(Department of Posts)

New Delhi, the 18th April, 2012

S.O. 1441.—In exercise of the powers conferred by clause (VI) of Sub-rule (1) of Rule 29 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, and in supersession of the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Communication number S.O. 1279, dated the 9th June, 2001 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), the President, hereby specifies that in the case of a Government servant serving in the Department of Posts for whom the appellate authority is subordinate to the authority designated as the Chief Post Master General (other than the Chief Post Master General of Senior Administrative Grade) of a Circle, the said Chief Post Master General, shall be the revising authority for the purpose of exercising the powers of revision under the said rule 29 and shall exercise such power within a period of six months from the date of the order sought to be revised.

[No. C-11011/01/2001-VP]

R. B. CHAWLA, Director (Material Management and Vigilance Petition)

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1442.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा ;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स न्यू सुपर डिजिटल स्केल, नं. 65, ग्राउंड फ्लोर, 10वां क्रांस , मुनेश्वर लेआउट, आतूर, येलेंका, बंगलोर-570064 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एसटीटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सुपर स्केल्ज" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/407 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

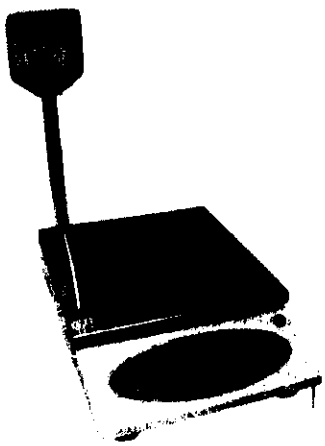

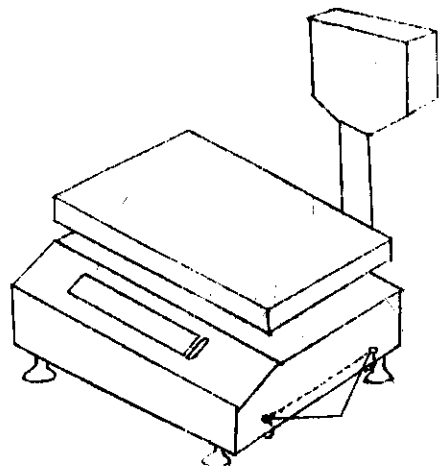

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(241)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

New Delhi, the 16th December, 2011

S.O. 1442.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class III) of series "STT" and with brand name "SUPER SCALES" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. New Super Digital Scales, No. 65, Ground Floor, 10th Cross, Muneshwara Layout, Attur, Yelahanka, Bangalore-570064 and which is assigned the approval mark IND/09/11/407;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

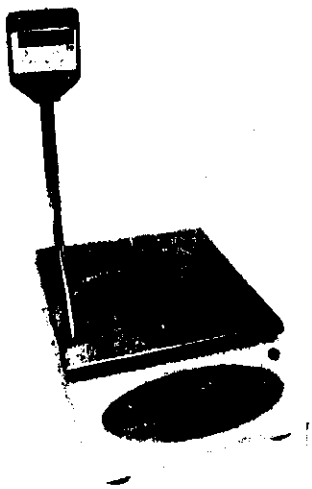

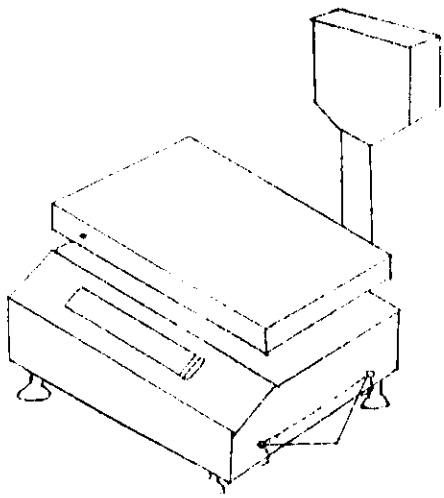

Figure-2 : Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is givan above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5 g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(241)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1443.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यर्थाथता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा ;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैससं न्यू सुपर डिजिटल स्केल, नं. 65, ग्राउंड फ्लोर, 10वां क्रांस , मुनेश्वर लेआउट, आतूर, येलेंका, बंगलौर-570064 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "एसपीडब्ल्यू"शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन-सिक्का प्रचालित प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सुपर स्केल्ज" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/408 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन-सिक्का प्रचालित प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 150 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

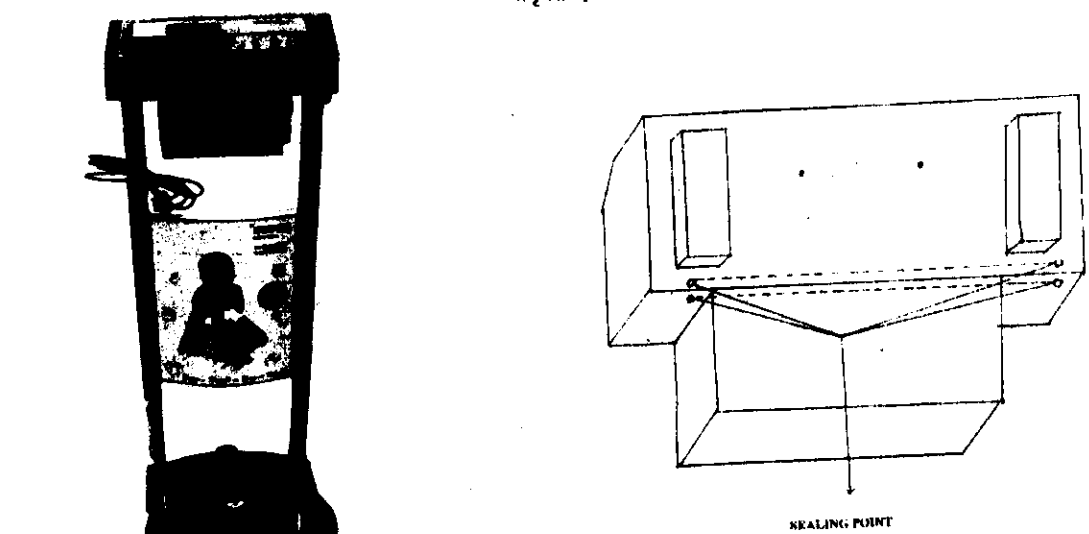

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 200 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(241)/2011]

बी एन दीक्षित निदेशक विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th December, 2011

S.O. 1443.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine-Coin operated type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class III) of series "SPW" and with brand name " SUPER SCALES" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. New Super Digital Scales, No. 65, Ground Floor, 10th Cross, Muneshwara Layout, Attur, Yelahanka, Bangalore-570064 and which is assigned the approval mark IND/09/11/408.

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine-Coin operated type) with a maximum capacity of 150 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

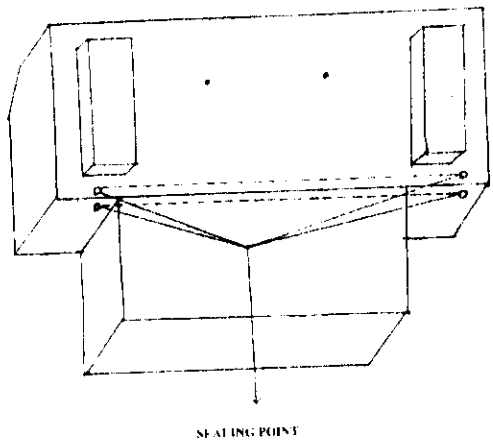

Figure-2 : Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and perfomance of same series with maximum capacity up to 200kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F.No.WM-21(241)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1444.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा ;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एमटेक सिस्टम्स प्रा. लि., 40, लेक एवेन्यू, कोलकाता-700026 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "एटीटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एएमएसटीईएल" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/415 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

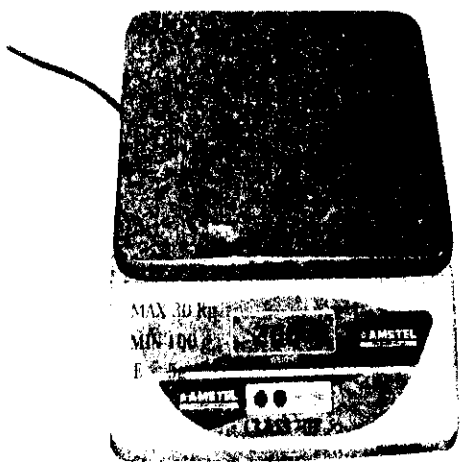

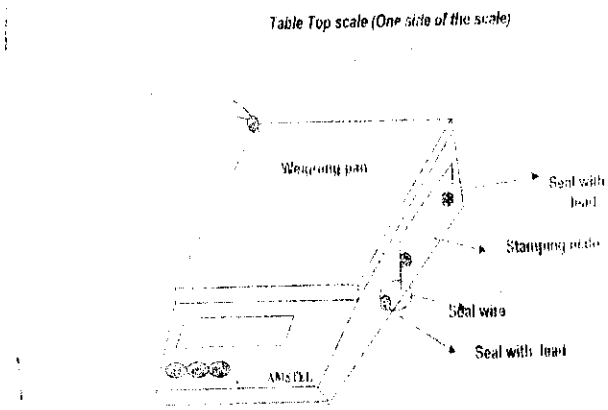

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(171)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th December, 2011

S.O. 1444.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class III) of series "ATT" and with brand name " AMSTEL" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Ametech Systems Private Limited, 40 Lake Avenue, Kolkata-700026, West Bengal and which is assigned the approval mark IND/09/11/415.

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

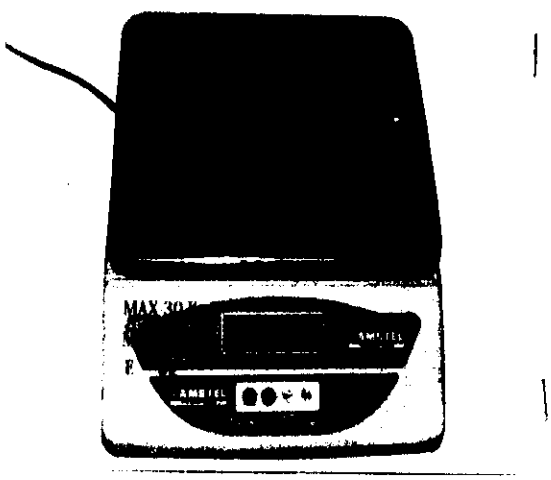

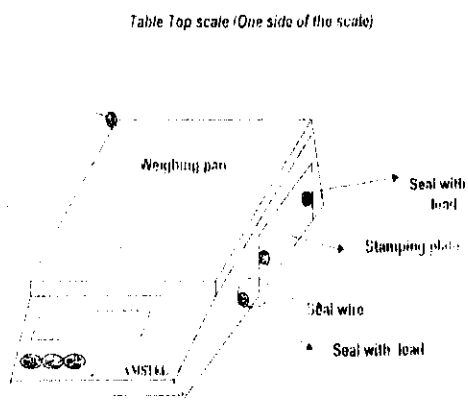

Figure-2 : Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and perfomance of same series with maximum capacity up to 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(171)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1445.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा ;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एमटेक सिस्टम्स प्रा. लि., 40, लेक एवेन्यू, कोलकाता-700026 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "एपीएफ" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एएमएसटीईएल" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/416 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

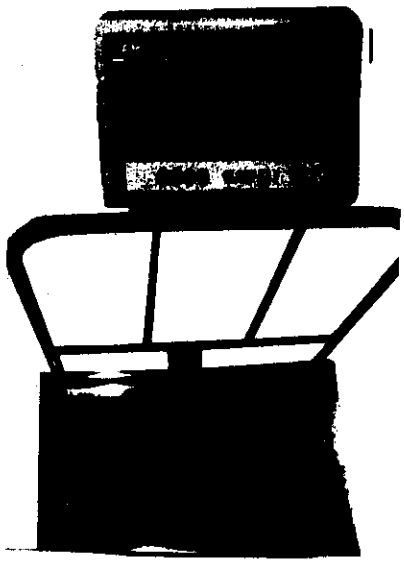

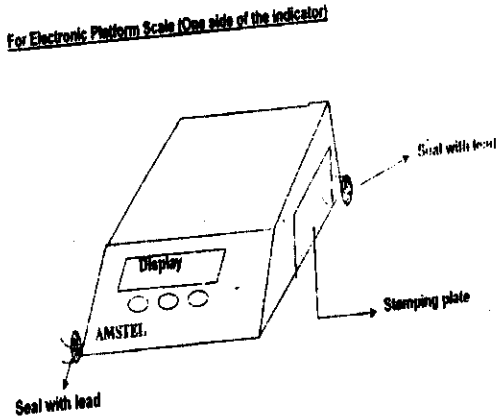

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले का बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(171)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th December, 2011

S.O. 1445.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class III) of series "APF" and with brand name " AMSTEL" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Ametech Systems Private Limited, 40 Lake Avenue, Kolkata-700026, West Bengal and which is assigned the approval mark IND/09/11/416.

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Plateform type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2 kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

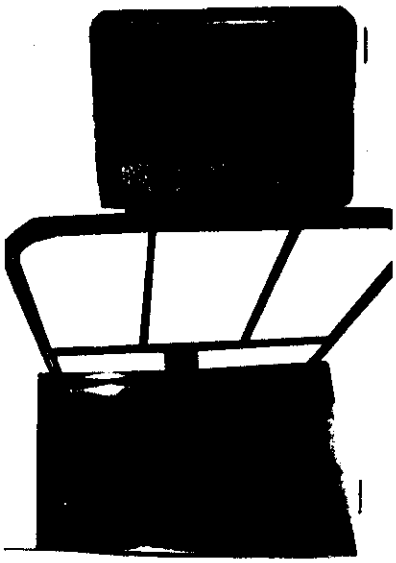

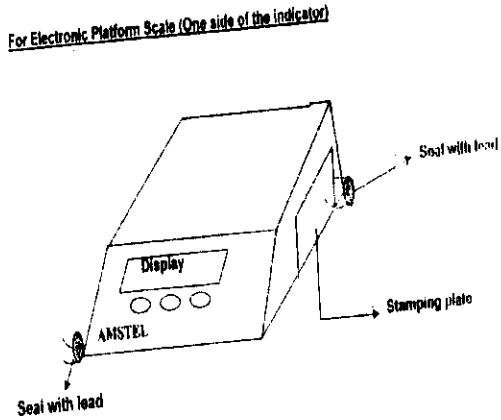

Figure-2 : Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is givan above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and perfomance of same series with maximum capacity above 50kg. and up to 5000 kg with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^{k}, 2×10^{k} or 5×10^{k}, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(171)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1446.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (माडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एमटेक सिस्टम्स प्रा. लि., 40, लेक एवेन्यू, कोलकाता-700026 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "सीएमएच" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन स्केल) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एएमएसटीईएल" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/417 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन स्केल) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 टन और न्यूनतम क्षमता 100 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

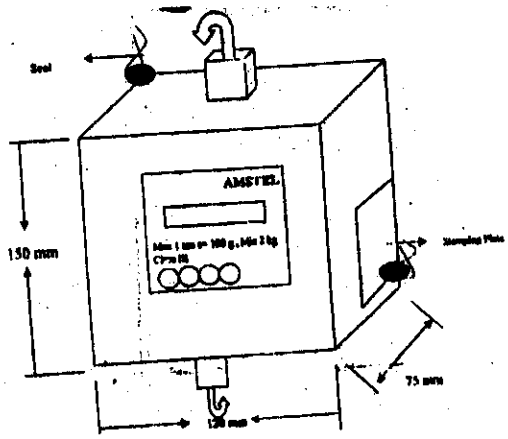

आकृति-2. मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 500 कि.ग्रा. से 100 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(171)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th December, 2011

S.O. 1446.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Crane Scale) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series "CMH" and with brand name "AMSTEL" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s Ametech Systems Private Limited, 40, Lake Avenue, Kolkata-700026, West Bengal and which is assigned the approval mark IND/09/11/417;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Crane Scale) with a maximum capacity of 30 tonne and minimum capacity of 100 kg. The verification scale interval (e) is 5 Kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure1.

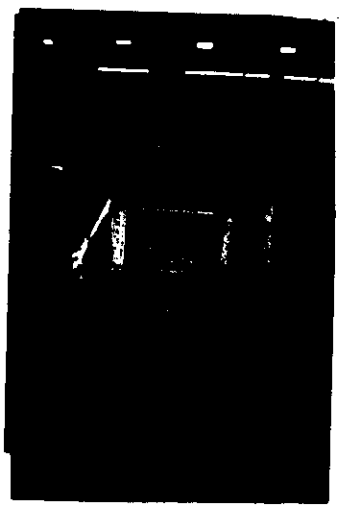

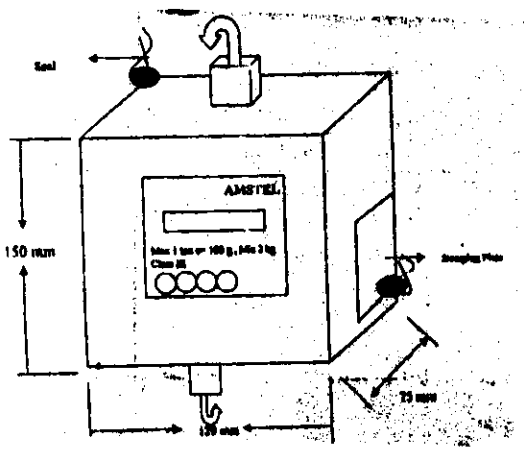

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above .

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of' approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 500 kg. and up to 100 tonne with verification scale interval (n) in the range of' 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(171)/2011]
B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1447.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स जे एस वेइंग सिस्टम, तिबरा रोड, गली नं. 5, ट्रांसफार्मर के सामने, मोदीनगर, उत्तर प्रदेश-201204 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "जेएसडब्ल्यूटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "लोडमास्टर" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/434 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती विद्युत पर कार्य करता है ।

आकृति-1

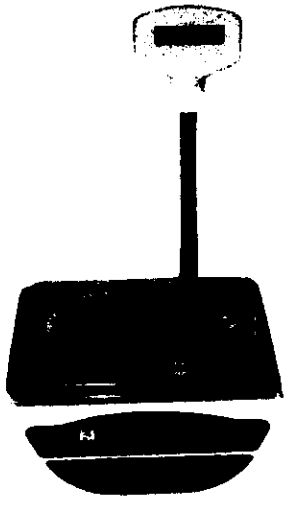

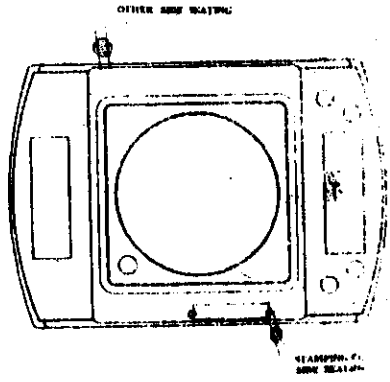

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(248)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 19th December, 2011

S.O. 1447.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with digital indication of High accuracy (accuracy class-II) of series "JSWT" and with brand name "LOADMASTER" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. J. S. Weighing System, Tibra Road, Gali No. 5, Opposite Transformer, Modinagar, Uttar Pradesh-201204 and which is assigned the approval mark IND/09/11/434;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 2 g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure-1.

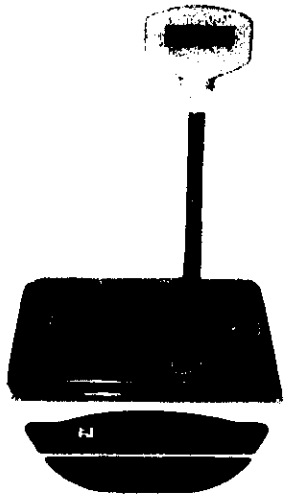

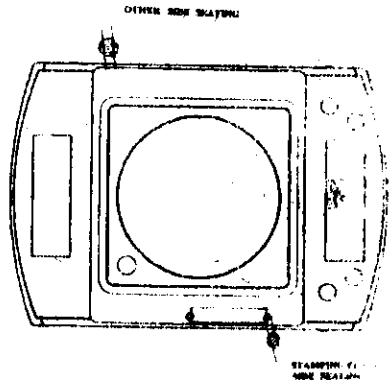

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above .

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of' approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 100,000 for 'e' value of 1 mg. to 50 mg. and with verificaiton scale interval (n) in the range of 5000 to 100,000 for 'e' value of 100 mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(248)/2011]
B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1448.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स जे एस वेइंग सिस्टम, तिबरा रोड, गली नं. 5, ट्रांसफार्मर के सामने, मोदीनगर, उत्तर प्रदेश-201204 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "जेएसडब्ल्यूपी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "लोडमास्टर" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/435 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 200 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 400 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 20 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

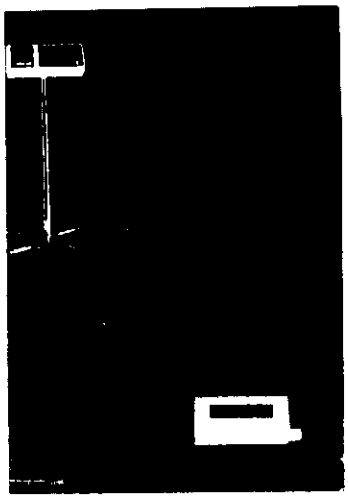

आकृति-2–मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{*}$, $2\times10^{*}$, $5\times10^{*}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(248)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 19th December, 2011

S.O. 1448.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series "JSWP" and with brand name "LOADMASTER" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s J. S. Weighing System, Tibra Road, Gali No. 5, Opposite Transformer, Modinagar, Uttar Pradesh-201204 and which is assigned the approval mark IND/09/11/435;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 200 kg. and minimum capacity of 400g. The verification scale interval (e) is 20g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure1.

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above .

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to 5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5 g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(248)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1449.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (माडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सूरज स्केल कम्पनी, लिंक रोड, चौक समराला, बाई पास, लुधियाना, पंजाब द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एसएसटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सूरज" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/381 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

आकृति-1

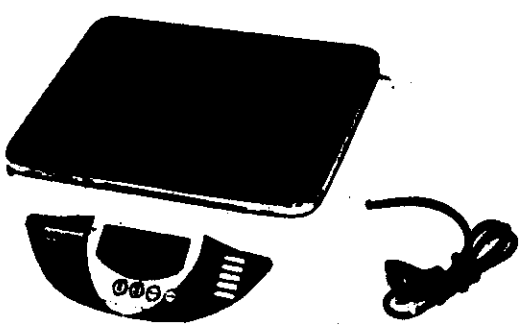

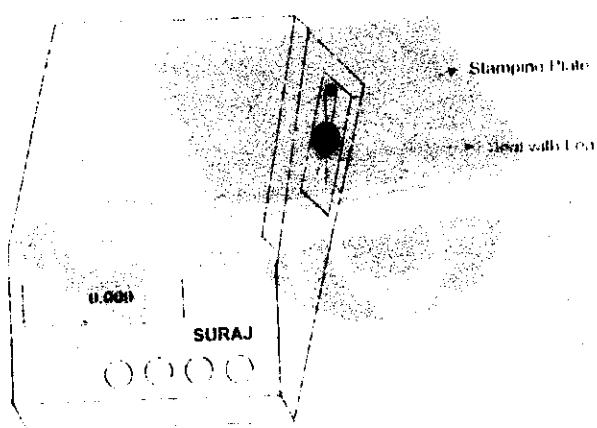

आकृति-2-मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है। बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k, 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(202)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 19th December, 2011

S.O. 1449.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top type) with digital indication of high accuracy (accuracy class-II) of series "SST" and with brand name "SURAJ" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Suraj Scale Company, Link Road, Chowk Samrala, Bye Pass, Ludhiana, Punjab and which is assigned the approval mark IND/09/11/381;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 2 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure1.

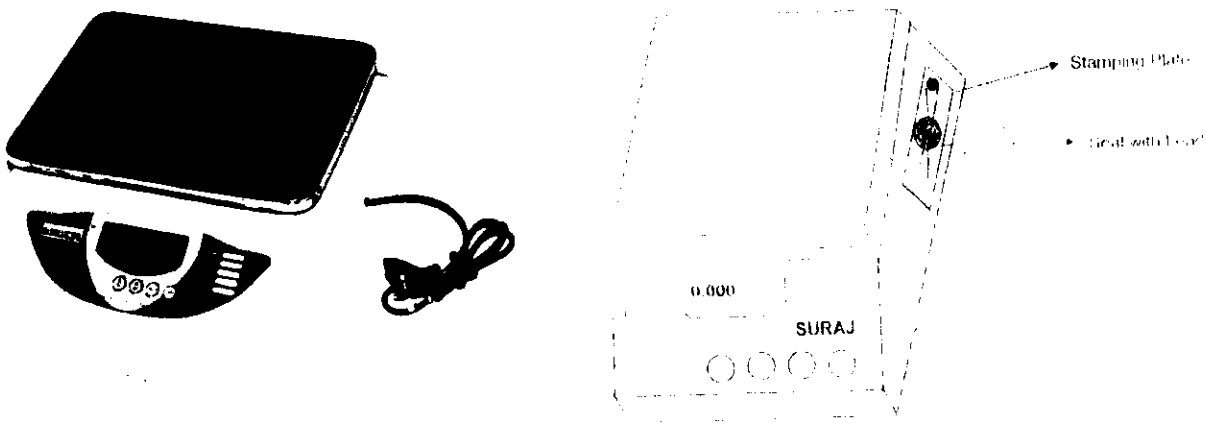

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above .

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 100,000 for 'e' value of 1 mg. to 50 mg. and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 100,000 for 'e' value of 100 mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(202)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1450.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सूरज स्केल कम्पनी, लिंक रोड, चौक समराला, बाई पास, लुधियाना, पंजाब द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एसएसपी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सूरज" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/382 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 150 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 400 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 20 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

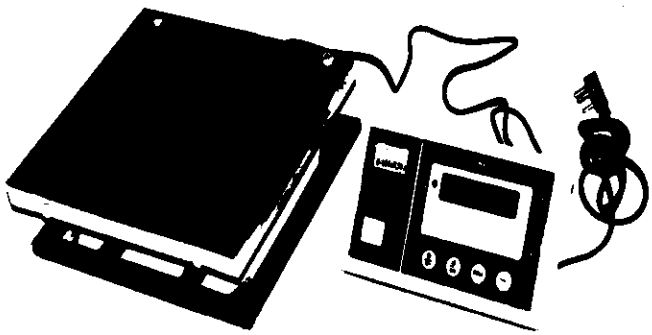

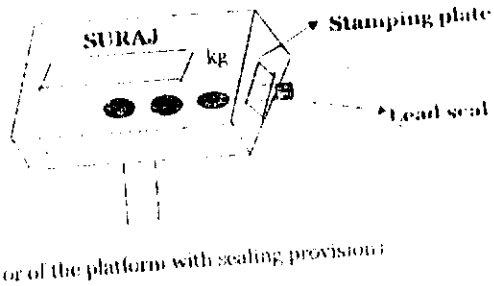

(Indicator of the platform with sealing provision)

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(202)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 19th December, 2011

S.O. 1450.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of Medium accuracy (accuracy class-III) of series "SSP" and with brand name "SURAJ" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Suraj Scale Company, Link Road, Chowk Samrala, Bye Pass, Ludhiana, Punjab and which is assigned the approval mark IND/09/11/382;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 150 kg. and minimum capacity of 400 g. The verification scale interval (e) is 20 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure1.

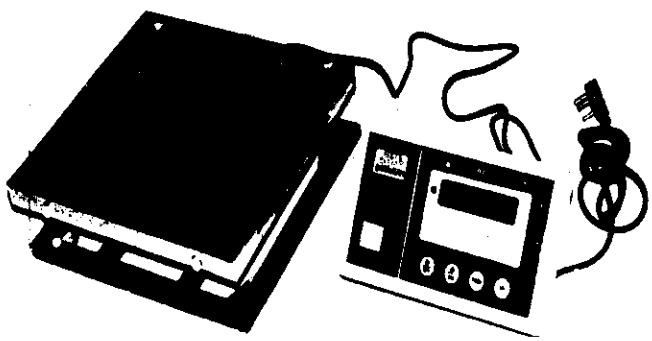

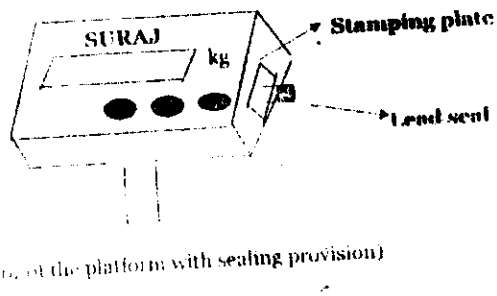

(Indicator of the platform with sealing provision)

Figure-2: Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above .

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card /mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to 5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5 g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(202)/2011]
B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1451.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स हाई-टैक स्केल्ज इंडिया प्रा. लि., बालीचक साही, जतनी, भुवनेश्वर-752050, ओडीसा द्वारा विनिर्मित विशेष यथार्थता (यथार्थता वर्ग-I) वाले "एलएनए" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "हाई-टैक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/398 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक इलैक्ट्रो मैगनेटिक फोर्स कम्पेनसेशन प्रिंसीपल पर आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 मि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । एलईडी/एलसीडी प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धार विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

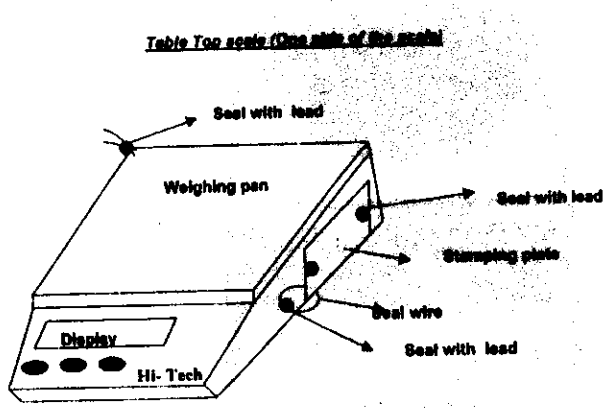

आकृति-2: मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्पले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्पले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. या अधिक के "ई" मान के लिए 50,000 या अधिक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 20 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(47)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 19th December, 2011

S.O. 1451.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of Special accuracy (Accuracy class-I) of series "LNA" and with brand name "HI-TECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Hi-Tech Seales India Private Limited, Balichhak Sahi Jatni, Bhubaneswar-752050, Orissa which is assigned the approval mark IND/09/11/398;

The said model is electro magnetic force compensation principle based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 1000 g. and minimum capacity of 1 g. The verification scale interval (e) is 10 mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. LED/LCD indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

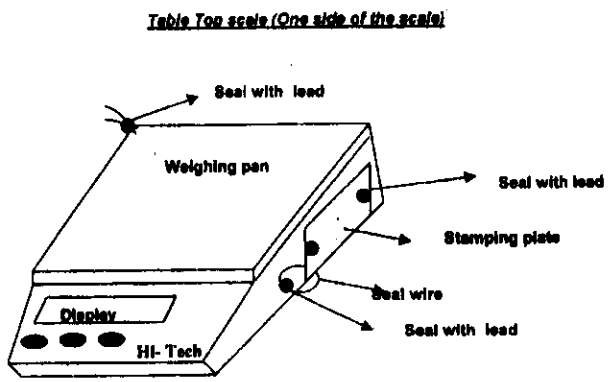

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above .

The instrument has external control to calibration. A calibration switch has also been provided in A/D card/ mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 20 kg.with verification scale interval (n) in the range of 50000 . or more for 'e' value of 1mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(47)/2011]
B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1452.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (माडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स हाई-टैक स्केल्ज इंडिया प्रा. लि., बालीचक साही, जतनी, भुवनेश्वर-752050, ओडीसा द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एलएनबी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (बेबी वेइंग स्केल) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "हाई-टैक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/399 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (बेबी वेइंग स्केल) है । इसकी अधिकतम क्षमता 20 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

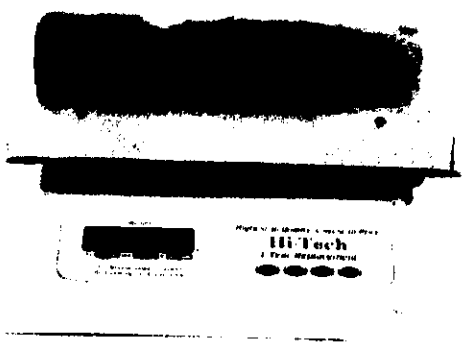

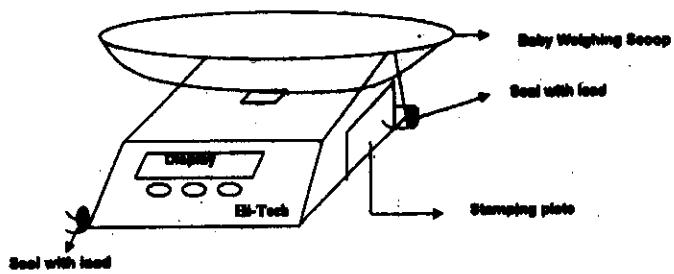

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 20 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(47)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 19th December, 2011

S.O. 1452.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (baby weighing scale) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series "LNB" and with brand name "HI-TECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Hi-Tech Seals India Private Limited, Balichhak Sahi, Jatni, Bhubaneswar-752050, Orissa and which is assigned the approval mark IND/09/11/399;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (baby weighing scale) with a maximum capacity of 20 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

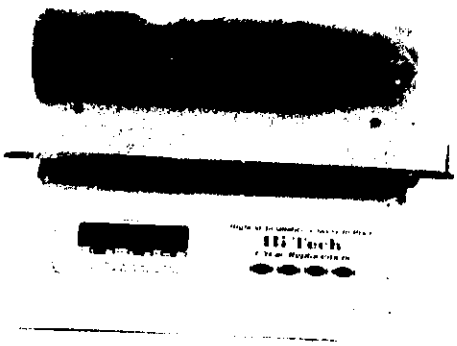

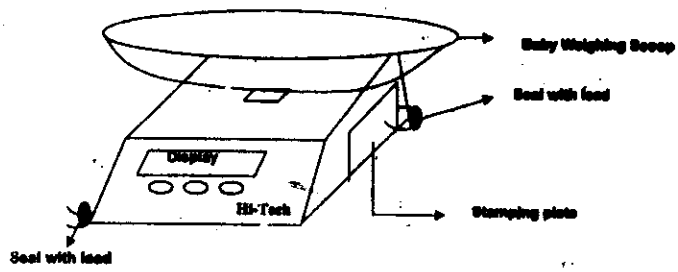

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above .

The instrument has external control to calibration. A tact switch has also been provided in mother board/PCB to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with capacity up to 20 kg.with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100 mg. to 2 g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(47)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1453.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स हाई-टैक स्केल्ज इंडिया प्रा.लि., बालीचक साही, जतनी, भुवनेश्वर-752050, ओडीसा द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एलएनके" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (किचन स्केल) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "हाई-टैक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/400 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (किचन स्केल) है । इसकी अधिकतम क्षमता 10 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

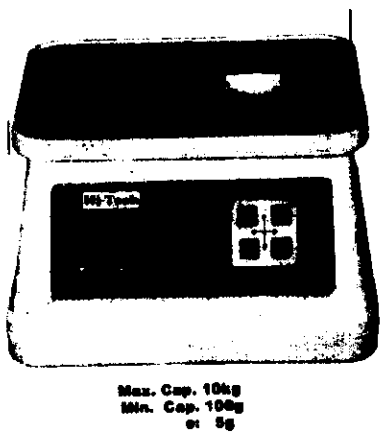

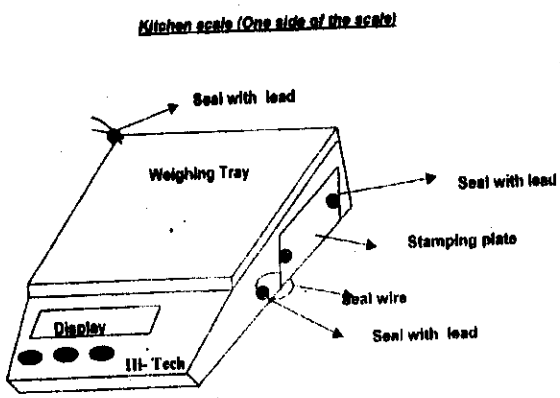

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक है "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 500 ग्रा. से 10 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(47)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 19th December, 2011

S.O. 1453.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report(see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustaincd use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (kitchen scale) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series "LNK" and with brand name "HI-TECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s Hi-Tech Scales India Private Limited, Balichhak Sahi, Jatni, Bhubaneswar-752050, Orissa and which is assigned the approval mark IND/09/11/400;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (kitchen scale) with a maximum capacity of 10kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure 1.

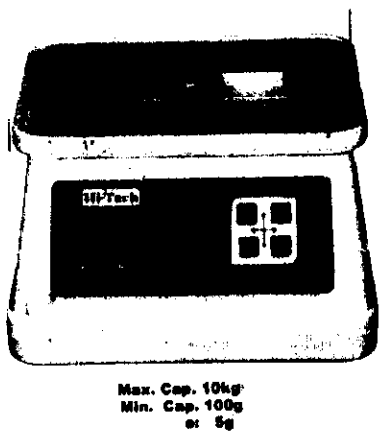

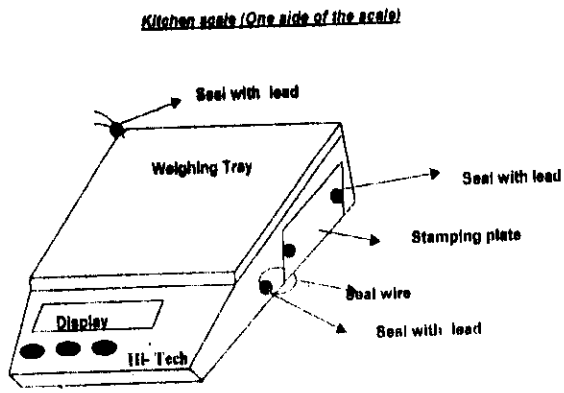

Figure 2 : Schematic Diagram of sealing provison of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A tact switch has also been provided in mother board/PCB to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with capacity above 500g and up to 10kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10000 for 'e' value of 100mg to 2g and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k; 2×10^k or 5×10^k where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (47)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1454.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स लिटिलमोर सिस्टम्स, डोर नं. 4-1-79/2, स्ट्रीट नं. 3, भवानी नगर, नाचारम, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश-50076 द्वारा विनिर्मित यथार्थता वर्ग, X(x) जहां x=1 वाले "एलएम-एबीएफ श्रृंखला के स्वचालित ग्रेविमेट्रिक फिलिंग उपकरण (बैग फिलिंग मशीन) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "लिटिलमोर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/364 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित स्वचालित ग्रेविमेट्रिक फिलिंग उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 50 कि.ग्रा. और 'डी' वेल्यू 5 ग्रा. के साथ उत्पाद की मात्रा और प्रकृति पर निर्भर करते हुए इसकी बारम्बारता 10 फिल्स प्रति मिनट है । मशीन को सभी प्रकार के फ्री फ्लोइंग मेटिरियल जैसे कैमिकल्स, चीनी, सूजी, रवा आदि भरने के लिए डिजाइन किया गया है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

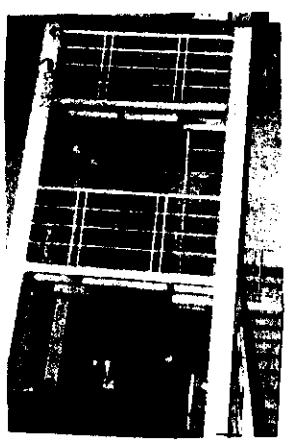

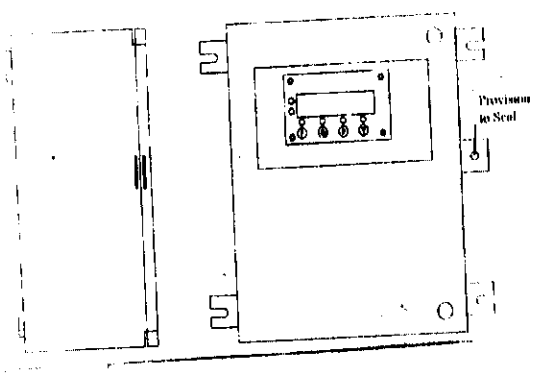

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

स्टाम्प और सील के सत्यापन के लिए, इंडीकेटर के रियर साइड में कवर और ब्रेकिट में दो बोरेड स्क्रू करके, इन छेदों में से लीडिड सीलिंग वायर कसा जाता है । सील से छेड़छाड़ किए बिना इसे कपटपूर्ण व्यवहार के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी क्षमता 50 कि.ग्रा. तक की होगी ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(213)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1454.—Whereas the Central Govenment, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report.(see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of appoval of the model of automatic gravimetric filling instrument (bag filling machine) belonging to accuracy class, X (x) where x=I of series "LM-ABF" and with brand name "LITTLEMORE" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Little more Systems, Door No 4-1-79/2, Street No. 3, Bhavani Nagar, Nacharam, Hyderabad, Andhra Pradesh-500076 and which is assigned the approval mark IND/09/11/364;

The said modle is a strain gauge type load cell hased automatic gravimetric filling instrument (bag filling machine). It has maximum capacity of 50kg. and d value of 5g. with a frequency of 10 fills per minute depending upon the quantity and nature of the product. The machine is designed for filling all types of free flowing materials like chemicals, sugar, suji, rawa etc. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

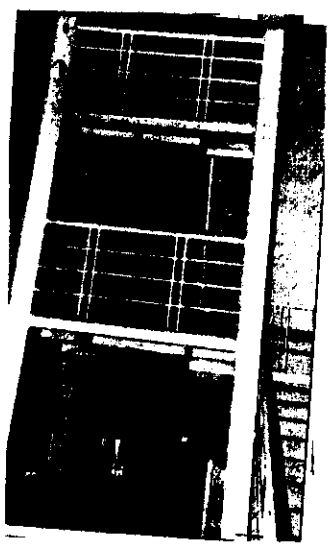

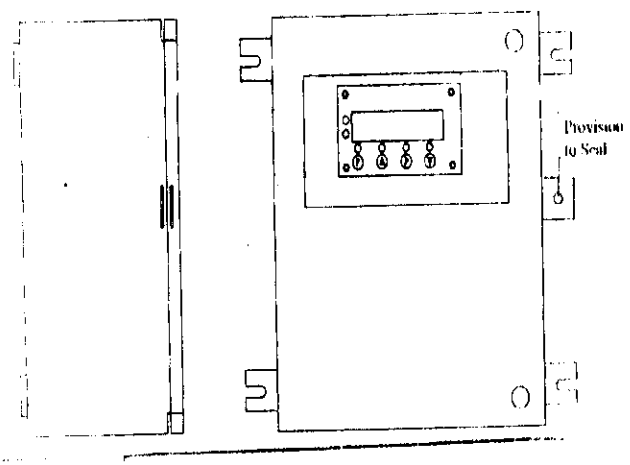

Figure-2 : Sealing diagram of the sealing provision of the model.

On the rear side of the indicator, a leaded sealing wire is fastened through two bored screws, passing over the cover and bracket, for receiving the verification stamp and seal. The indicator can not be opened without tampering the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D/card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approvad of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall. also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (213)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1455.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 के दूसरे परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स हांगझाऊ हुआ'आन मेडीकल एंड हैल्थ इंस्ट्रूमेंट कंपनी लि., बिल्डिंग 2, बैमिओ इंडस्ट्रीयल पार्क इकोनोमिक डेवलपमेंट जोन, वुचांग, हांगझाउ झिजिआंग-310023, चीन द्वारा विनिर्मित यथार्थता वर्ग-II वाले "डीटी-01बी शृंखला के अधिकतम डिवाइस अंकक सूचन सहित, क्लिनीकल इलेक्ट्रीकल थर्मामीटर के साथ, जिसके ब्राण्ड का नाम "रेनबेक्सी" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे मैसर्स बंगा इंटरनेशनल, 16/5, मथुरा रोड, ए-33, करखना बाग, फरीदाबाद-121002 द्वारा बिक्री से पहले या बाद में बिना किसी परिवर्तन के भारत में आयात किया गया और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/418 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है ।

आकृति-1

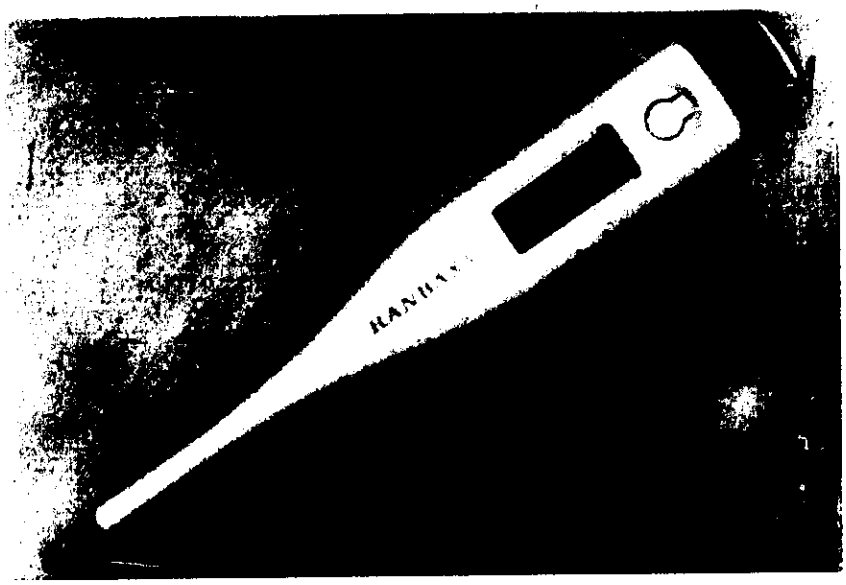

उक्त माडल हार्ड टिप टाइप क्लिनीकल इलेक्ट्रीकल थर्मामीटर है जो अधिकतम डिवाइस, एल सी डी (लिक्विड क्रिस्टल डायोड) टाइप अंकक सूचन सहित मापमान रेंज 35.5°C से 42°C में है और जिसका न्यूनतम स्केल अंतराल 0.1°C है । यह 1.5 वी डीसी बैटरी से परिचालित होता है ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(187)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1455.—Whereas the Central Govenunent, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules,2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the second proviso to Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of Clinical Electrical Thermometer with Maximum Device with digital indication of Accuracy Class-II of series "DT-01B" and with brand name "RANBAXY" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s Hangzhou Hua'an Medical and Health Instruments Company Limited, Building 2, Baimiao Industrial Park Economic Development Zone, Wuchang, Hangzhou, Zhejiang 310023, China and imported in India without any alteration before or after sale by M/s Banga International, 16/5, Mathura Road, A-33, Karkhana Bagh, Faridabad-121 002 and which is assigned the approval mark IND/0911/418;

Figure-1 Model

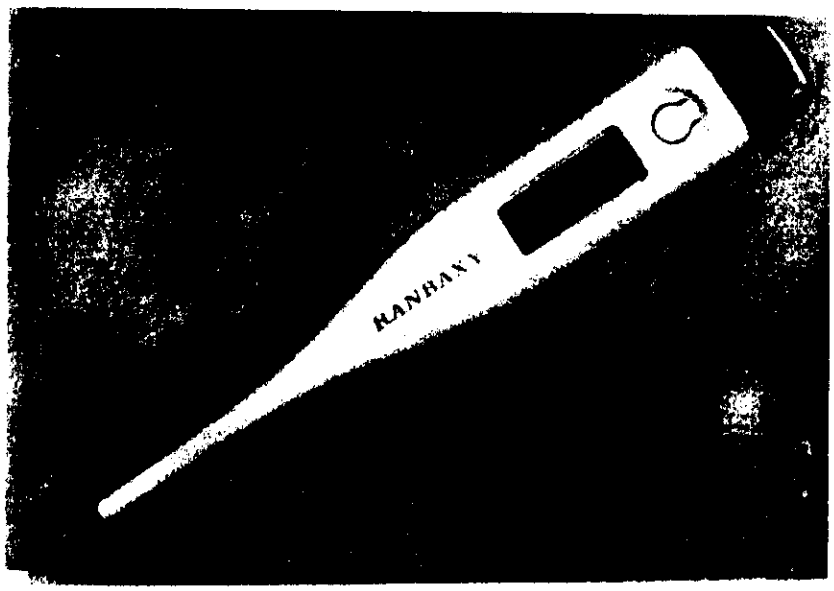

The said model is a hard tip type Clinical Electrical Thermometer with maximum device, having measurement range of 35.5°C to 42°C with digital indication of LCD (Liquid Crystal Display) type and the smallest scale interval is 0.1 °C. It operates on 1.5V DC battery.

[F. No. WM-21 (187)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1456.—केन्द्रीय सरकार का, एनएमआई सरटेन बी.वी. नीदरलैंड (ओआईएमएल) जारीकर्ता प्राधिकरण एनएमआई, द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स तनिता कारपोरेशन, 14-2, 1 चोम, माएनो-चो, इताबशकु, टोक्या 174-8630 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एससी-240एमए" शृंखला/टाइप के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) के मॉडल का, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे भारत में मैसर्स तनिता इंडिया प्रा.लि., लेवल-8, विबग्योर टावर, सी-62, जी ब्लॉक, बान्द्रा कुर्ला काम्पलैक्स, बान्द्रा, पूर्व, मुंबई-400051 द्वारा बिक्री से पूर्व या बाद में बिना किसी बदलाव के बिक्रीत किया जाता है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/13/11/333 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (व्यक्ति तोलन मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता ≤ 200 कि.ग्रा. है और इंटरवल स्केल नम्बर (एन) ≤ 2000 डिविजन है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) ≥ 100 ग्रा. है । उपकरण 6×1.5 बैट्रीज, एसी/डीसी एडाप्टर, 50/60 हर्ट्ज से 9 वोल्ट डीसी पर कार्य करता है ।

आकृति-1

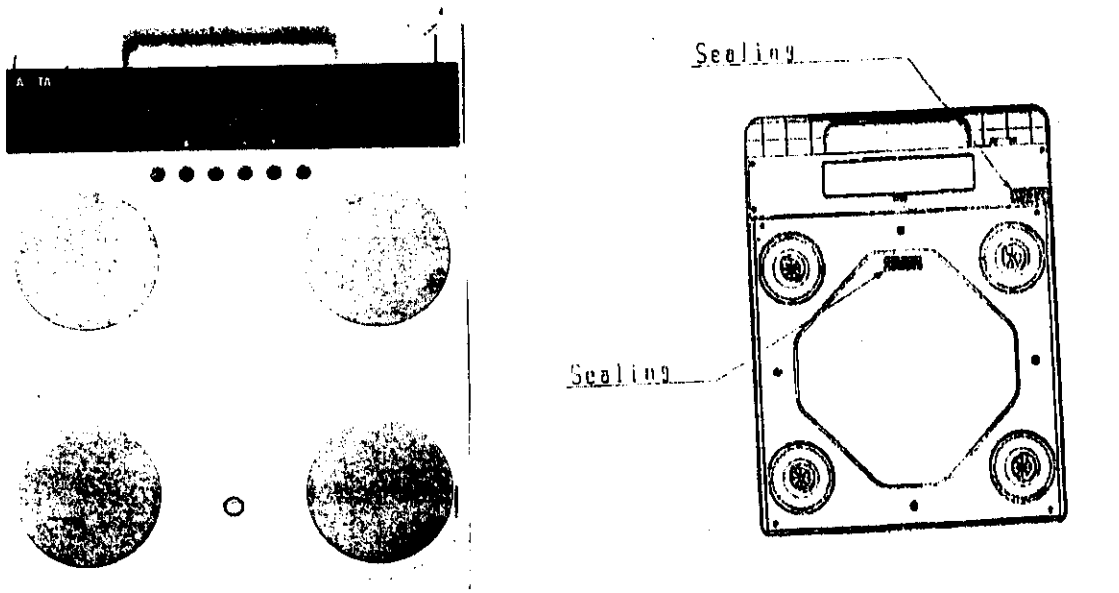

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

उपरोक्त डायग्राम में दिए गए तरीके से सीलिंग की गई है ताकि प्रयोगकर्ता द्वारा इसके पुर्जों को छिन्न-भिन्न या समायोजित न किया जा सके । माडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(138)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1456.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it along with the model approval certificate issued by NMI Certain B. V., Netherlands (OIML issuing authority NLI), is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the second proviso to Section 22 of the Legal Metrology Act 2009 (1 of 2010) and sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Person Weighing Machine) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series/type "SC-240 MA" (hereinafter referred to as the model), manufactured by M/s Tanita Corporation, 14-2, 1 Chome, Macno-cho, Itabash-ku, Tokyo 174-8630 and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Tanita India Pvt. l,td. Level 8, Vibgyor Towers, C-62, G-Block, Bandra Kurla Complex, Bandra-East, Mumbai-400051 and which is assigned the approval mark IND/13/11/333;

The said model is a load cell based non-automatic weighing instrument (Person Weighing machine) with a maximum capacity ≤ 200 kg. and number of scale interval (n) ≤ 2000 division. The verification scale interval (e) is ≥ 100 g. The instrument operates on 6 x 1.5 V batteries, AC/DC adapter, 50/60 Hz to 9 V DC.

Figure 1.

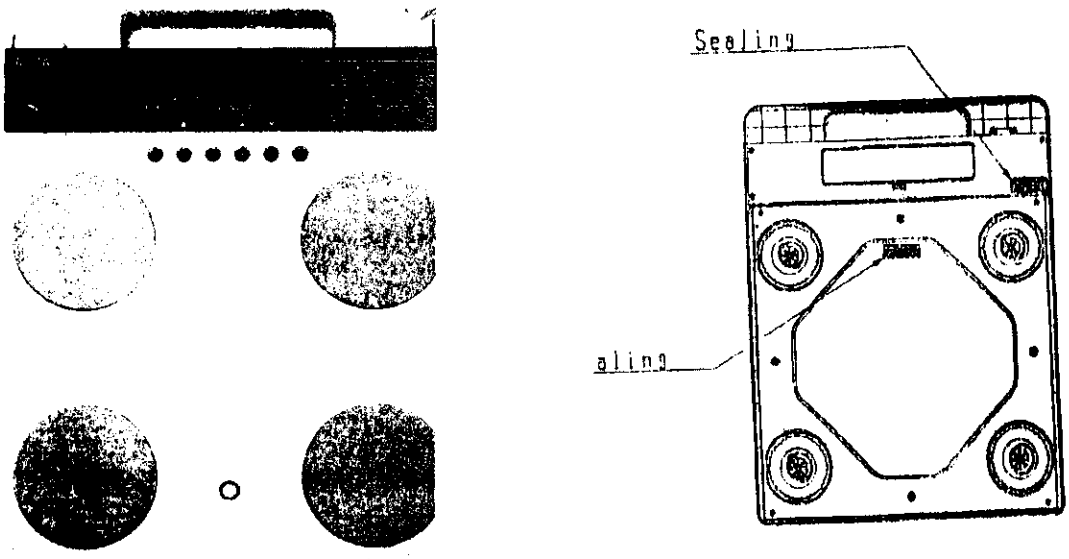

Figure 2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done in a manner as shown in the said diagram so that the components may not be dismantled or adjusted by user. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

[F. No.WM-21(138)/2011]
B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1457.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एस्सेइ डिजिट्रोनिक्स प्रा.लि., प्लाट नं. डी-61, एलडेको-सिडक्ल इंडस्ट्रीयल पार्क, उधमसिंह नगर, सितारगंज, उत्तराखण्ड-262405 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "टीएम-969" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज-मल्टी लोड सैल टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "ईएसएसएई" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/423 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज-मल्टी लोड सैल टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 80 टन और न्यूनतम क्षमता 400 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 20 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

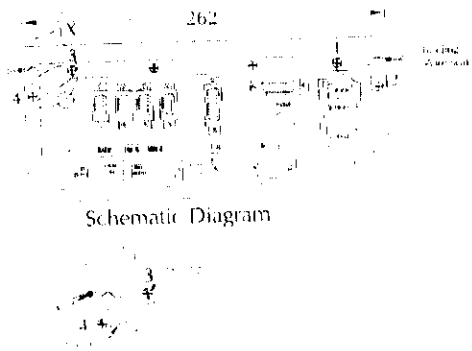

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्पले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्पले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उसे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(243)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1457.—Wereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 22 of the Legal Metrology Act. 2009 (1 or 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Govenmlent hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (electronic weighbridge-multi load cell type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series "TM-969" and with brand name "ESSAE" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Essae Digitronics Private Limited, Plot No. D-61, Eldeco-Sidcul Industrial Park, Udamsingh Nagar, Sitarganj, Uttarakhand-262405 and which is assigned the approval mark IND/09/11/423;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrume :t (electronic weighbridge-multi load cell type) with a maximum capacity of 80 tonne and minimum capacity of 400 kg. The verification scale interval (e) is 20kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The graphic liquid crystal display (LCD) indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1.

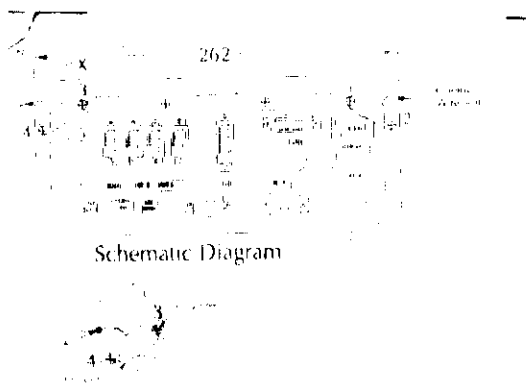

Figure 2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with above 5 tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k; 2×10^k or 5×10^k, where 'k' is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (243)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1458.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एनडीएन आटोमेशन, हनुमान काम्पलेक्स, दूसरा तल, बेलागुम्बा मैन रोड, हनुमानथपुरा बस स्टाप, कुवेमपुनगर, दुमकुर-572103, कर्नाटक द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "टीटीएस" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एनडीएन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/379 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 35 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

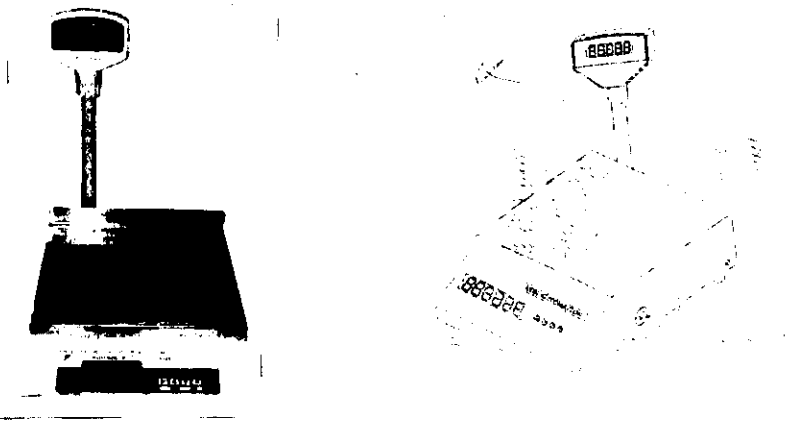

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} , 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(225)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1458.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series "TTS" and with brand name "NDN" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. NDN Automation, Hanuman Complex, 2nd Floor, Belagumba Main Road, Hanumanthapura Bus Stop, Kuvempunagar, Tumkur-572103, Karnataka and which is assigned the approval mark IND/09/11/379;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 35 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

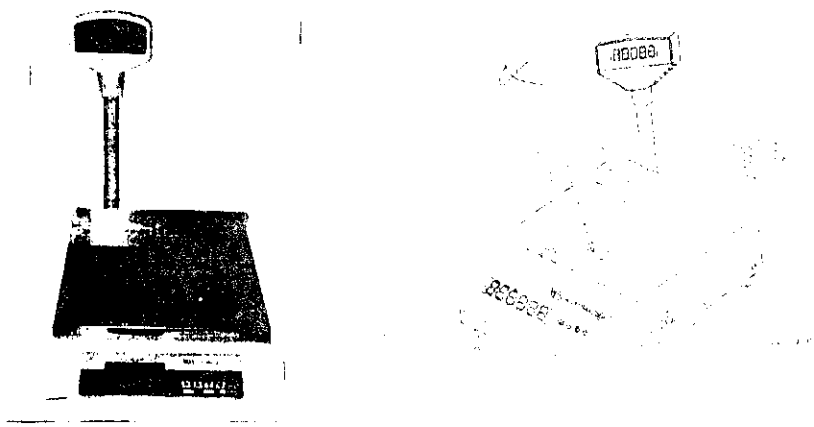

Figure 2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (225)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1459.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स एनडीएन आटोमेशन, हनुमान काम्पलेक्स, दूसरा तल, बेलागुम्बा मैन रोड, हनुमानथपुरा बस स्टाप, कुबेमपुनगर, तुमकुर-572103, कर्नाटक द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "पीएफएस" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एनडीएन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/380 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1500 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 4 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 200 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

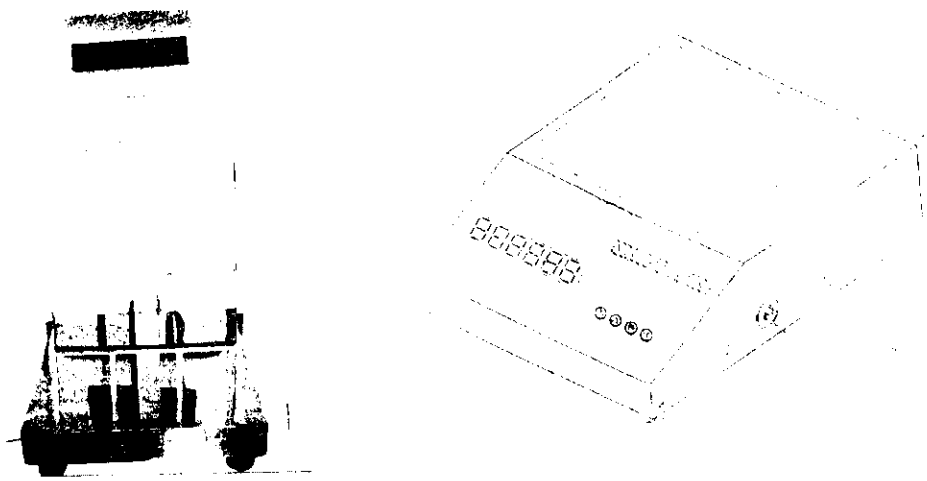

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्पले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्पले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} , 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(225)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O.1459.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series "PFS" and with brand name "NDN" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. NDN Automation, Hanuman Complex, 2nd Floor, Belagumba Main Road, Hanumanthapura Bus Stop, Kuvempunagar, Tumkur-5721 03, Karnataka and which is assigned the approval mark IND/09/11/380;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1500kg. and minimum capacity of 4 kg. The verification scale interval (e) is 200g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure 1.

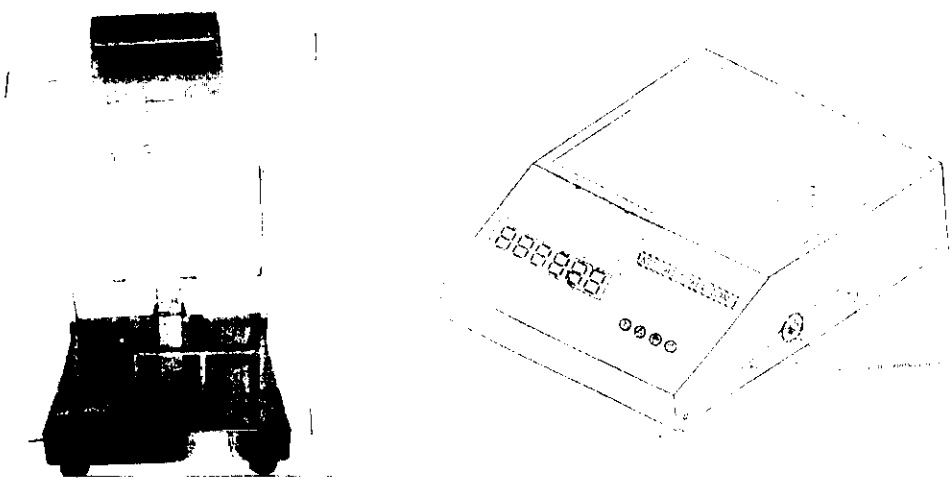

Figure 2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attachcd with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of smne series with maximum capacity above 50kg. and up to 5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5mg. or more and with 'e' value of 1×10^k; 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (225)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1460.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स योंगकांग जुयुआन इम्प एंड इएक्सपी कं. लि., तीसरा तल, नं. 95, झिवई साउथ रोड, योंगकांग, झिजिआंग, चीन द्वारा विनिर्मित साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग-IIII) वाले "जीएफपीडब्ल्यू" शृंखला के अस्वचालित तोलन उपकरण (मेकेनिकल व्यक्ति तोलन मशीन) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "न्यूट्रीलाइट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे भारत में मैसर्स दा गिफ्ट फैक्टरी, बी-291, ओखला फेज-1, नई दिल्ली-110020 द्वारा बिक्री से पूर्व या पश्चात् बिना किसी बदलाव के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/406 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल स्प्रिंग सिद्धान्त पर आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (मेकेनिकल व्यक्ति तोलन मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 130 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 10 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 1 कि. ग्रा. है । अंशाकन स्केल पर दिया गया प्वांटर मापमान को सूचित करता है ।

आकृति-1

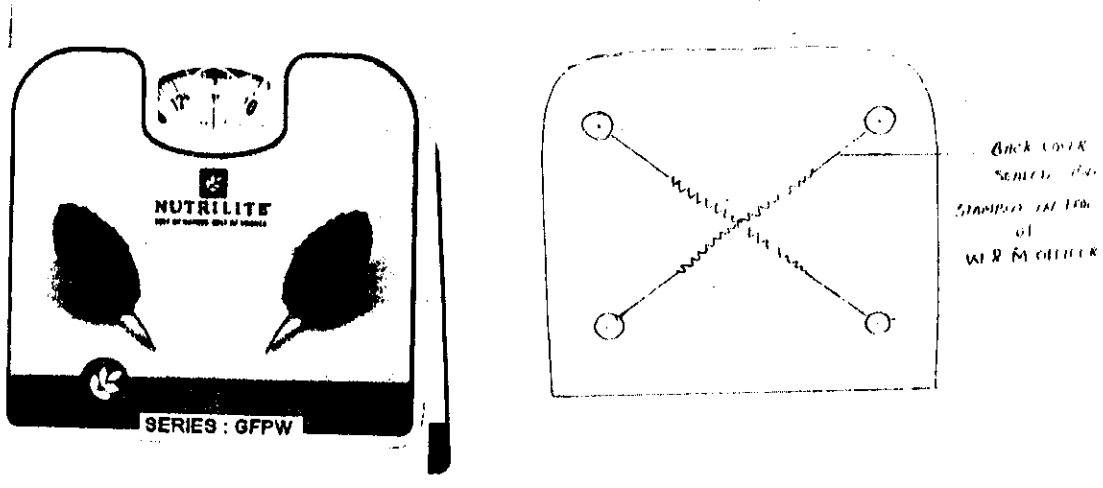

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

उपकरण की बाडी पर दिए गए छेदों में से लीड और सील वायर लगाकर सील किया जा सकता है । कपटपूर्ण व्यवहार के लिए मशीन को खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 100 से 1,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 150 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(246)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1460.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (mechanical person weighing machine) of ordinary accuracy (accuracy class-IIII) of series "GFPW" and with brand name "NUTRILITE" (thereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s Yongkang Juyuan Imp And Exp Co. Ltd., 3rd Floor, No 95, Ziwei South Road, Yongkang, Zhejiang, China and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. The Gift Factory, B-29I, Okhla Phase-1, New Delhi-l 10020 which is assigned the approval mark IND/09/11/406;

The said model is the principal of spring based non-automatic weighing instrument (mechanical person weighing machine) with a maximum capacity of 130 kg. and minimum capacity of 10kg. The verification scale interval (e) is 1 kg. A pointer on the dial indicates the results of the measurement.

Figure-1 Model

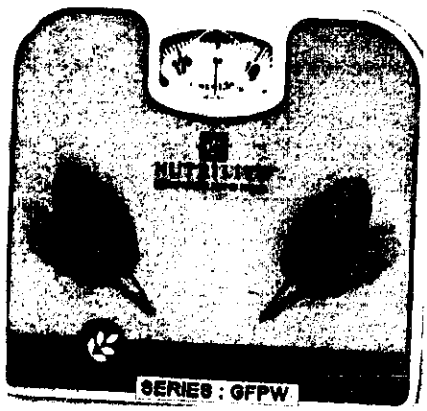

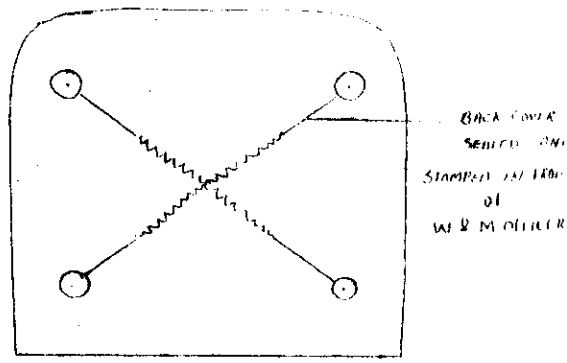

Figure-2 : Sealing diagram of the sealing provision of the model

Sealing can be done. by applying lead and seal wire through the holes provided on the body of the instruments. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 150kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 1,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k; 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (246)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1461.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स डॉकबेल इंडस्ट्रीज, 8/30, कीर्ति नगर इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110015 द्वारा विनिर्मित साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "बीपीएस" शृंखला के अस्वचालित तोलन उपकरण (मेकेनिकल टेबल टाप वेइंग स्केल) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "डॉकबेल ब्रौन" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/319 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल स्प्रिंग सिद्धांत पर आधारित मेकेनिकल अस्वचालित तोलन उपकरण (मेकेनिकल टेबल टाप वेइंग स्केल) है । इसकी अधिकतम क्षमता 25 कि. ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 1 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । अंशांकन स्केल पर दिया गया प्वांटर मापमान को सूचित करता है ।

आकृति -1 मॉडल

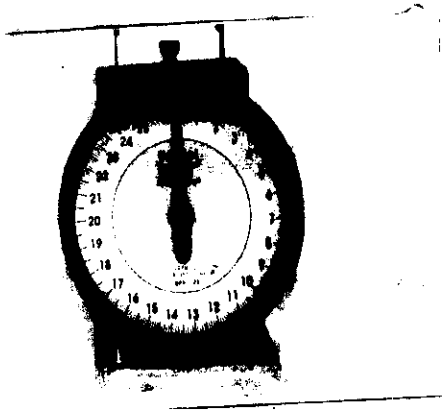

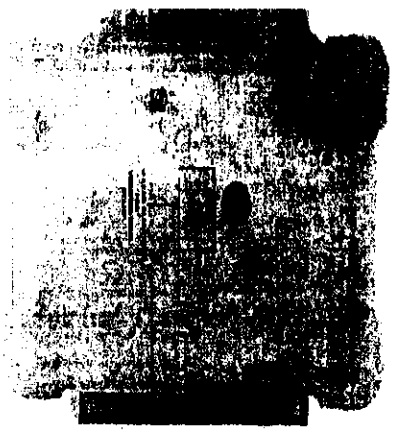

आकृति-2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

उपकरण की बाडी पर दिए गए छेदों में से लीड और सील वायर लगाकर सील किया जा सकता है । कपटपूर्ण व्यवहार के लिए मशीन को खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 100 से 1000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 150 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(180)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1461.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Mechanical table top weighing scale) of ordinary accuracy (accuracy class-IIII) of series "BPS" and with brand name "DOCBEL-BRAUN" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Docbel Industries, 8/30, Kirti Nagar Industrial Area, New Delhi-110015 and which is assigned the approval mark IND/09/11/319;

The said model is the principal of spring based non-automatic weighing instrument (Mechanical table top weighing scale) with a maximum capacity of 25 kg and minimum capacity of 1kg. The verification scale interval (e) is 100g. A pointer on the dial indicates the results of the measurement.

Figure-1 Model

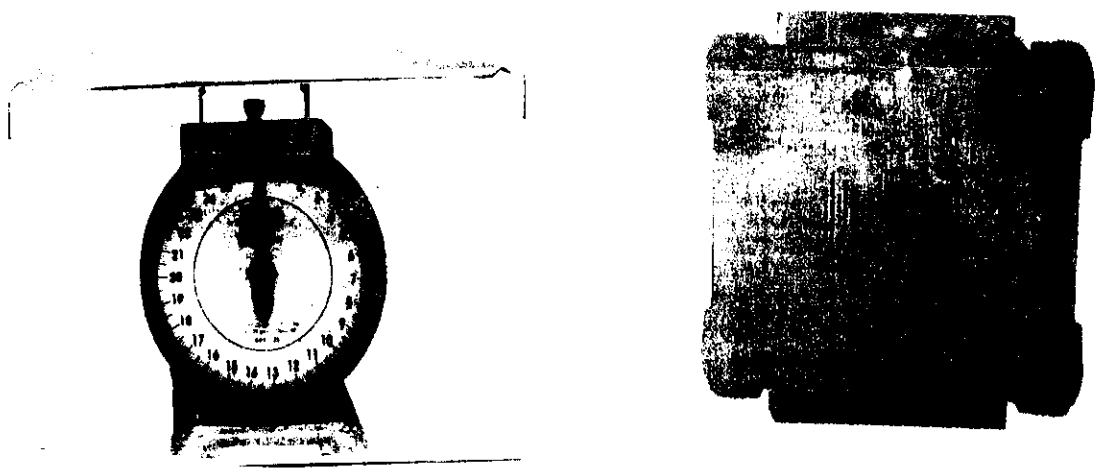

Figure-2 Sealing Diagram of sealing provision of the model.

Sealing can be done by applying lead and seal wire through the holes provided on the body of the instruments. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 150 kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 1,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(180)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1462.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स डॉकबेल इंडस्ट्रीज, 8/30, कीर्ति नगर इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110015 द्वारा विनिर्मित साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग-IIII) वाले "बीकेएस" शृंखला अस्वचालित तोलन उपकरण (मेकेनिकल किचन वेइंग स्केल-टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "डॉकबेल ब्रौन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/320 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल स्प्रिंग सिद्धांत पर आधारित मेकेनिकल अस्वचालित तोलन उपकरण (मेकेनिकल किचन वेइंग स्केल-टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 ग्रा. है । अंशाकन स्केल पर दिया गया प्वांटर मापमान को सूचित करता है ।

आकृति -1मॉडल

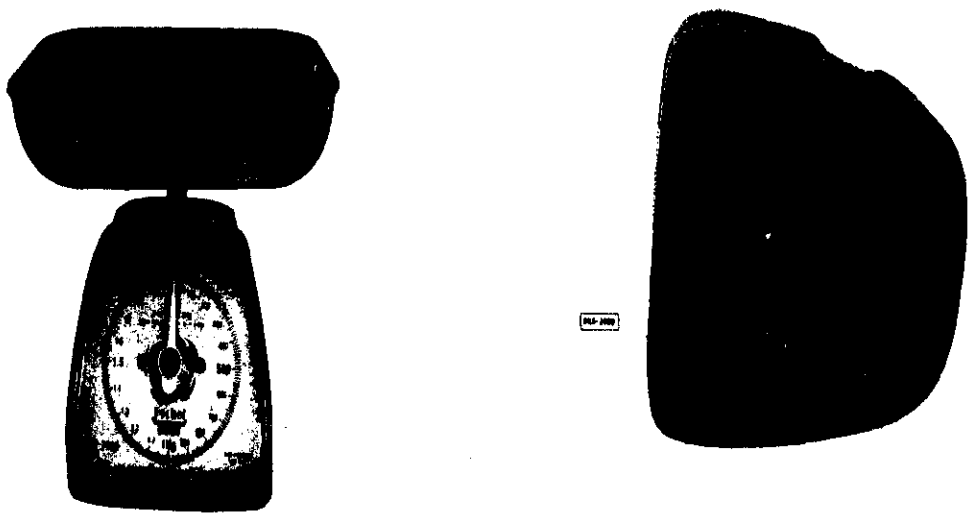

आकृति-2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

उपकरण की बाडी पर दिए गए छेदों में से लीड और सील वायर लगाकर सील किया जा सकता है । कपटपूर्ण व्यवहार के लिए मशीन को खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 100 से 1000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 10 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(180)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1462.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Mechanical kitchen weighing scale-table top type) of ordinary accuracy (accuracy class- IIII) of series "BKS" and with brand name "DOCBEL-BRAUN" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Docbel Industries, 8/30. Kirti Nagar Industrial Area, New Delhi-110015 and which is assigned the approval mark IND/09/11/320;

The said model is the principal of spring based non-automatic weighing instrument (Mechanical kitchen weighing scale-table top type) with a maximum capacity of 2 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 10g. A pointer on the dial indicates the results of the measurement.

Figure-1 Model

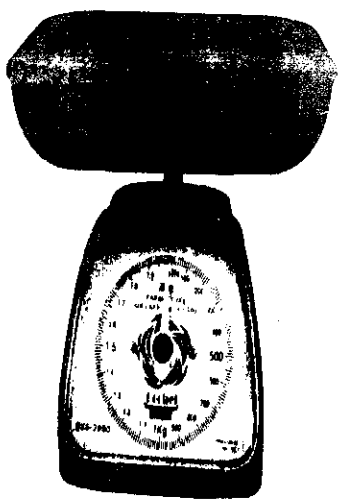

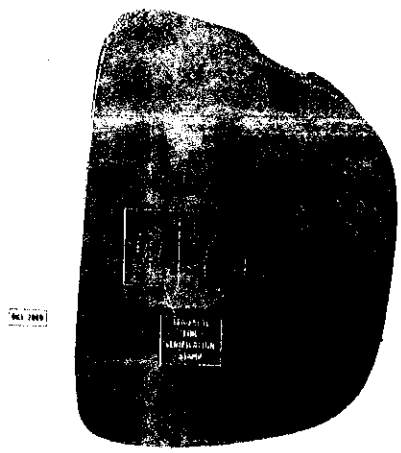

Figure-2 Sealing Diagram of the sealing provision of the model

Sealing can be done by applying lead and seal wire through the holes provided on the body of the instruments. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 10 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 1,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(180)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1463.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स मेटलर-टोलेडो ए जी, आईएम लांगचेर, 8606, ग्रीफेंसी, स्विटजरलैंड द्वारा विनिर्मित विशेष यथार्थता (यथार्थता वर्ग-I) वाले ''जेएस-1'' शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम ''मेटलर टोलेडो'' है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) जिसे भारत में मैसर्स मेटलर-टोलेडो इंडिया प्राइवेट लि. अमर हिल्स, एम वी रोड, पोवई, मुबई-400072 द्वारा बिक्री से पहले या बाद में बिना किसी बदलाव के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/383 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक इलैक्ट्रो मैगनेटिक फोर्स कम्पेनसेशन प्रिंसोपल पर आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 4200 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 मि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । वैक्यूम फ्लोरेसेंट प्रदर्श (वीएफडी) तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

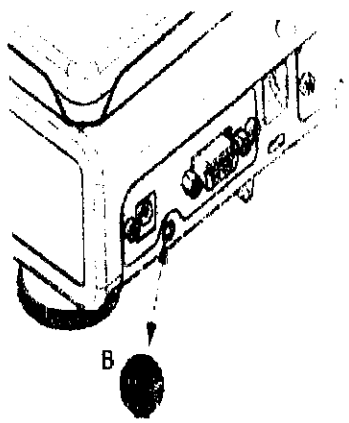

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्पले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्पले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन क अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. या अधिक के ''ई'' मान के लिए 50000 या अधिक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(226)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1463.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of special accuracy (accuracy class- I) of series "JS-I" and with brand name "METTLER-TOLEDO" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Mettler Toledo AG, Im Langacher, 8606, Greifensee, Switzerland and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Mettler Toledo India Private Limited. Amar Hill, S. V. Road, Powai, Mumbai-400072 which is assigned the approval mark IND/09/11/383;

The said model is electro magnetic force compensation principle based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 4200g. and minimum capacity of 1g. The verification scale interval (e) is 10mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The vacuum florescent display (VFD) indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

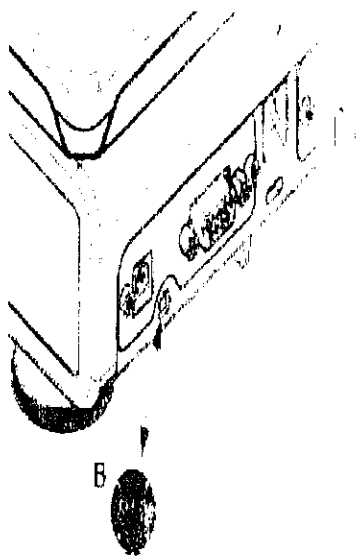

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 50000 or more for 'e' value of 1mg. or more and with 'e' value of 1×10^{k}, 2×10^{k} or 5×10^{k}, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(226)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1464.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स मेटलर-टोलेडो ए जी, आईएम लांगचेर, 8606, ग्रीफेंसी, स्विटजरलैंड द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "जेएस-II" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "मेटलर टोलेडो" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) जिसे भारत में मैसर्स मेटलर-टोलेडो इंडिया प्राइवेट लि. अमर हिल्स, एस वी रोड, पोवई, मुबई-400072 द्वारा बिक्री से पहले या बाद में बिना किसी बदलाव के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/384 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक इलैक्ट्रो मैगनेटिक फोर्स कम्पेनसेशन प्रिंसीपल पर आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 8200 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 5 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 मि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । वैक्यूम फ्लोरेसेंट प्रदर्श (वीएफडी) तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

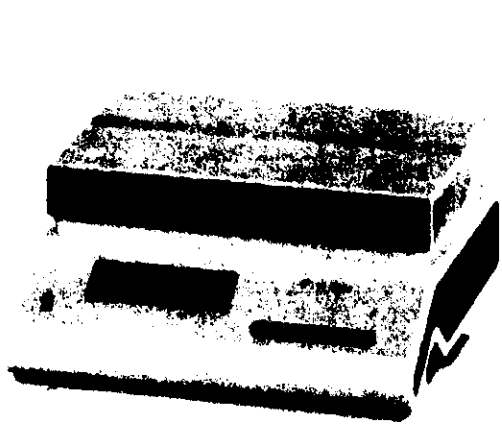

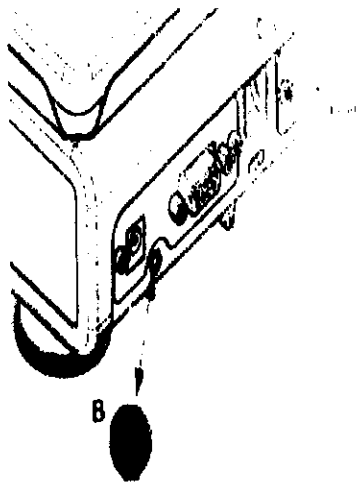

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्पले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्पले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि. ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 100,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(226)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1464.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of high accuracy (accuracy class- II) of series "JS-II" and with brand name "METTLER-TOLEDO" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Mettler Toledo AG, Im Langacher, 8606, Greifensee, Switzerland and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Mettler Toledo India Private Limited. Amar Hill, S. V. Road, Powai, Mumbai-400072 which is assigned the approval mark IND/09/11/384;

The said model is electro magnetic force compensation principle based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 8200g. and minimum capacity of 5g. The verification scale interval (e) is 100mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Vacuum Florescent Display (VFD) indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

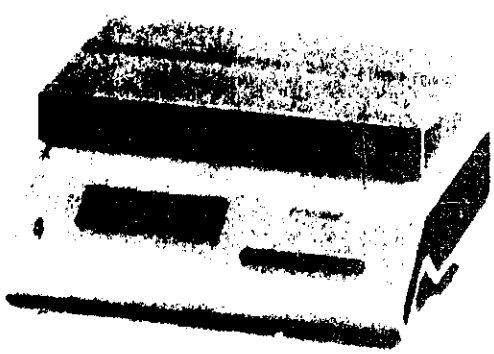

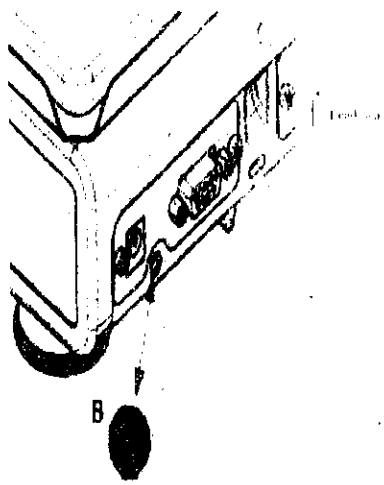

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A calibration switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 100000 for 'e' value of 1mg. to 50mg. and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 100000 for 'e' value of 100mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(226)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1465.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स मेटलर-टोलेडो ए जी, आईएम लांगचेर, 8606, ग्रीफेंसी, स्विटजरलैंड द्वारा विनिर्मित विशेष यथार्थता (यथार्थता वर्ग-I) वाले ''जेपी-I'' शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) के मॉडल का, जिसकी ब्राण्ड का नाम ''मेटलर टोलेडो'' है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) जिसे भारत में मैसर्स मेटलर-टोलेडो इंडिया प्राइवेट लि. अमर हिल्स, एस बी रोड, पोवई, मुंबई-400072 द्वारा बिक्री से पहले या बाद में बिना किसी बदलाव के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/385 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक इलैक्ट्रो मैगनेटिक फोर्स कम्पेनसेशन प्रिंसीपल पर आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 520 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 मि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 1 मि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । वैक्यूम फ्लोरेसेंट प्रदर्श (वीएफडी) तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

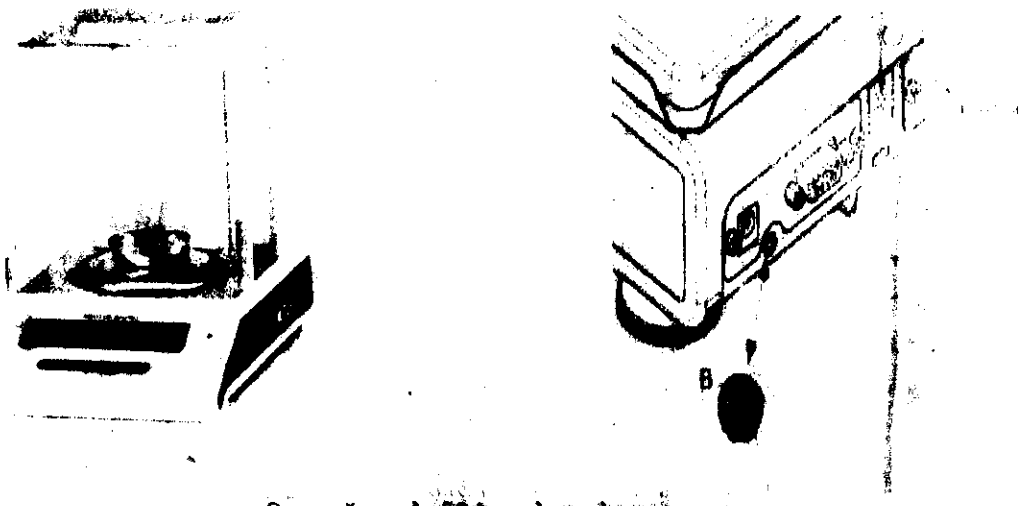

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । [illegible] के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. या अधिक के ''ई'' मान के लिए 50000 या अधिक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और ''ई'' मान 1×10^k, 2×10^k, 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(226)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1465.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Model) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of special accuracy (accuracy class- I) of series "JP-I" and with brand name "METTLER-TOLEDO" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Mettler Toledo AG, Im Langacher, 8606, Greifensee, Switzerland and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Mettler Toledo India Private Limited. Amar Hill, S. V. Road, Powai, Mumbai-400072 which is assigned the approval mark IND/09/11/385;

The said model is electro magnetic force compensation principle based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 520g. and minimum capacity of 100mg. The verification scale interval (e) is 1mg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The vacuum florescent display (VFD) indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

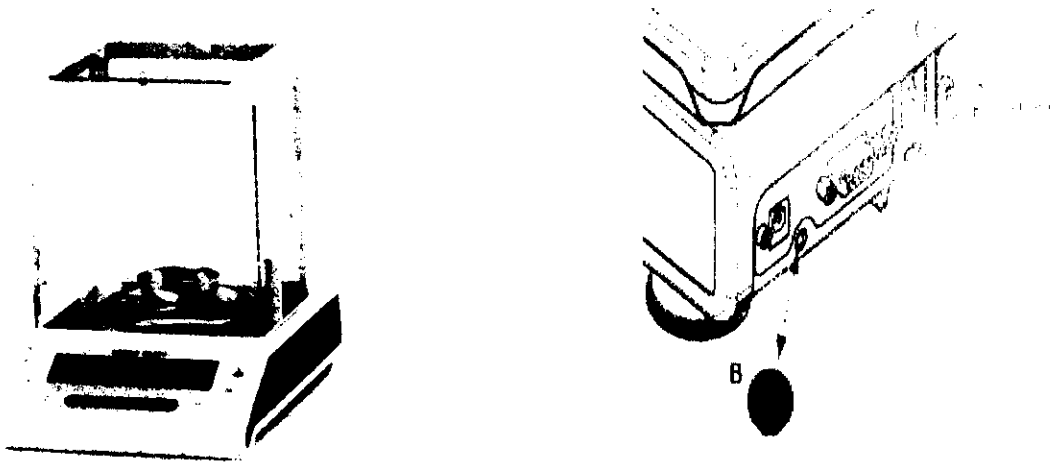

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A calibration switch has also been provided in A/D card/ mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 50000 or more for 'e' value of 1mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(226)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1466.—3केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स मेटलर-टोलेडो ए जी, आईएम लांगचेर, 8606, ग्रीफेंसी, स्विटजरलैंड द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "जेपी-II" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "मेटलर टोलेडो" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) जिसे भारत में मैसर्स मेटलर-टोलेडो इंडिया प्राइवेट लि. अमर हिल्स, एस वी रोड, पोवई, मुंबई-400072 द्वारा बिक्री से पहले या बाद में बिना किसी बदलाव के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/386 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक इलैक्ट्रो मैगनेटिक फोर्स कम्पेनसेशन प्रिंसीपल पर आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 820 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 500 मि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 मि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । वैक्यूम फ्लोरेसेंट प्रदर्श (वीएफडी) तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

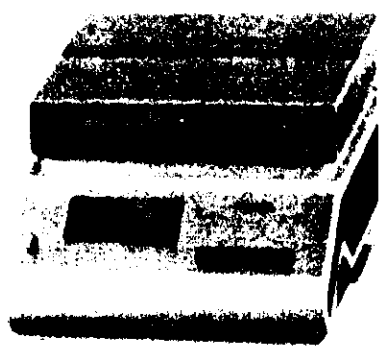

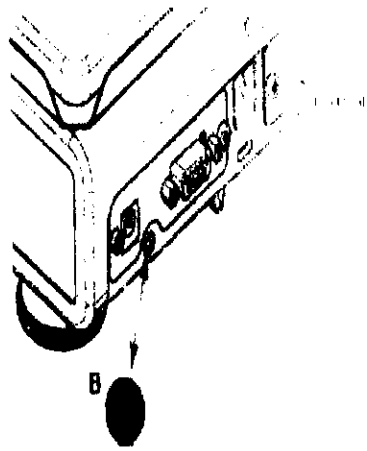

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि. ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 100,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(226)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1466.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of high accuracy (accuracy class- II) of series "JP-II" and with brand name "METTLER-TOLEDO" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Mettler Toledo AG , Im Langacher, 8606, Greifensee, Switzerland and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Mettler Toledo India Private Limited. Amar Hill, S. V. Road, Powai, Mumbai-400072 which is assigned the approval mark IND/09/11/386;

The said model is electro magnetic force compensation principle based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 820g. and minimum capacity of 500mg. The verification scale interval (e) is 10mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Vacuum Florescent Display (VFD) indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

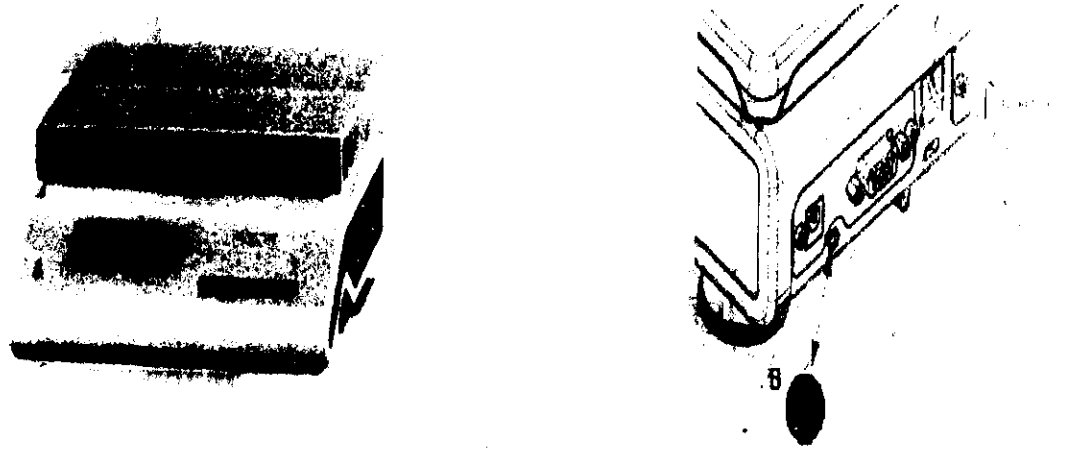

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 100000 for 'e' value of 1mg. to 50mg. and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 100000 for 'e' value of 100mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(226)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1467.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एम. पी. स्केल कार्पोरेशन एंड सिस्टम, एफ-40, सेक्टर-9, नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एमपीटीटी-30" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "वॅल्र्ड टैक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/436 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

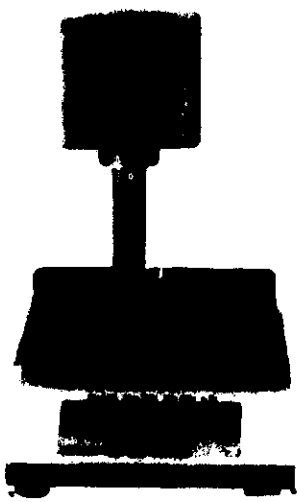

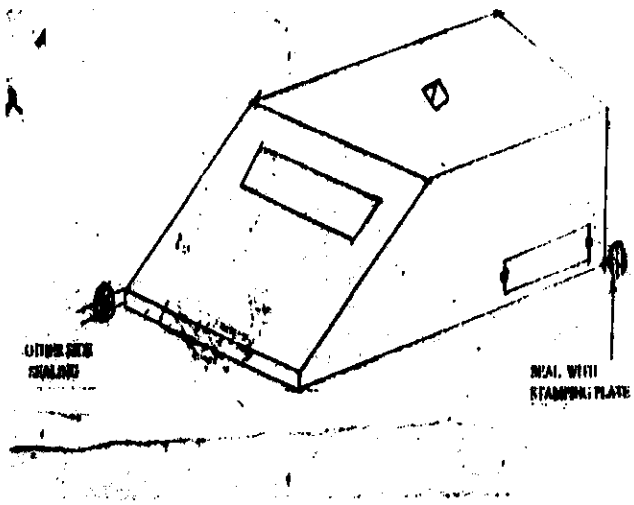

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्रकल्पी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में स्लिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(249)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1467.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class- III) of series "MPTT 30" and with brand name "WORLD TECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. M. P. Scale Corporation and System, F-40, Sector 9, Noida, Uttar Pradesh and which is assigned the approval mark IND/09/11/436 ;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 5 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

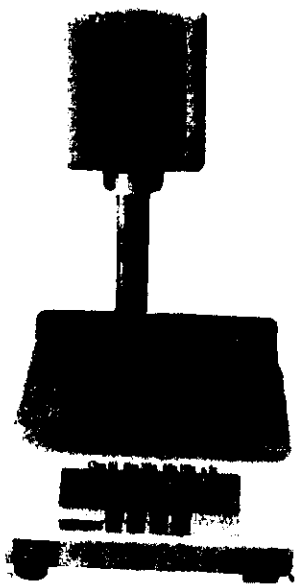

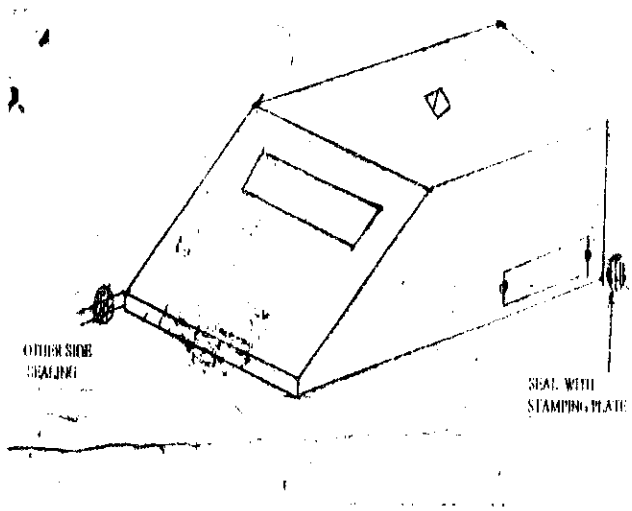

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(249)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1468.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एम. पी. स्केल कार्पोरेशन एंड सिस्टम, एफ-40, सेक्टर-9, नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एमपीपीटी-200" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "वॅर्ल्ड टैक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/437 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 200 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 20 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

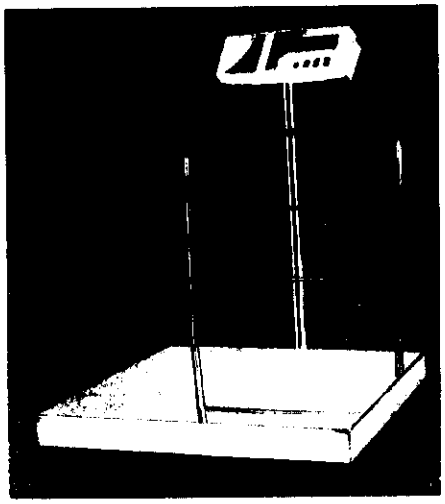

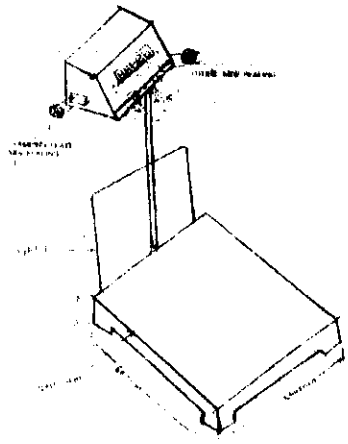

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. से 5000 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(249)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1468.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (1) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class III) of series "MPPT 200" and with brand name "WORLD TECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. M. P. Scale Corporation and System, F-40, Sector 9, Noida, Uttar Pradesh and which is assigned the approval mark IND/09/11/437 ;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 200 kg. and minimum capacity of 1kg. The verification scale interval (e) is 20 g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternate current power supply.

Figure-1 Model

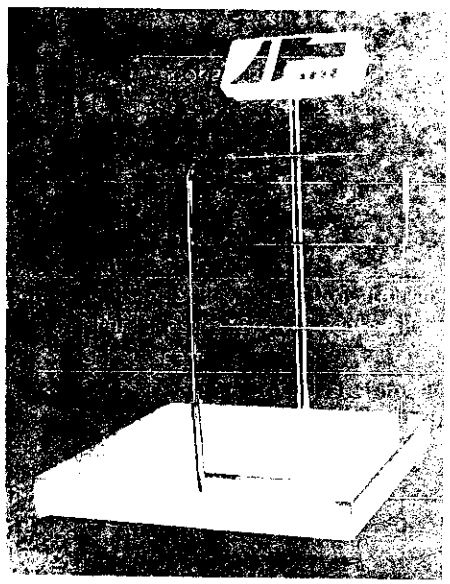

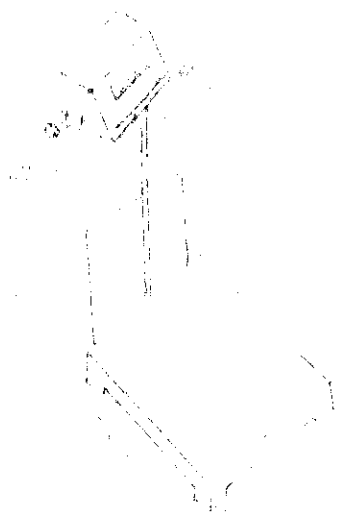

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(249)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1469.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एम.पी. स्केल कार्पोरेशन एंड सिस्टम, एफ-40, सेक्टर-9, नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एमपीडब्ल्यूबी-30टी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "वर्ल्ड टैक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/438 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 टन और न्यूनतम क्षमता 100 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

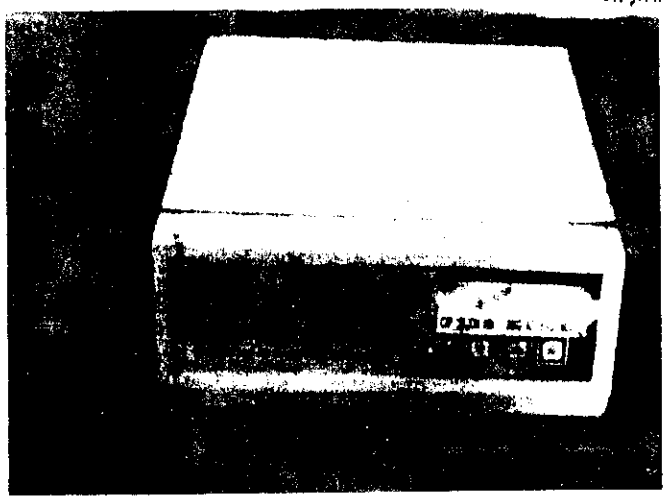

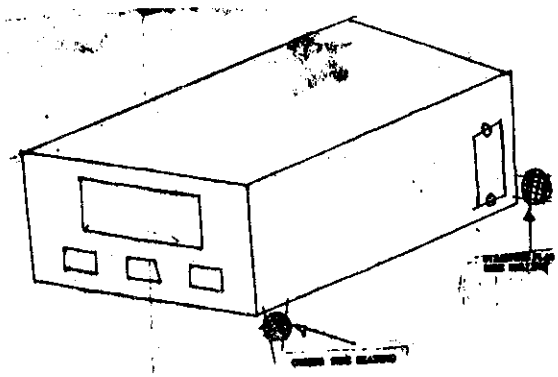

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(249)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1469.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (electronic weighbridge) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series "MPWB-30T" and with brand name "WORLD TECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s M. P. Scale Corporation and System, F-40, Sector 9, Noida, Uttar Pradesh and which is assigned the approval mark IND/09/11/438;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (electronic weighbridge) with a maximum capacity of 30 tonne and minimum capacity of 100 kg. The verification scale interval (e) is 5 Kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure1.

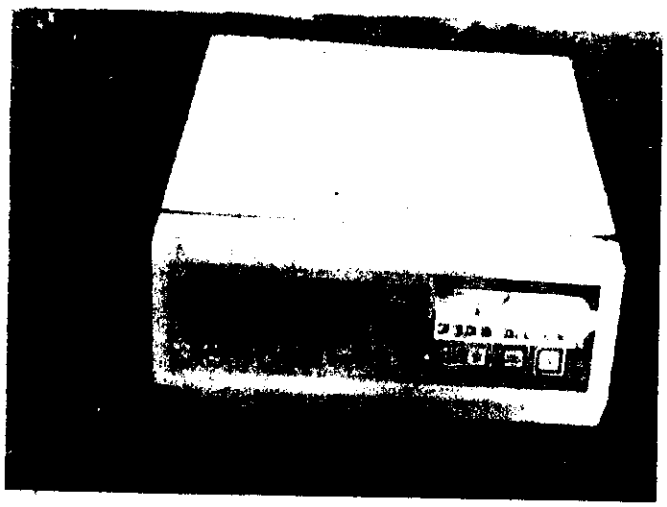

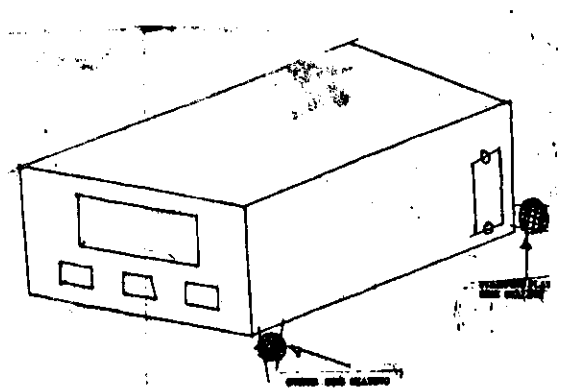

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above .

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of' approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of' 500 to 10000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacture' in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(249)/2011]
B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1470.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स श्री इलेक्ट्रोनिक सिस्टम, एस.नं. 82, ए-3 विंग, एफ. नं. 17, सिद्धी पार्क,साई चौक, नई सांगवी, पुणे-411027 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एसएचटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "श्री" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/394 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

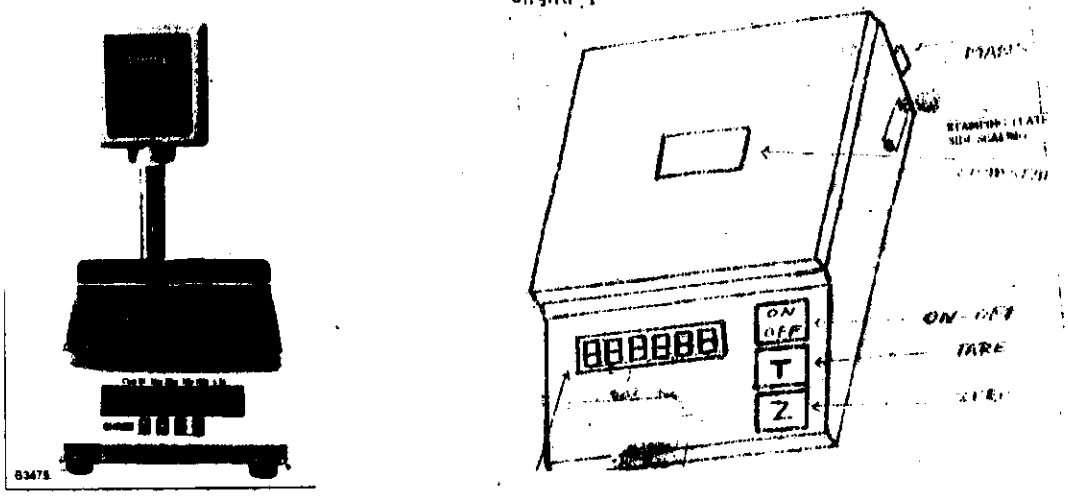

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा.तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(232)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1470.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series "SHT" and with brand name "SHREE" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s Shree Electronic Systems, S. No. 82, A-3 Wing, F. No. 17, Siddhi Park, Sai Chowk, New Sangvi, Pune-411027 and which is assigned the approval mark IND/09/11/394;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 5 g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure1.

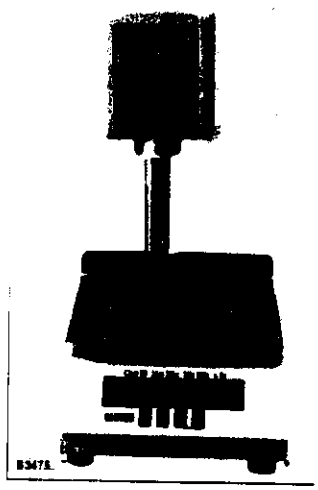

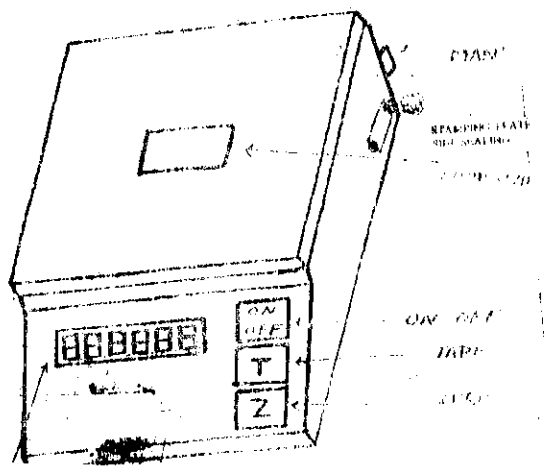

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above .

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board/PCB to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of' approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100 mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^{k}, 2×10^{k} or 5×10^{k}, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacture' in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(232)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1471.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स श्री इलेक्ट्रोनिक सिस्टम, एस.नं. 82, ए-3 विंग, एफ. नं. 17, सिद्धी पार्क,साई चौक, नई सांगवी, पुणे-411027 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एसएचपी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "श्री" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/395 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

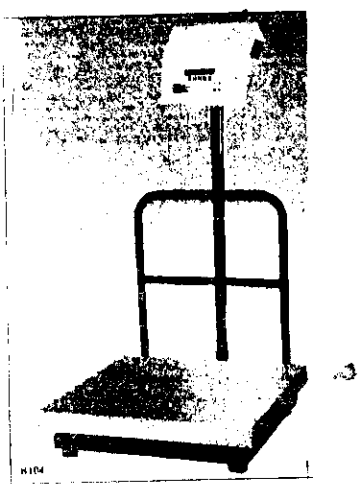

आकृति-2–मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(232)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1471.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series "SHP" and with brand name "SHREE" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s Shree Electronic Systems, S. No. 82, A-3 Wing, F. No. 17, Siddhi Park, Sai Chowk, New Sangvi, Pune-411027 and which is assigned the approval mark IND/09/11/395;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2 kg. The verification scale interval (e) is 100 g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure1.

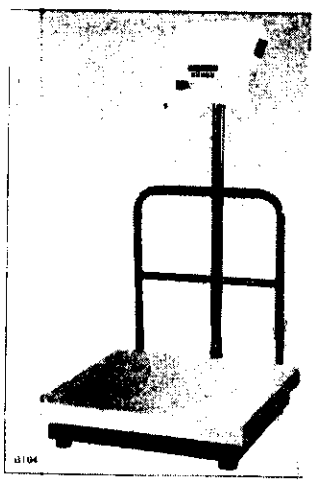

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above .

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board/PCB to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of' approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg.and up to 5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, $2\times10k$ or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer' in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(232)/2011]
B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1472.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स डीईएल इंजीनियरिंग, पैलेस बंगलो, चर्च वियु, ओल्ड वाटर टेंक, आनन्द-388001 गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "डीईएच" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (हैंगिंग स्केल) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "डीईएल" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/426 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (हैंगिंग स्केल) है । इसकी अधिकतम क्षमता 200 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 50 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

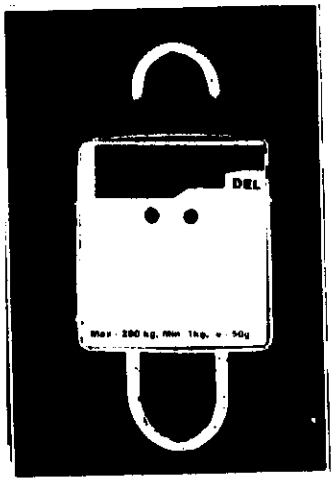

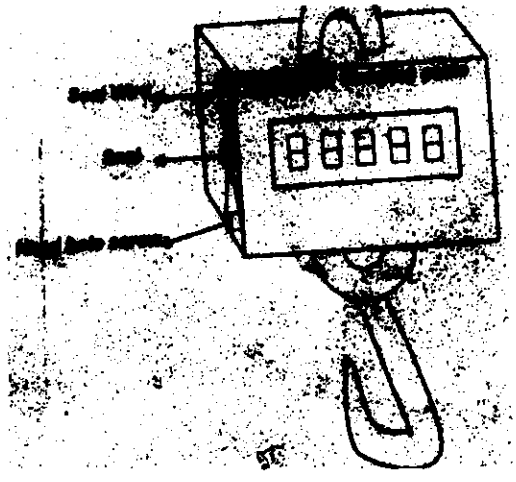

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 500 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{*}$, $2\times10^{*}$, $5\times10^{*}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(207)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1472.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (hanging scale) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series "DEH" and with brand name "DEL" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s DEL Engineering, Palace Banglow, Church View, Old Water Tank, Anand-388001, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/11/426;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (hanging scale) with a maximum capacity of 200 kg. and minimum capacity of 1 kg. The verification scale interval (e) is 50 g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure1.

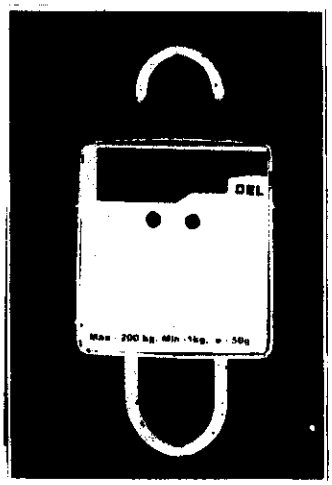

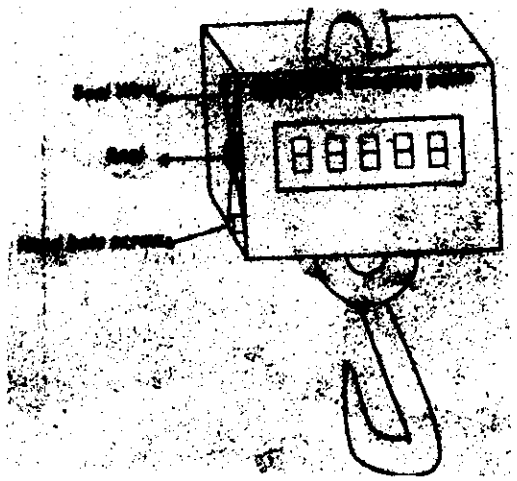

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above .

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of' approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 500 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer' in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(207)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1473.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स डेलटॉन वेइंग सिस्टम्स, रिंगल होटल के साथ, टैगोर चौक, बिलासपुर-494001 (छत्तीसगढ़) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "डीडब्ल्यूएस" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक बेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "डेलटॉन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/331 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 50 टन और न्यूनतम क्षमता 100 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

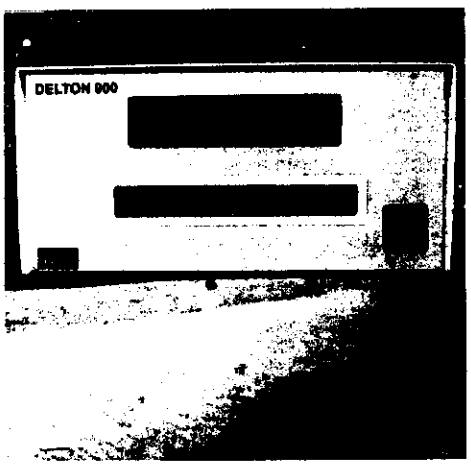

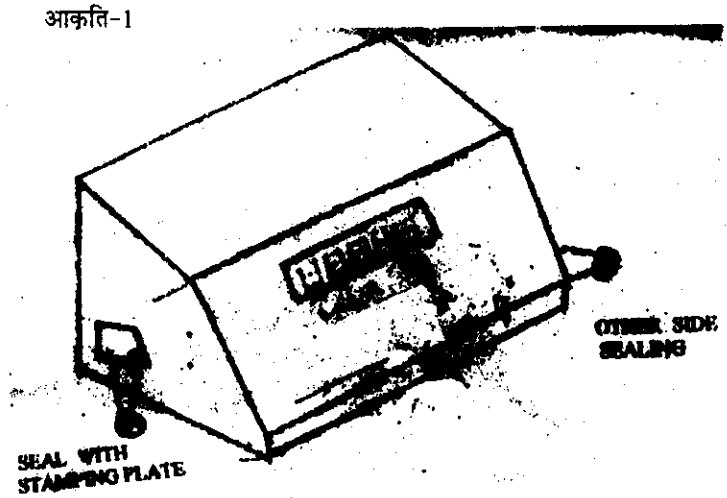

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(101)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 20th December, 2011

S.O. 1473.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with digital indication of medium accuracy (accuracy class-III) of series "DWS" and with brand name "DELTON" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s Delton Weighing Systems, Beside Regal Hotel, Tagore Chowk, Bilaspur-495 001 (C.G) and which is assigned the approval mark IND/09/11/331;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with a maximum capacity of 50 tonne and minimum capacity of 100 kg. The verification scale interval (e) is 5 kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Figure1.

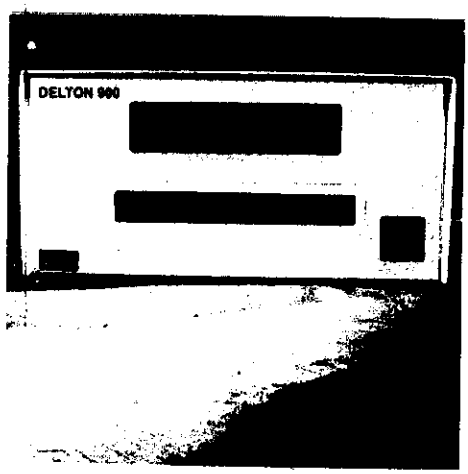

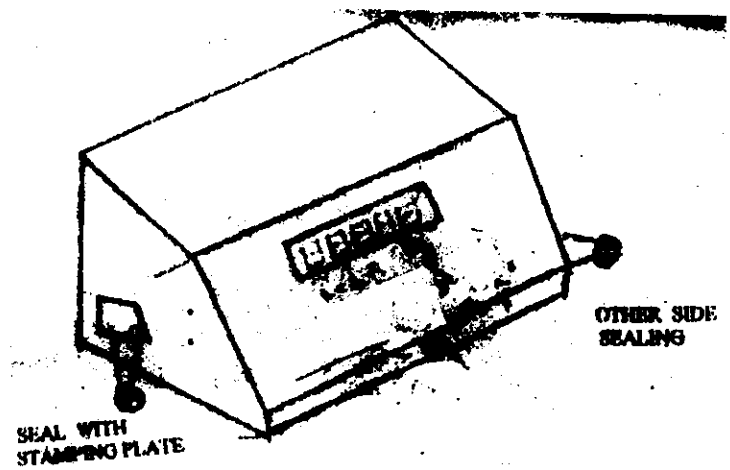

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by hole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above .

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D Card/Mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this cerificate of' approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with above 5 tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(101)/2011]
B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1474.—केन्द्रीय सरकार का स्वीडन के एसपी टेकनीकल रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा जारी मॉडल अनुमोदन प्रमाण-पत्र सहित दी गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 के दूसरे परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स ड्रेसर वेने एबी, लिम्हामंसवगेन 109, पी.ओ. बॉक्स-30049, एस.ई. 20061 मालमो, स्वीडन द्वारा विनिर्मित यथार्थता वर्ग 0.5 के पानी के अलावा अन्य द्रव्यों के लिए मापन पद्धति (फ्यूल डिस्पेंसर) अंकक सूचन सहित, जिसके ब्रांड का नाम 'ग्लोबल स्टार' है (जिसें इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे मैसर्स वोक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ई-1,एम आई डी सी इंडस्ट्रीयल एरिया (फेज-III), गांव-निगोजे महालुंगे, खरबवाडी, तल, खेड, चाकन, पुणे-401501 द्वारा बिक्री से पहले या बाद में बिना किसी परिवर्तन के भारत में आयात किया गया और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/13/11/259 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है ।

उक्त मॉडल पानी के अलावा अन्य द्रव्यों हेतु मापन पद्धति (फ्यूल डिस्पेंसर है जो पोजीटिव डिस्पलेसमेंट मीटर के सिद्धांत पर कार्य करता है। इसकी अधिकतम फ्लो दर रेंज 40 लीटर प्रति मिनट से 130 लीटर प्रति मिनट और न्यूनतम फ्लो दर रेंज $\geq$ 0.2 लीटर प्रति मिनट है। इसका मापमान अंतराल 10 मि.लि. है। इसमें (वॉल्यूम, मूल्य, यूनिट मूल्य) दर्शाने वाला बोर्ड है। इसकी परिवेश ताप सीमा-40 से 55 तक है। इसमें पावर सप्लाई यूएएस 150बी, 150 डब्ल्यू अधिकतम है। इसमें बहु प्रकार के ईंधन जैसे कि पेट्रोल, डीजल, केरोसीन, इथॉनल या एफएएमई/ आर एम ई इत्यादि के वितरण करने की क्षमता है।

आकृति-1

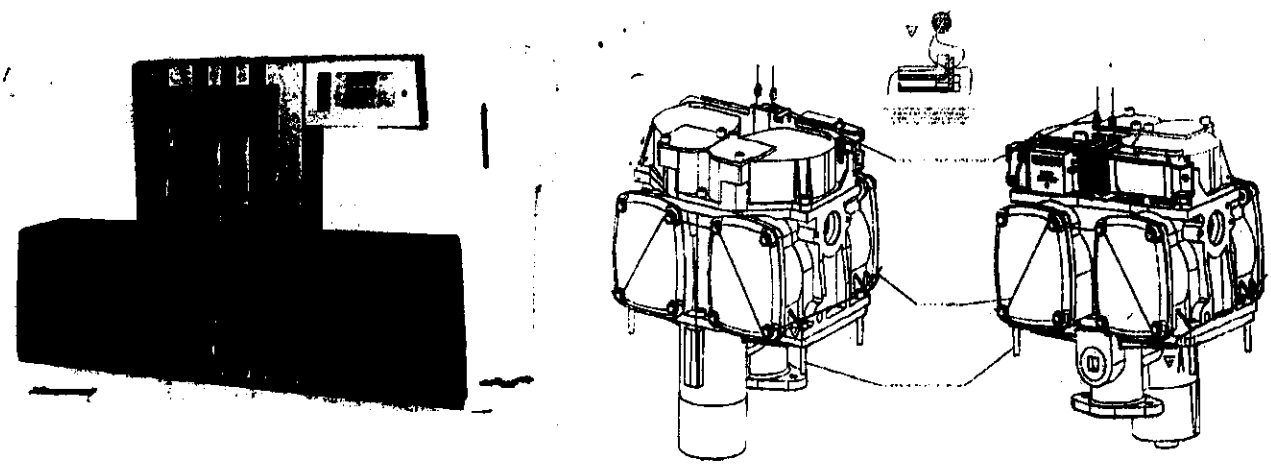

आकृति-2—सीलिंग डायग्राम ।

डिस्पैंसर को इस तरह से सील किया जाता है जैसाकि आकृति में दिखाया गया है। नेम प्लेट को फ्रेम के साथ प्रूफ लेबल सहित सील किया जाता है। और इलैक्ट्रोमैकेनिकल टोटलाइजर को सील किया जाता है यदि इसका प्रयोग किसी आधार के रूप में किया जाता है।

वेने डब्ल्यूएम 001827, रेव 2 कनेक्शन पोर्ट स्वचलन के लिए उपलब्ध है ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(37)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 28th December, 2011

S.O. 1474.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it along with the model approval certificate issued by the SP Technical Research Institute of Sewden, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the second proviso to Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby approves, issues and publishes the certificate of approval of model of Measuring Systgem for Liquid Other Than Water (Fuel Dispenser) with digital indication of Accuracy Class 0.5 (hereinafter referred to as said model) of brand "Global Star", manufactured by M/s. Dresser Wayne AB, Limhamnsvagen 109, PO-Box 30049, SE-200 61 Malmo, Sweden and imported in India without any alteration before or after sale by M/s. Volkswagen India Private Limited, E-1, MIDC Industrial Area (Phase-III), Village Nigoje Mhalunge, Kharabwadi, Tal. Khed, Chakan, Pune-401501 and which is assigned the approval mark IND/13/11/259;

The said model is a Measuring System for Liquid Other Than Water (Fuel Dispenser) working on the principle of positive displacement meter. Its maximum flow rate range is 40lpm to 130pm . Its minimum flow rate range is $\geq$ 0.2 lpm the scale interval is 10 ml. It has display board (volume, price, unit price). Its ambient temperature limit is -40°C to 55°C. It has power supply UAS 150B, 150 W Max. It is capable of dispensing multiple variety of fuel that is petrol diesel, kerosene, ethanol or FAME/RME.

Figure1.

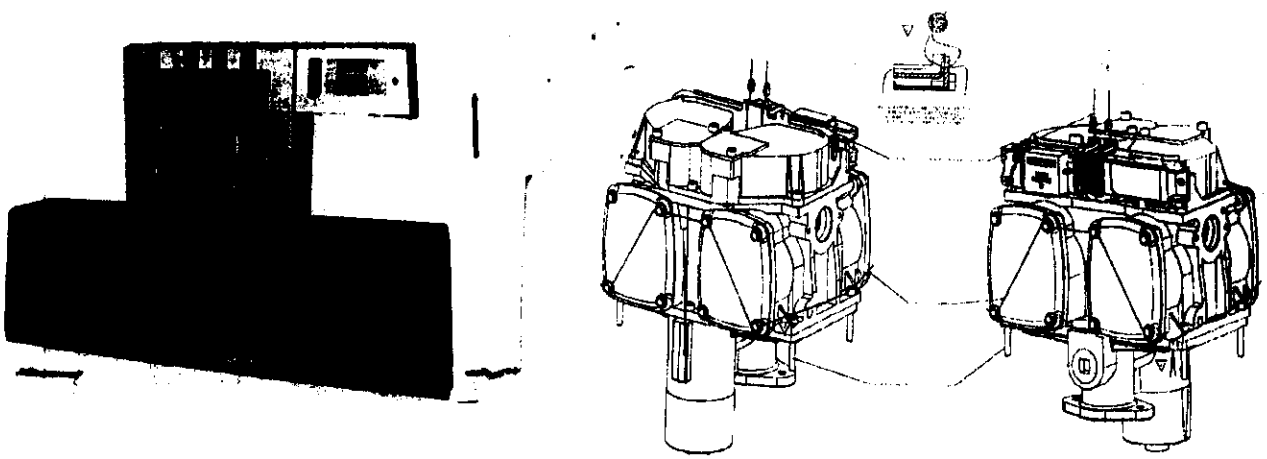

Figure-2 Sealing Diagram

The dispenser is sealed as shown in figure. Name plate is scaled to the frame with a small "vander proof" label. And electromechanical totalizer is sealed if used as a basis for legal transaction.

There is Wayne WM 001827, Rev 2 connection port available for automation purpose.

[F. No.WM-21(37)/2011]
B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1475.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (माडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 के दूसरे परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स स्टेनले वर्क्स लिमिटिड, वैलग्रो इंडस्ट्रीयल एस्टेट, 92 मू 9, बांगा-ट्राड हाईवे, ताम्बोल बंगवुआ, छाछोइनगसाओ-24180, थाइलैंड द्वारा विनिर्मित यथार्थता वर्ग -II के "स्टील टैप मेजर" के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "ब्लैक एंड डेकर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माडल कहा गया है) और जिसे मैसर्स ब्लैक एंड डेकर इंडिया प्रा.लि., माफर्त दादासाएब जैदपाटिल, पुणे नासिक हाईवे, छिम्बाली पाटा, हाकहेड, जिला पुणे द्वारा भारत में बिक्री से पूर्व या पश्चात् बिना किसी बदलाव के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/445 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल स्टील फीता माप है जिसकी अधिकतम लम्बाई 3 मीटर है तथा न्यूनतम भाग 1 मिलीमीटर है जिसका उपयोग लम्बाई को मापने के लिए किया जाता है। स्टील टेप माप की चौड़ाई 16 मिलीमीटर है। माप के परिणाम स्टील टेप पर अंकित हुई लाइनों में दिए गए हैं।

आकृति-1

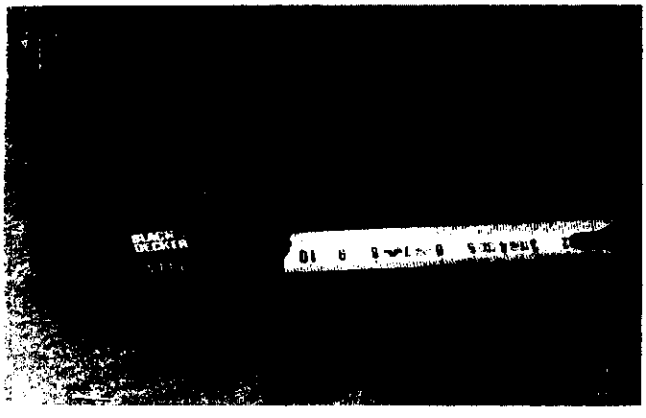

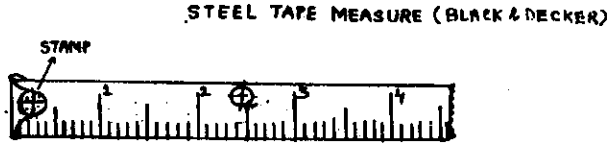

आकृति-2—सीलिंग प्रावधान

स्टील टेप मेजर के प्रारंभ में सत्यापन स्टाम्प दी गई है जैसा कि ऊपर आकृति में दिखाया गया है।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के स्टील टेप मैजर भी होंगे जिनकी रेंज 0.5 मीटर से 10 मीटर तक है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(255)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 28th December, 2011

S.O. 1475.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the second provisio to section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of the 'Steel Tape Measure', of accuracy class-II with brand name 'BLACK and DECKER' (herein referred to as said Model), manufactured by M/s. Stanley Works Limited, Wellgrow Industrial Estate, 92 Moo 9, Banga-trad Highway, Tambol Bangwua, Bangpakong, Chachoengsao-24180, Thailand and Marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Black and Decker India Private Limited, C/o Dadasaeb Jaidpatil, Pune Nasik Highway, Chimbali Phata, Talkhed, District Pune and which is assigned the approval mark IND/09/11/445;

The said model is a steel tape measure of maximum length 3m and smallest division is of 1 mm which is used for measurement of length. The width of the steel tape measure is 16 mm. The results of measurements are indicated by graduation lines on the steel tape.

Figure1.

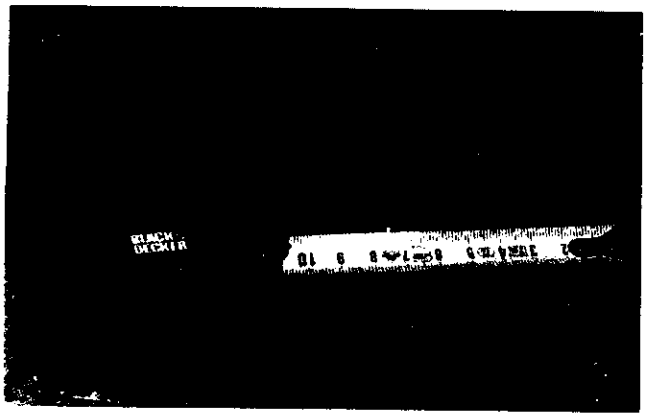

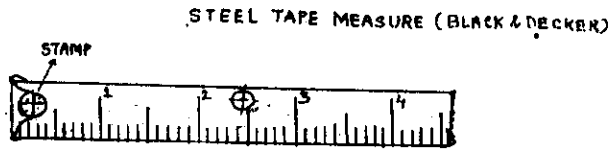

Figure-2 Stamping Provision

The verification stamp is given at the beginning of the steel tape measure as shown in the figure above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the steel tape measure of similar make, accuracy and performance of same series in the range of 0.5 m to 10 m manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(255)/2011]
B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1476.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (माडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 के दूसरे परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स स्टेनले वर्क्स लिमिटिड, वैलग्रो इंडस्ट्रीयल एस्टेट, 92 मू 9, बांगा-ट्राड हाईवे, ताम्बोल बंगवुआ, छाछोइनग्साओ-24180, थाइलैंड द्वारा विनिर्मित यथार्थता वर्ग -II के "स्टील टेप मेजर" के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "स्टेनले" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माडल कहा गया है) और जिसे मैसर्स ब्लैक एंड डेकर इंडिया प्रा.लि., माफर्त दादासाएब जैदपाटिल, पुणे नासिक हाईवे, छिम्बाली पाटा, हाकहेड, जिला पुणे द्वारा भारत में बिक्री से पूर्व या पश्चात् बिना किसी बदलाव के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/446 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल स्टील फीता माप है जिसकी अधिकतम लम्बाई 5 मीटर है तथा न्यूनतम भाग 1 मिलीमीटर है जिसका उपयोग लम्बाई को मापने के लिए किया जाता है। स्टील टेप माप की चौड़ाई 18 मिलीमीटर है। माप के परिणाम स्टील टेप पर अंकित हुई लाइनों में दिए गए हैं।

आकृति-1

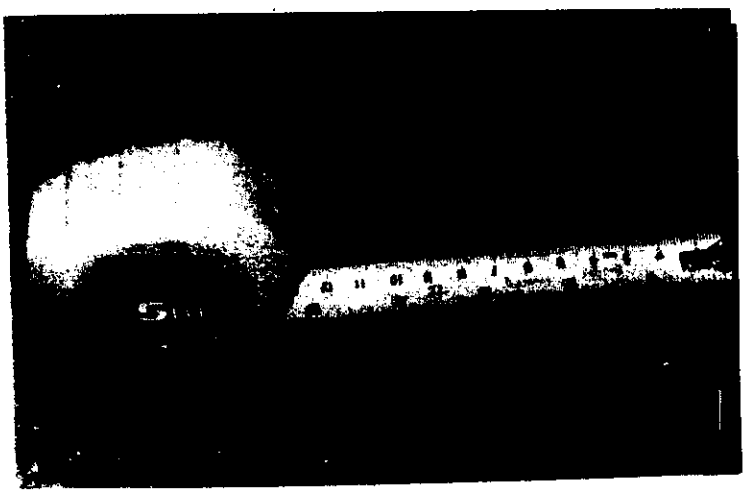

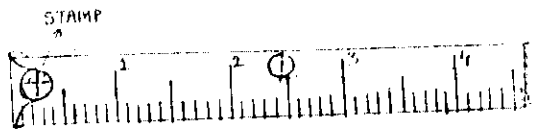

आकृति-2—सीलिंग प्रावधान

स्टील टेप मेजर के प्रारंभ में सत्यापन स्टाम्प दी गई है जैसा कि ऊपर आकृति में दिखाया गया है।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यापालन के स्टील टेप मैजर भी होंगे जिनकी रेंज 0.5 मीटर से 10 मीटर तक है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(255)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 28th December, 2011

S.O. 1476.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the second provisio to section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby, issues and publishes the certificate of approval of model of the 'Steel Tape Measure', of accuracy class-II with brand name 'SATNLEY' (herein referred to as said Model), manufactured by M/s. Stanley Works Limited, Wellgrow Industrial Estate, 92 Moo 9, Banga-trad Highway, Tambol Bangwua, Bangpakong, Chachoengsao-24180, Thailand and Marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Black and Decker India Private Limited, C/o Dadasaeb Jaidpatil, Pune Nasik Highway, Chimbali Phata, Talkhed, District Pune and which is assigned the approval mark IND/09/11/446;

The said model is a steel tape measure of maximum length 5m and smallest division is of 1 mm which is used for measurement of length. The width of the steel tape measure is 16 mm. The results of measurements are indicated by graduation lines on the steel tape.

Figure1.

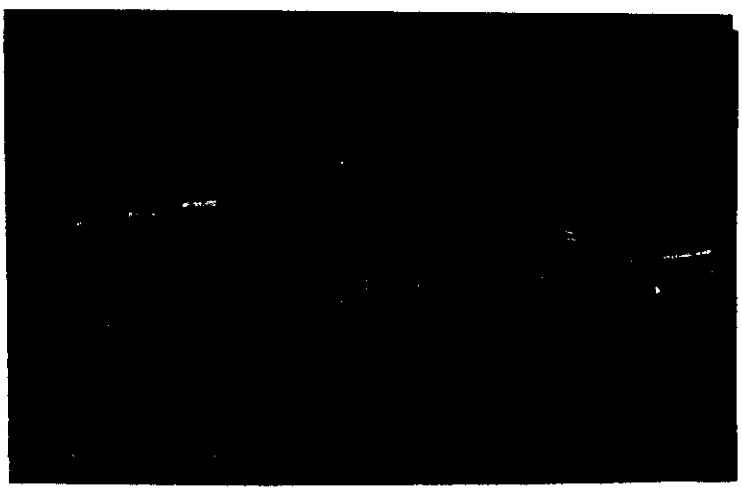

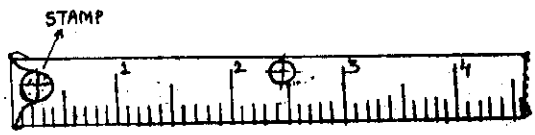

Figure-2 Stamping Provision

The verification stamp is given at the beginning of the steel tape measure as shown in the figure above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the steel tape measure of similar make, accuracy and performance of same series in the range of 0.5 m to 10 m manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(255)/2011]
B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 2011

का.आ.1477.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009(2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 के दूसरे परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स स्टेनले वर्क्स लिमिटिड, वैलग्रो इंडस्ट्रीयल एस्टेट, 92 मू 9, बांगा- ट्राड हाईवे, ताम्बोल बंगवुआ, छाछोइनग्साओ 24180, थाइलैंड द्वारा विनिर्मित यथार्थता वर्ग-III के "फाइबर ग्लास टेप मइजर" के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "स्टेनले" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे मैसर्स ब्लैक एंड डेकर इंडिया प्रा.लि., माफर्त दादासाएब जैदपाटिल, पुणे नासिक हाईवे, छिम्बाली पाटा, हाकहेड, जिला पुणे द्वारा भारत में बिक्री से पूर्व या पश्चात् बिना किसी बदलाव के विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/447 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल स्टील फीता माप है जिसकी अधिकतम लम्बाई 30 मीटर है तथा न्यूनतम भाग 2 मिलीमीटर है जिसका उपयोग लम्बाई को मापने के लिए किया जाता है । फाइबर ग्लास टेप माप की चौड़ाई 12 मिलीमीटर है । माप के परिणाम स्टील टेप पर अंकित हुई लाइनों में दिए गए है ।

आकृति-1

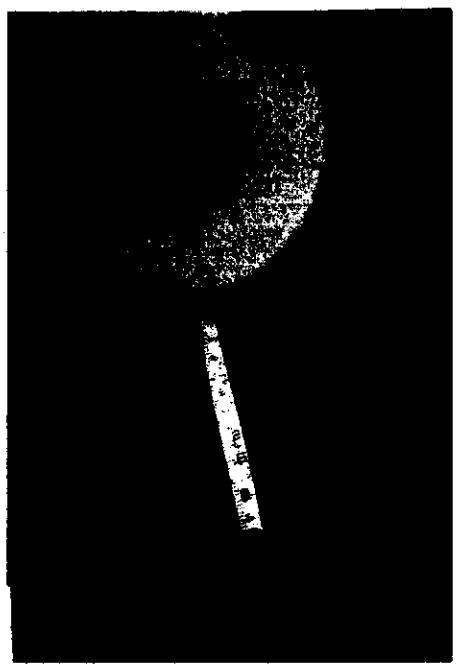

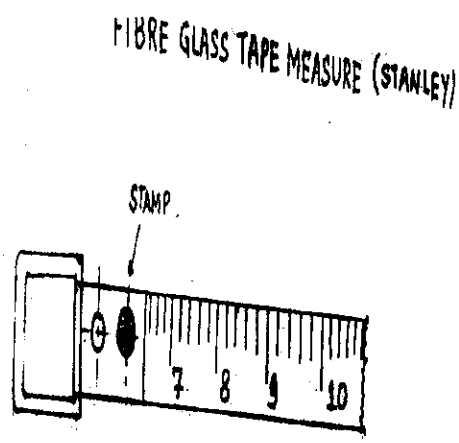

आकृति-2 सीलिंग प्रावधान ।

स्टील टेप मेजर के प्रारंभ में सत्यापन स्टाम्प दी गई है जैसाकि ऊपर आकृति में दिखाया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के स्टील टेप मैजर भी होंगे जिनकी रेंज 5 मीटर से 100 मीटर तक है ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(255)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 28th December, 2011

S.O.1477.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the second proviso to Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of the 'Fiber Glass Tape Measure', of accuracy Class-III with brand name 'STANLEY' (herein referred to as said Model), manufactured by M/s. Stanley Works Limited, Wellgrow Industrial Estate, 92 Moo 9, Bangna-trad Highway, Tambol Bangwua, Bangpakong, Chachoengsao 24180, Thailand and marketed in India without any alteration before or after sale by M/s. Black and Decker India Private Limited, C/o Dadasaeb Jaidpatil, Pune Nasik Highway, Chimbali Phata, Talkhed, District Pune and which is assigned the approval mark IND/09/11/447 ;

The said model is a fabric glass tape measure of maximum length 30m and smallest division is of 2mm which is used for measurement of length. The width of the fiber glass tape measure is 12mm. The results of measurements are indicated by graduation lines on the fiber glass tape measure.

Figure-1

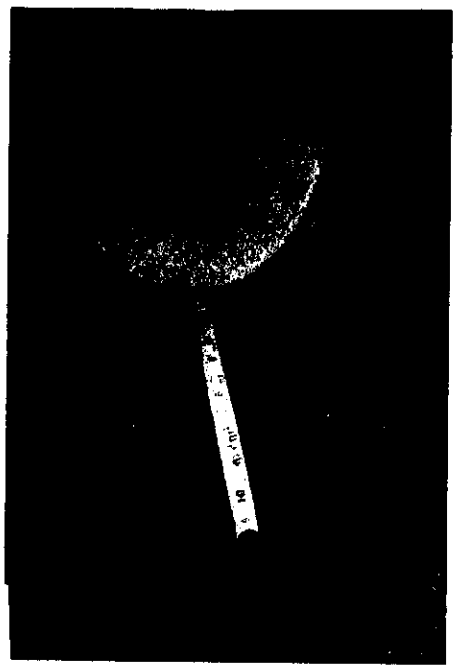

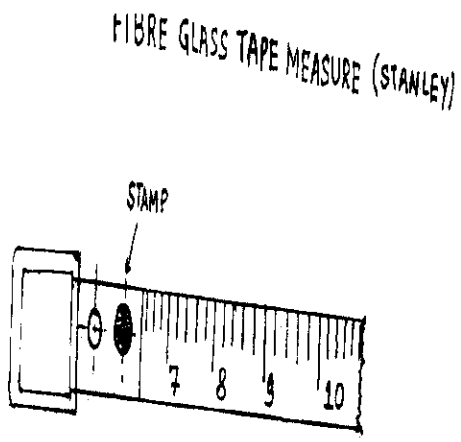

Figure-2 Stamping provision

The verification stamp is given at the beginning of the fabric glass tape measure as shown in the figure above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the steel tape measure of similar make, accuracy and performance of same series in the range of 5m. to 100m. manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(255)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 2011

का.आ.1478.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स एक्यूट्रोनिक्स टैक्नोलोजी, 20 सी, ब्लाक यू/3, धवलगिरी अपार्टमेंट, सेक्टर-11, नोएडा (गौतम बुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एटीटीएच" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एक्यूट्रोनिक्स" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/461 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

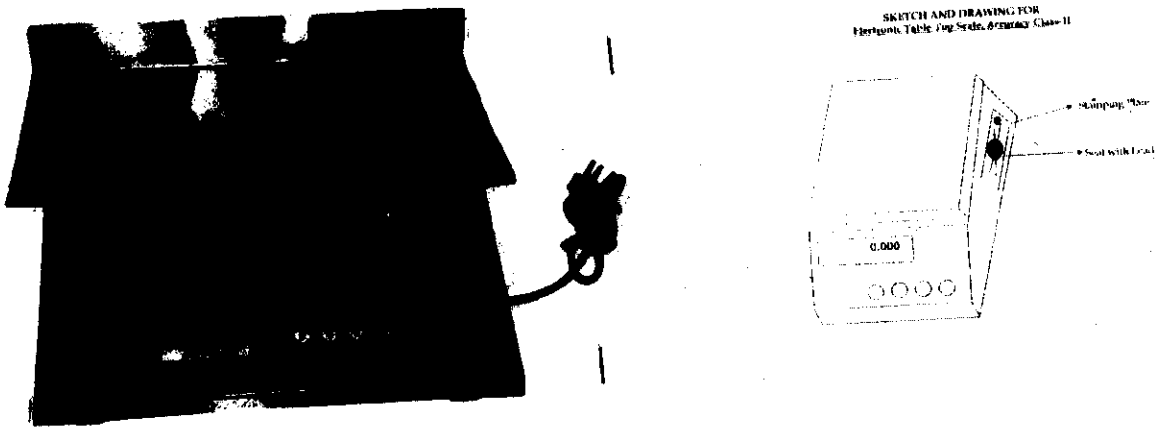

आकृति-2–मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्पले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्पले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे 1मि. ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(201)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th December, 2011

S.O. 1478.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top type) with digital indication of high accuracy (Accuracy class-II) of series "ATTH" and with brand name "ACCUTRONIX" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Accutronix Technologies, 20-C, Block-U/3, Dhawalgiri Apartment, Sector-11, Noida (Gautam Budh Nagar), U.P.-201301 and which is assigned the approval mark IND/09/11/461;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

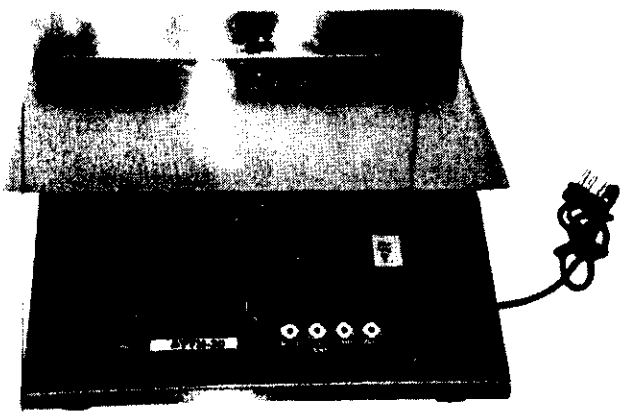

Figure-2—Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100to 100,000 for 'e' value of 1mg. to 50 mg. and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 100,000 for 'e' value of 100 mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k, or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(201)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 2011

का.आ.1479.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स एक्यूट्रोनिक्स टैक्नोलोजी, 20 सी, ब्लाक यू/3, धवलगिरी अपार्टमेंट, सेक्टर-11, नोएडा (गौतम बुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एटीपी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एक्यूट्रोनिक्स" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/462 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 200 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 400 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 20 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

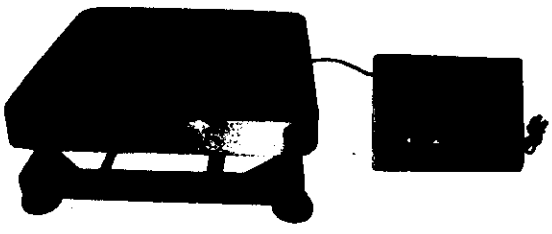

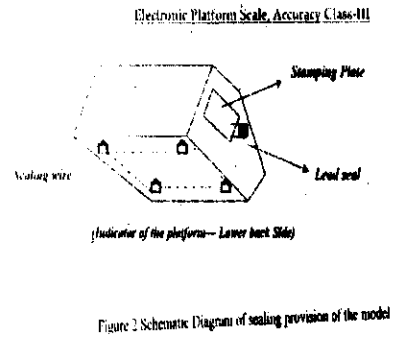

Figure 2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

आकृति-2मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो ध नात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(201)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th December, 2011

S.O. 1479.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "ATP" and with brand name "ACCUTRONIX" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Accutronix Technologies, 20-C, Block-U/3, Dhawalgiri Apartment, Sector-11, Noida (Gautam Budh Nagar), U.P.-201301 and which is assigned the approval mark IND/09/11/462;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 200 kg. and minimum capacity of 400 g. The verification scale interval (e) is 20g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

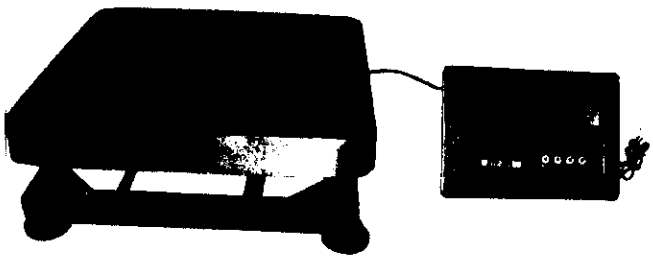

Figure-1

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg.and up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k, or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(201)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 2011

का.आ.1490.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स सनथाइन इंटरप्राइज, शेड नं. 1, प्लाट नं. 23/2, फेज II, वटवा, जी आई डी सी, अहमदाबाद द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "आईओटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "आईओटीए" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/413 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

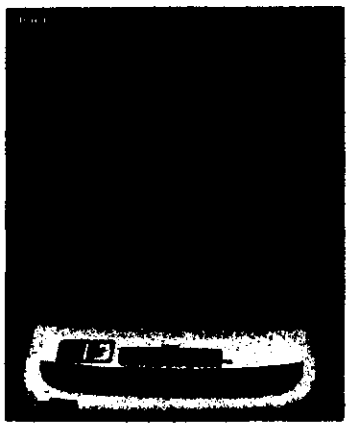

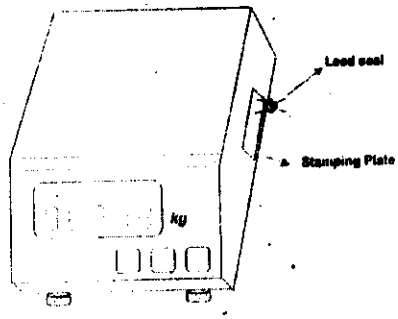

आकृति-2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(235)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th December, 2011

S.O.1480.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "IOT" and with brand name "IOTA" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Sunshine Enterprise, Shed No. 1, Plot No. 23/2, Phase II, Vatva, G. I.D.C, Ahmedabad and which is assigned the approval mark IND/09/11/413;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

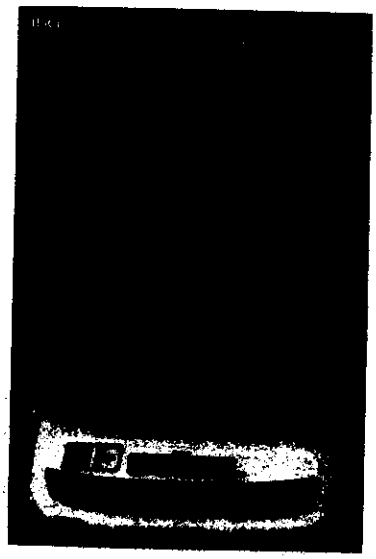

Figure-1

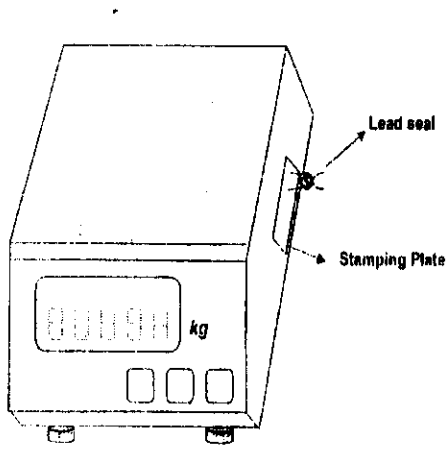

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board/PCB to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg to 2g.and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k, or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(235)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 2011

का.आ.1481.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स सनशाइन इंटरप्राइज, शेड नं. 1, प्लाट नं. 23/2, फेज II, वटवा, जी आई डी सी, अहमदाबाद द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "आईओपी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "आईओटीए" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/414 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 300 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 50 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

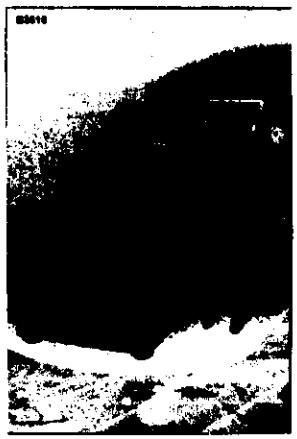

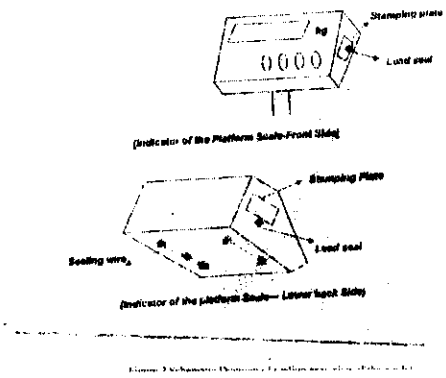

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(235)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th December, 2011

S.O.1481.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of Medium accuracy (Accuracy class-III) of series "IOP" and with brand name "IOTA" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Sunshine Enterprise, Shed No. 1, Plot No. 23/2, Phase II, Vatva, G. I.D.C., Ahmedabad and which is assigned the approval mark IND/09/11/414;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 300 kg. and minimum capacity of 1kg. The verification scale interval (e) is 50g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

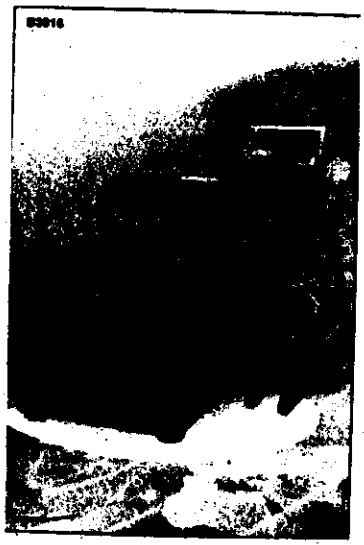

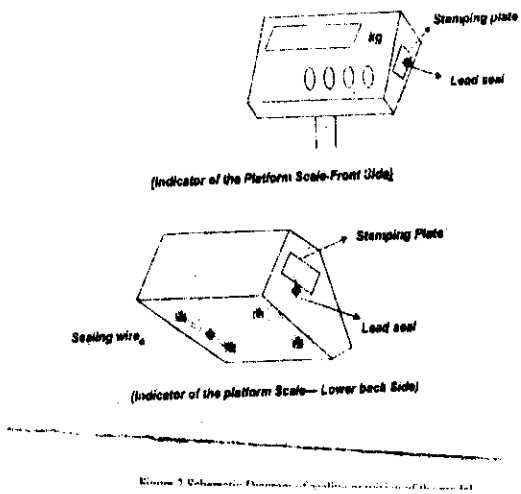

Figure-2—Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to 5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k, or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(235)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 2011

का.आ.1482.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एसएनआरपी इनटैक, सर्वे नं. 475, मिल रोड, रामपुर, हसनपुर, जिला समस्तीपुर, बिहार द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "डीजीएसटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप-मल्टी स्केल इंटरवल टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "डीजीकॉम" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/280 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप-मल्टी स्केल इंटरवल टाइप) है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 20 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 1 ग्रा. 10 कि.ग्रा. तक, 10 कि.ग्रा. से ऊपर 20 कि.ग्रा. तक 2 ग्रा. और 20 कि.ग्रा. से ऊपर 30 कि.ग्रा. तक 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। एलईडी/एलसीडी प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

आकृति-1

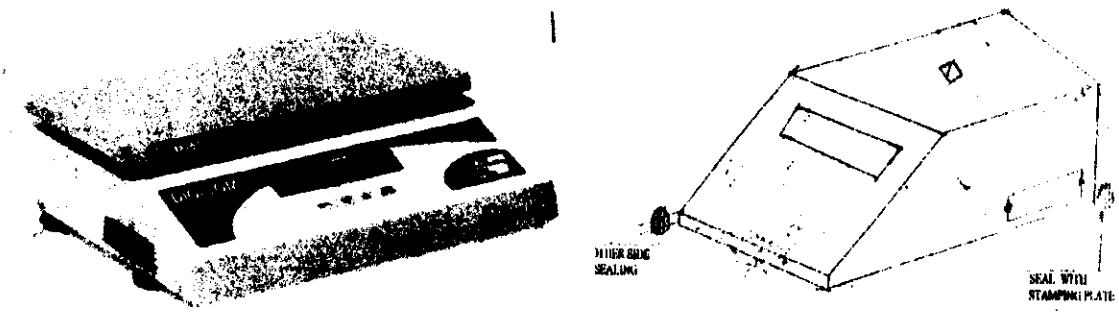

Figure 2 Schematic re...

आकृति-2–मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है। मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है। बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(100)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th December, 2011

S.O.1482.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top- Multi Scale Interval Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "DGST" and with brand name "DIGICOM" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. SNRP Intech, Survey No 475, Mill Road, Rampur, Hasanpur, Dist. Samstipur, Bihar and which is assigned the approval mark IND/09/11/280;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top-Multi Scale Interval Type) with a maximum capacity of 30 kg and minimum capacity of 20 g. The verification scale interval (e) is 1g up to 10kg, above 10 kg and up to 20 kg is 2 g and above 20 kg and up to 30 kg is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The (LED/LCD) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

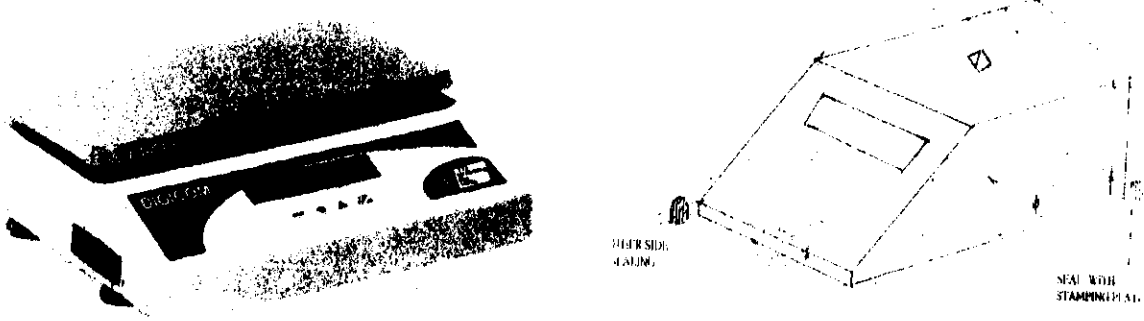

Figure-2—Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg to 2g and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(100)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 2011

का.आ.1483.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स एसएनआरपी इनटैक, सर्वे नं. 475, मिल रोड, रामपुर, हसनपुर, जिला समस्तीपुर, बिहार द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "डीजीएसटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेट फार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "डीजीकॉम" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/281 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेट फार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । एलईडी/एलसीडी प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

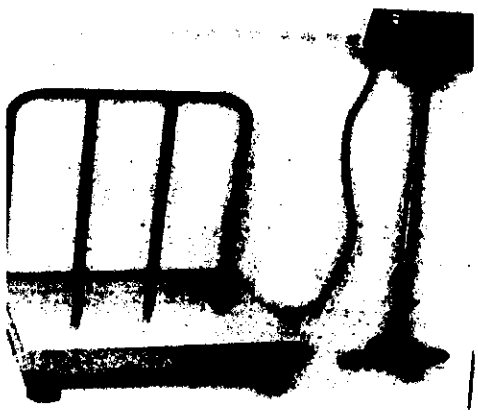

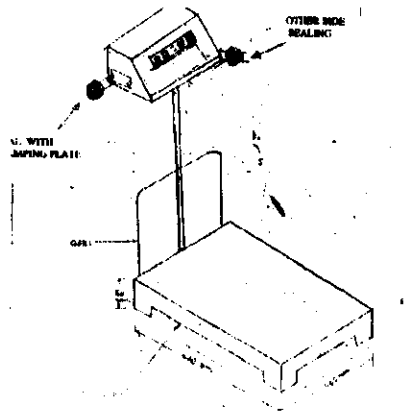

आकृति-2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(100)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th December, 2011

S.O.1483.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "DGSP" and with brand name "DIGICOM" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. SNRP Intech. Survey No 475, Mill Road, Rampur, Hasanpur, Dist. Samstipur, Bihar and which is assigned the approval mark IND/09/11/281;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2 g. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. LED/LCD display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

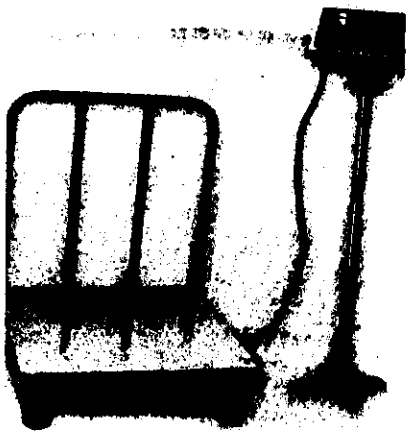

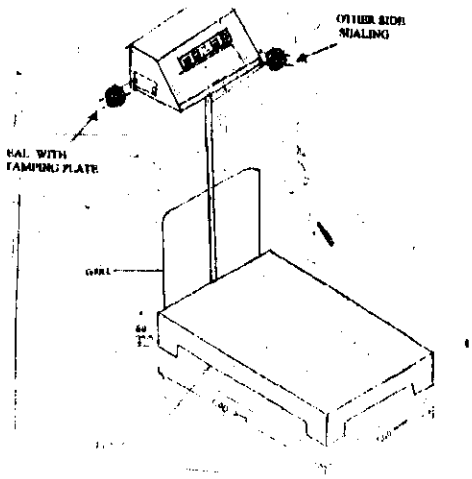

Figure-2—Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k, or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(100)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 2011

का.आ.1484.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स टीवीएस वेइंग सिस्टम नं. 70/46, आउटर रिंग रोड, केम्पेगोवदा लेआउट, लागेर, बंगलोर-560058 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "टीवीएस-टीटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "टीवीएस" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/282 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

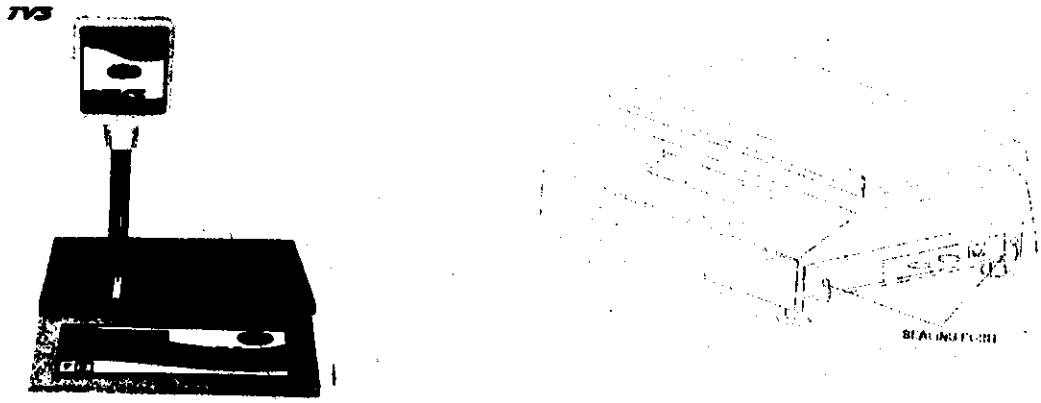

आकृति-2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(163)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th December, 2011

S.O. 1484.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class-III) of series "TVS-TT" and with brand name "TVS" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. TVS Weighing Systems, No 70/46, Outer Ring Road, Kempegowda Layout, Laggere, Bangalore-560058 and which is assigned the approval mark IND/09/11/282;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

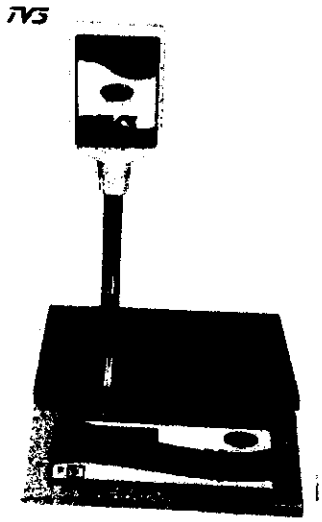

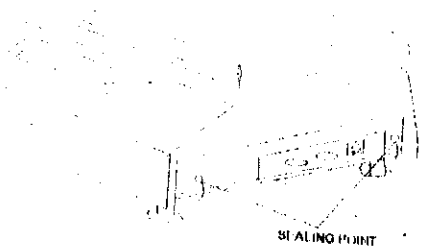

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100 mg. to 2g.and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k, or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(163)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 2011

का.आ.1485.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स टीवीएस वेइंग सिस्टम नं. 70/46, आउटर रिंग रोड, केम्पेगोवदा लेआउट, लागेर, बंगलोर-560058 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "टीवीएस-पीएफ" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "टीवीएस" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/283 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 4 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 200 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

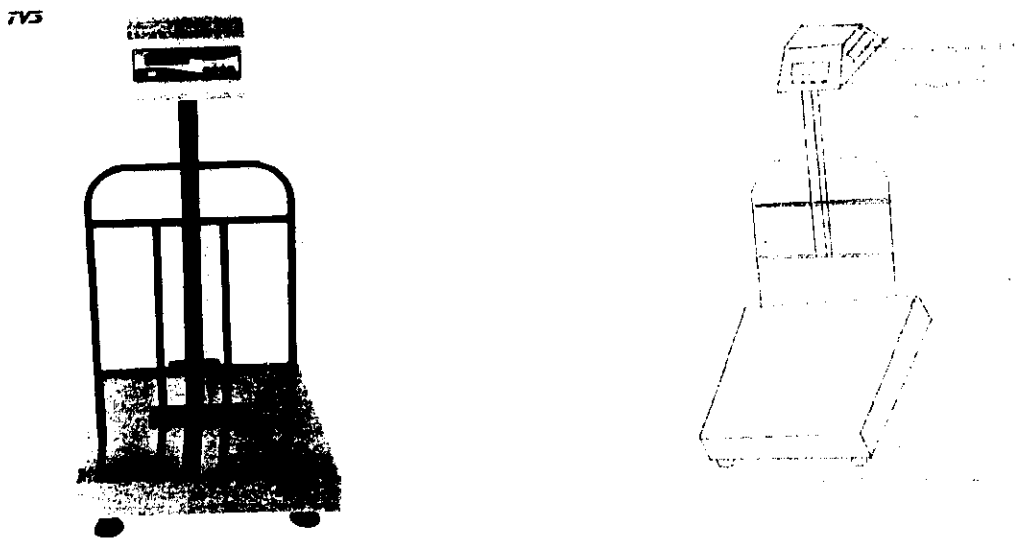

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(163)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th December, 2011

S.O. 1485.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Plateform type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class III) of series "TVS-PF" and with brand name " TVS" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. TVS Weighing Systems, No. 70/46, Outer Ring Road, Kempegowda Layout, Laggere, Bangalore-560058 and which is assigned the approval mark IND/09/11/283;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Plateform Type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 4kg. The verification scale interval (e) is 200g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

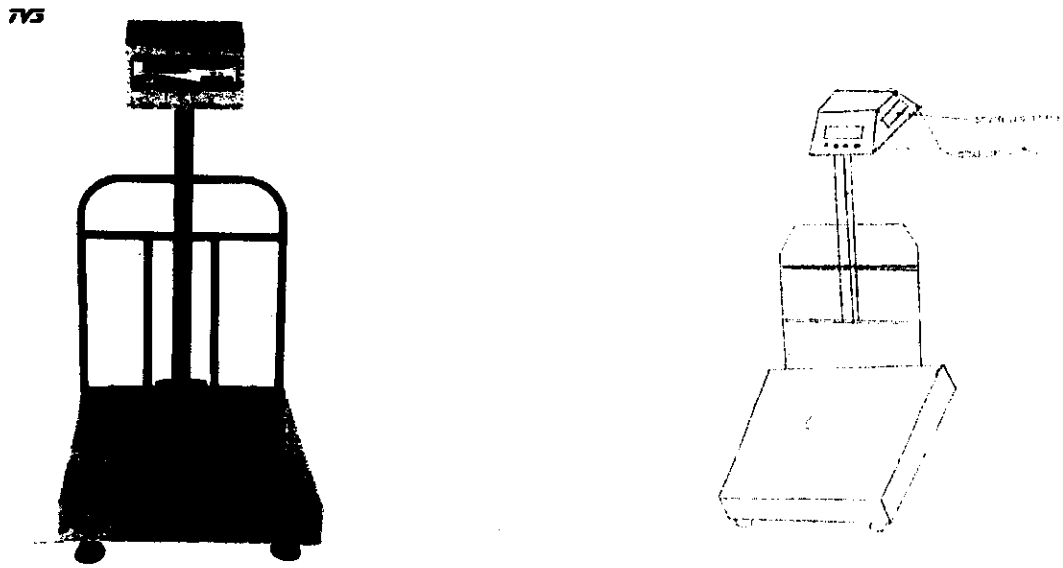

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card /mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and perfomance of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where ' k' is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(163)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 2011

का.आ.1486.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा ;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स टेक्नो ट्रानिक इंस्ट्रूमेंटस, ए/पी बामनोली, कुपवाड, टीए मिराज, सफालया क्लीनिक के नीचे, जिला सांगली, महाराष्ट्र द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "आरडब्ल्यूएमटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "रिलायंस-वेमास्टर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/390 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 20 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 1 ग्रा. 10 कि. ग्रा. तक,10 कि.ग्रा. से ऊपर 20 कि.ग्रा. तक 2 ग्रा. और 20 कि.ग्रा. से ऊपर 30 कि.ग्रा. तक 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । एल ईडी/एलसीडी प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

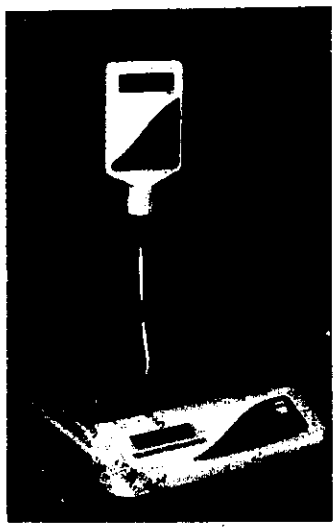

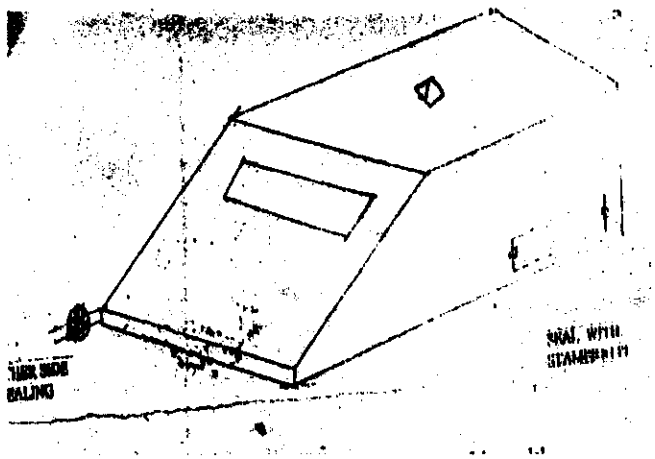

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्पले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्पले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(198)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th December, 2011

S.O.1486.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class III) of series "RWMT" and with brand name " RELIANCE WEIGHMASTER" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Techno Tronic Instruments A/P Bamnoli, Kupwad, TA, Miraj, Below Saphalya Clinic, Distt. Sangli, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/11/390;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 20g. The verification scale interval (e) is 1g. up to 10Kg, above 10Kg. and up to 20 Kg. is 2g. and above 20kg and up to 30 kg. is 5g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The LED /LCD display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

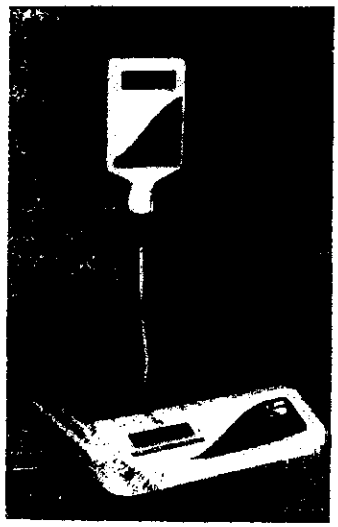

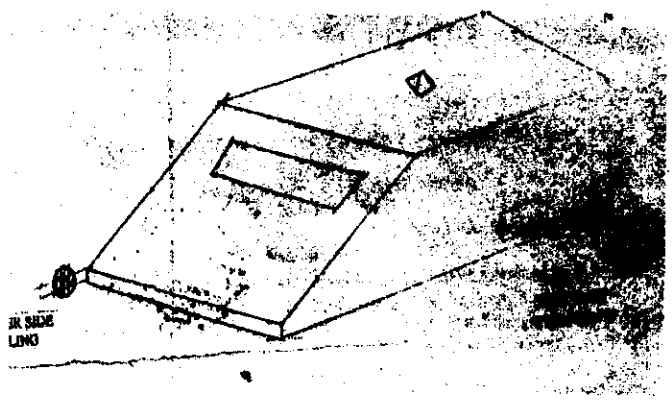

Figure-2 : Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and perfomance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10000 for 'e' value of 100 mg .to 2 g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10000 for 'e' value of 5 g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(198)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 2011

का.आ.1487.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स टेक्नो ट्रानिक इंस्ट्रूमेंटस, ए/पी बामनोली, कुपवाड, टीए मिराज, सफालया क्लीनिक के नीचे, जिला सांगली, महाराष्ट्र द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "आरडब्ल्यूएमसी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन स्केल) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "रिलायंस-वेमास्टर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/389 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन स्केल) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । एलईडी/एलसीडी प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

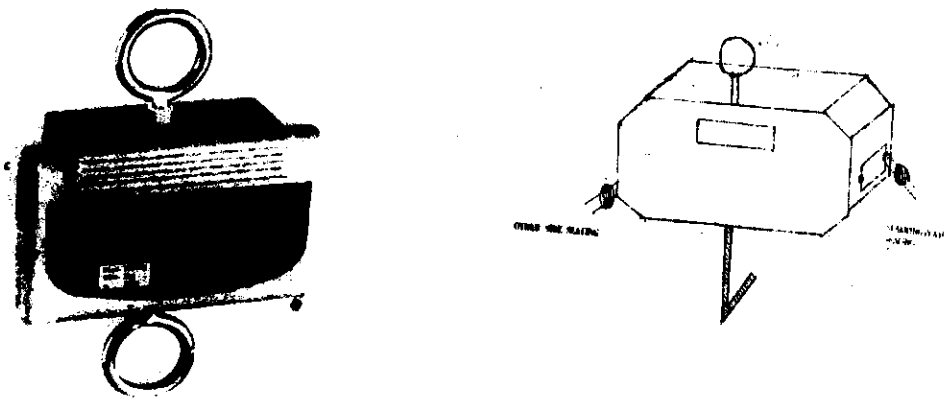

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन)सहित 50 कि.ग्रा से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(198)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th December, 2011

S.O. 1487.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Crane Scale) with digital indication of medium accuracy (accuracy class III) of series "RWMC" and with brand name "RELIANCE-WEIGHMASTER " (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Techno Tronic Instruments, A/P Bamnoli, Kupwad, TA. Miraj, Below Saphalya Clinic, Dist Sangli, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/11/389.

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Crane Scale) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The LED/LCD indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

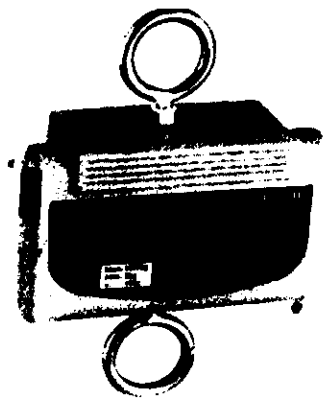

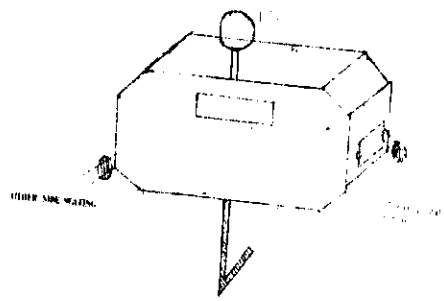

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and perfomance of same series with maximum capacity above 50kg. and up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(198)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 2011

का.आ. 1488.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) तथा विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (6) और नियम 11 के उप-नियम (4) के साथ पठित विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का 1) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स टेक्नो ट्रानिक इंस्ट्रूमेंटस, ए/पी बामनोली, कुपवाड, टीए मिराज, सफालया क्लीनिक के नीचे, जिला सांगली, महाराष्ट्र द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले "आरडब्ल्यूएमपी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "रिलायंस-वेमास्टर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/391 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 500 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 50 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । एलईडी/एलसीडी प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

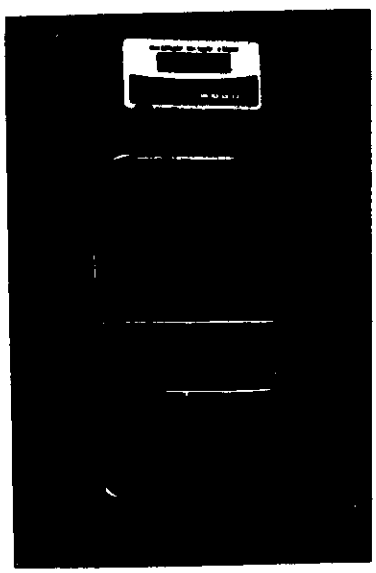

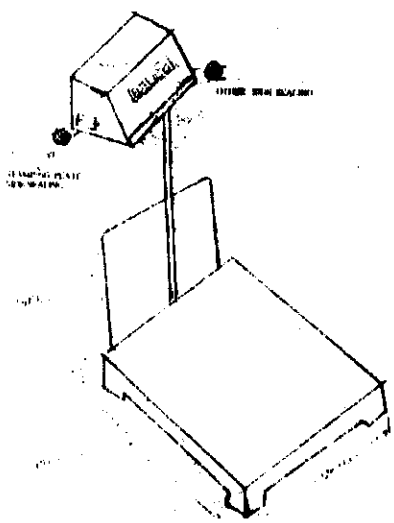

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्पले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्पले पर सीलिंग की जाती है। सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार विधिक माप विज्ञान (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 2011 के नियम 8 के उप-नियम (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(198)/2011]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th December, 2011

S.O.1488.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) and the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 22 of the Legal Metrology Act, 2009 (1 of 2010) read with sub-rule (6) of rule 8 and sub-rule (4) of rule 11 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Plateform type) with digital indication of medium accuracy (accuracy class III) of series "RWMP" and with brand name "RELIANCE-WEIGHMASTER" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Techno Tronic Instruments, A/P Bamnoli, Kupwad, TA, Miraj, Below Saphalya Clinic, Dist Sangli, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/11/391.

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 500 kg. and minimum capacity of 1 kg. The verification scale interval (e) is 50g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The LED/ LCD indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

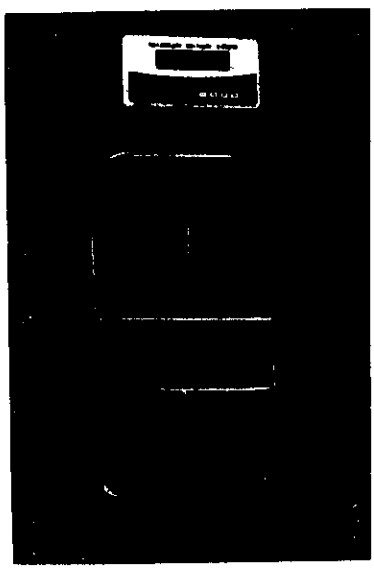

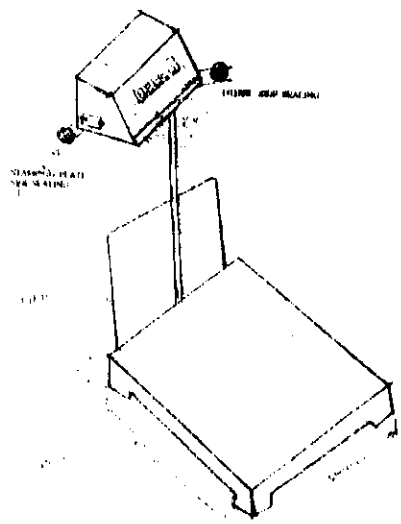

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-rule (9) of rule 8 of the Legal Metrology (Approval of Models) Rules, 2011, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and perfomance of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to 5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(198)/2011]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

(भारतीय मानक ब्यूरो)

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 2012

का.आ.1489.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिस भारतीय मानक का विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, वह स्थापित हो गया है :-

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 15938 : 2011/आई एस ओ 13496 : 2000 मांस एवं मांस उत्पाद - रंजन अभिकर्मक का संसूचन — तनु-परत क्रोमेटोग्राफी पद्धति द्वारा	—	31 दिसम्बर, 2011

इस भारतीय मानक की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई, चण्डीगढ़ तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : एफएडी/जी-128]

डॉ. आर. के. बजाज, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (खाद्य एवं कृषि)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 10th April, 2012

S. O. 1489.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rules 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been established on the date indicated against it :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standards Established	No. and Year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 15938 : 2011/ ISO 13496: 2000 Meat and meat products—Detection of colouring agents- Method using thin-layer chromatography	—	31 December, 2011

Copy of this Standard are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune and Thiruvananthapuram.

[Ref: FAD/G-128]

Dr. R.K. BAJAJ, Scientist 'F' & Head (Food & Agri.)

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 2012

का.आ.1490.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के संशोधन के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए हैं :-

अनुसूची

क्रम सं.	संशोधित भारतीय मानक की संख्या, वर्ष और शीर्षक	संशोधन संख्या और वर्ष	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 5470 : 2002 डाईकैलशियम फोस्फेट, पशु खाद्य वर्ग- विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	संशोधन संख्या 1, वर्ष 2010	30 अप्रैल, 2012

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई, चण्डीगढ़ तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : एफएडी/जी-128]

डॉ. आर. के. बजाज, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (खाद्य एवं कृषि)

New Delhi, the 11th April, 2012

S. O. 1490.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rules 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the amendment to the Indian Standard, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standards	No. and Year of the Amendment	Date of which the Amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 5470 : 2002 Dicalcium phosphate, Animal feed grade - Specification (first revision)	Amendment No. 1 Year 2010	30 April, 2012

Copy of these Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune and Thiruvananthapuram.

[Ref: FAD/G-128]

Dr. R.K. BAJAJ, Scientist 'F' & Head (Food & Agri.)

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 2012

का.आ.1491.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए हैं :—

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 15948 : 2011/ आई एस ओ 6867 : 2000 पशु आहार सामग्री — विटामिन ई का निर्धारण — उच्च दक्षता द्रव पद्धति द्वारा	—	31 अगस्त, 2011
2.	आई एस 15949 : 2012/ आई एस ओ 7088 : 1981 मछली—भोजन—शब्दावली	—	31 मार्च, 2012

इन भारतीय मानक (कों) की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई, चण्डीगढ़ तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : एफएडी/जी-128]

डॉ. आर. के. बजाज, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (खाद्य एवं कृषि)

New Delhi, the 11th April, 2012

S. O.1491.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been established on the date indicated against it :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standards Established	No. and Year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 15948 : 2011/ ISO 6867:2000 Animal feeding stuffs—Determination of Vitamin E content — Method using high-performance liquid chromatography	—	31 August, 2011
2.	IS 15949 : 2012/ISO 7088 : 1981 Fish Meal — Vocabulary	—	31 March, 2012

Copies of the Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune and Thiruvananthapuram.

[Ref:FAD/G-128]

Dr. R.K. BAJAJ, Scientist 'F' & Head (Food & Agri.)

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 2012

का.आ.1492.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिये गये मानकों में संशोधन किया गया है:-

अनुसूची

क्रम सं.	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधनों की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	2547 (भाग 1) : 1976	1. जुलाई 2011	04 अप्रैल, 2012
2.	12894 : 2002	1. जुलाई 2011	04 अप्रैल, 2012

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई, तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : सीईडी/राजपत्र]

ए. के. सैनी, वैज्ञानिक 'जी' व प्रमुख (सिविल इंजीनियरी)

New Delhi, the 11th April, 2012

S. O. 1492.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the amendment to the Indian Standard, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standards	No. and Year of the Amendment	Date from which the Amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	2547 (Part 1) : 1976	1. July 2011	04 April, 2012
2.	12894 : 2002	1. July 2011	04 April, 2012

Copy of the amendments is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune and Thiruvananthapuram.

[Ref : CED/Gazette]

A.K. SAINI, Scientist 'G' & Head (Civil Engg.)

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 2012

का.आ.1493.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिए गए मानक (कों) में संशोधन किया गया/किये गये है :-

अनुसूची

क्रम सं.	संशोधित भारतीय मानक की संख्या, वर्ष और शीर्षक.	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 15796 : 2008 स्वचलन वाहन- हॉर्न संस्थापन की अपेक्षाएं	संशोधन संख्या 1, मार्च 2012	तत्काल प्रभाव से
2.	आई एस 15804 : 2008 स्वचल वाहन - एम 1 श्रेणी के वाहनों की विंडस्क्रीन पोंछने और धुलाई की पद्धति - अपेक्षाएं	संशोधन संख्या 1, मार्च 2012	तत्काल प्रभाव से

इस संशोधन की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई, चण्डीगढ़ तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे परवाणु, देहरादून तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : टी ई डी/जी-16]

टी. वी. सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (टी ई डी)

New Delhi, the 16th April, 2012

S. O. 1493.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rules 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendments to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued :—

SCHEDULE

Sl. No.	No., year and title of the Indian Standards	No. and Year of the Amendment	Date from which the Amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 15796 : 2008 Automotive vehicles - Horn installation requirements	Amendment No. 1, March 2012	With immediate effect
2.	IS 15804 : 2008 Automotive vehicles - Windscreen wiping and washing system for M1 category of vehicles - Requirements	Amendment No. 1, March 2012	With immediate effect

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Parwanoo, Dehradun and Thiruvananthapuram.

[Ref:TED/G-16]

T. V. SINGH, Scientist 'F' & Head (Transport Engg.)

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 2012

का.आ.1494.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 4 के उप-विनियम 5 के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिनके विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं को लाइसेंस प्रदान किए गए हैं :—

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने की तिथि, वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम एवं पता	भारतीय मानक का शीर्षक	भा. मा. संख्या	भाग	अनु.	वर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	3809166	2-3-2012	आरएसके इंडस्ट्रीज प्रा. लि. सर्वे नं. 171, ग्राम घंघाली, तालुका शिहोर, जिला भावनगर, गुजरात-364240	सामान्य संरचना इस्पात में पुनर्वेल्लन के लिए कार्बन ढलवाँ इस्पात बिलेट इंगट, बिलेट, ब्लूम और स्लैब की विशिष्टि	2830	–	–	1992
2.	3809267	2-3-2012	जे आर स्टील इंडस्ट्रीज प्लॉट नं. 40, सिहोर, अहमदाबाद रोड, वाडिया, जिला भावनगर, गुजरात-364240	सामान्य संरचना कार्यों के लिए इस्पात	2062	–	–	2006
3.	3809974	2-3-2012	ऑरनेट प्लास्टिक प्रा. लि. 8-बी, ओल्ड नेशनल हाइवे, हनुमान वाडी, ग्राम बामनबोर, तालुका चोटिला, जिला सुरेन्द्रनगर, गुजरात-363520	पेयजल आपूर्ति के लिए अप्लास्टिकृत पीवीसी पाइप	4985	–	–	2000
4.	3810151	2-3-2012	कृष्णा गोलड् पैलेस 76, शाज, 64 बाजार, आदीपुर, जिला-कच्छ, गुजरात-370110	स्वर्ण तथा स्वर्ण मिश्रधातुएं आभूषणों /शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन -विशिष्टि	1417	–	–	1999
5.	3812256	12-3-2012	नीलधारा इंडस्ट्रिज स्ट्रीट नं. 4, वैद वाडी, गोण्डल रोड, रेलवे क्रॉसिंग के पास, राजकोट, गुजरात-360004	पीवीसी रोधित केबल	694	–	–	1990
6.	3812357	12-3-2012	गोपी इलेक्ट्रिकल्स अम्बा एस्टेट, क्रम सं. 43/1, प्लॉट नं. 57-58, वावडी, राजकोट, गुजरात-360003	सबमर्सिबल पम्पसेट्स	8034	–	–	2002
7.	3812559	13-3-2012	पुरुषोत्तम जी. जावेरी एफपी 734/5, शरोफ बाजार, भुज, जिला-कच्छ, गुजरात-370001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन -विशिष्टि	1417	–	–	1999

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
8.	3813359	14-3-2012	ग्रीवा स्टील इंडस्ट्रीज प्लॉट नं. 151, जीआइडीसी 4, पंधाली सिहोर रोड, सिहोर, जिला भावनगर, गुजरात-364240	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य विकसित इस्पात छड़ और तार	1786	–	–	2008
9.	3813460	14-3-2012	एमएमजी रि रोलिंग मील्स प्रा. लि. 177/3/1, नेसदा, गधाली चौकड़ी के समीप, तालुका सिहोर, जिला भावनगर, गुजरात	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य विकसित इस्पात छड़ और तार	1786	–	–	2008
10.	3814058	16-3-2012	रिवर पम्प सर्वे नं. 207/2, प्लॉट नं. 5, शेड नं. 1, शापर-वेरावल, जिला राजकोट, गुजरात-360024	सबमर्सिबल पम्पसेट्स	8034	–	–	2002
11.	3814159	16-3-2012	रिवर पम्प सर्वे नं. 207/2, प्लॉट नं. 5, शेड नं. 1, शापर-वेरावल, जिला राजकोट, गुजरात-360024	खुले कुएं के लिए सबमर्सिबल पम्पसेट्स	14220	–	–	1994
12.	3815767	19-3-2012	परफेक्ट पॉलिमर्स जीआइडीसी II, प्लॉट नं. 319/ए, सबलपुर, जिला जूनागढ़, गुजरात-362001	सिंचाई उपस्कर-छलनी टाइप फिल्टर-विशिष्टि	12786	–	–	1989
13.	3815868	19-3-2012	परफेक्ट पॉलिमर्स जीआइडीसी II, प्लॉट नं. 319/ए, सबलपुर, जिला जूनागढ़, गुजरात-362001	ईमीटिंग पाईप सिस्टम	13488	–	–	2008
14.	3816365	19-3-2012	सनटच लैमीनेट प्रा. लि. लीलापर रोड, लखधीर नगर, मोरबी, जिला-राजकोट, गुजरात-363641	सजावटी ताप स्थिरण संश्लिष्ट रेजिनबद्ध परतदार चद्दर	2046	–	–	1995
15.	3816062	20-3-2012	सैफी गोल्ड प्लाजा सुपर गोल्डेन मार्केट, मोची बाजार, जूनागढ़, गुजरात-362001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन - विशिष्टि	1417	–	–	1999
16.	3816163	20-3-2012	राधिका ज्वेलर्स दुकान सं. 1, स्टेशन प्लॉट, बगीचा के सापने, धारी, जिला अमरेली, गुजरात-365640	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन - विशिष्टि	1417	–	–	1999

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
17.	3816264	20-3-2012	श्री चंदन ज्वेलर्स जी 6, ग्राउंड फ्लोर, ट्रेड सेंटर, कालानाला, भावनगर, गुजरात-364001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं आभूषणों/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन - विशिष्टि	1417	–	–	1999
18.	3816769	21-3-2012	पी. एम. डीजल्स प्रा. लि. पोस्ट बॉक्स नं. 1003, आजती इंडस्ट्रियल एरिया, राजकोट, गुजरात-360003	सामान्य प्रयोजन के लिए समगति सपीडन दहन (डीजल) इंजनों (20 किवा तक) की कार्य-कारिता अपेक्षाओं की विशिष्टि	10001	–	–	1981
19.	3816971	21-3-2012	अमृतधारा इंजीनियरिंग कॉ. प्रमुखजी, पटेल इंडस्ट्रियल एरिया, एन. एच. 8बी, गोन्डल रोड, कोठारिया, राजकोट, गुजरात-360002	पम्प-पुनर्योजी स्वच्छ ठंडे पानी के लिए विशिष्ट	8472	–	–	1998
20.	3817569	22-3-2012	जय जलाराम आइस फैक्ट्री अमरेली रोड, सावरकुण्डला, जिला अमरेली, गुजरात-364515	बोतल बंद पानी (प्राकृतिक खनिज पदार्थ के अतिरिक्त जल)	14543	–	–	2004
21.	3818268	27-3-2012	रनवीन रबर इंडस्ट्रीज बी-40, एम.पी. शाह इंडस्ट्रियल एस्टेट, सरू सेक्शन, जिला जामनगर, गुजरात-361002	स्वचल वाहन-वायवीय टायरों के लिए ट्यूब-विशिष्टि	13098	–	–	1991
22.	3818571	27-3-2012	इंडियन स्टील ऑपोरेशन लि. सर्वे नं. 370, ग्राम भीमसार, तालुका अंजार, जिला कच्छ, गुजरात-370240	अतप्त बेल्लित इस्पात की चददर और पत्तियाँ	513	–	–	2008
23.	3818672	28-3-2012	किशान इलेक्ट्रिक इंजी. कॉ. वायर हाउस के समीप, एस.टी. वर्कशॉप के पीछे, गोण्डन रोड, राजकोट, गुजरात-360004	साफ ठंडे पानी के लिए उर्ध्व टर्बाइन मिश्रित और अक्षीय प्रवाह पंपों की विशिष्टि	1710	–	–	1989
24.	3818773	28-3-2012	पटेल बिवरेज्स प्लॉट नं. 55, सर्वे नं. 233, वृंदावन नगर, लतीपर रोड, धरोल, जिला जामनगर, गुजरात-361210	बोतल बंद पानी (प्राकृतिक खनिज पदार्थ के अतिरिक्त जल)	14543	–	–	2004

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
25.	3819169	28-3-2012	श्रीनाथ ज्वेलर्स ओल्ड नटराज कॉम्प्लेक्स, जी. एफ. 4, एस. के. चौक, गांधीग्राम, राजकोट, गुजरात-360007	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन - विशिष्टि	1417	–	–	1999
26.	3819270	30-3-2012	सुनील गोल्ड ज्वेलर्स दुकान सं. 25, राज श्रृंगी अपार्टमेंट, आशापुरा मंदिर के सामने, पैलेस रोड, जिला राजकोट, गुजरात-360001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन - विशिष्टि	1417	–	–	1999
27.	3819371	30-3-2012	ए. आर. ज्वेलर्स आशुतोष कॉम्प्लेक्स, दुकान सं. 1, नंनदवाना चौक, अंजार जिला कच्छ, गुजरात-370110	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन - विशिष्टि	1417	–	–	1999
28.	3820255	30-3-2012	देव ज्वेलर्स एन ए, एस. टी. रोड, विसावदर, जिला-जूनागढ़, गुजरात-3621430	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन - विशिष्टि	1417	–	–	1999
29.	3820356	27-3-2012	श्रीनाथजी ज्वेलर्स 10, 11, 12, राज प्लाजा कॉम्प्लेक्स, पैलेस रोड, राजकोट, गुजरात-360001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन - विशिष्टि	1417	–	–	1999
30.	3820154	27-3-2012	सतनाम बिवरेज्स सर्वे नं. 248, प्लॉट नं. 3, 8-ए नेशनल हाईवे, ग्राम धुवा, वांकानेर, जिला राजकोट, गुजरात	बोतल बंद पानी (प्राकृतिक खनिज पदार्थ के अतिरिक्त जल)	14543	–	–	2004

[सं. सीएमडी/13:11]

के. एम. खैरकर, निदेशक एवं वैज्ञानिक (ई)

New Delhi, the 16th April, 2012

S.O. 1494.—In pursuance of sub-regulation (5) of the regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given below in the following schedule :—

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Grant Date	Name and Address of the Party	Title of the Standard	IS No.	Part	Sec.	Year
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	3809166	2-3-2012	RSK Industries Pvt. Ltd. Survey No. 171, Village Ghanghali, taluka Sihor, District Bhavnagar, Gujarat - 364240	Carbon steel cast billet ingots, billets, blooms and slabs for re-rolling into steel for general structural purposes	2830	-	-	1992
2.	3809267	2-3-2012	J R Steel Industries Plot No. 40, Sihor, Ahmedabad Road, at Vadia, Taluka Sihor, District Bhavnagar, Gujarat - 364240	Steel for general structural purposes	2062	-	-	2006
3.	3809974	2-3-2012	Ornatel Plastics Pvt. Ltd. 8-B, Old National Highway, Hanuman Vadi, Village Bamanbore, Taluka Chotila, District Surendranagar, Gujarat - 363520	Unplasticized pvc pipes for potable water supplies	4985	-	-	2000
4.	3810151	2-3-2012	Krishna Gold Palace 76, Shaz, 64, Bazar, Adipur, District Kachchh, Gujarat - 370110	Gold and gold alloys, Jewellery/ artefacts-fineness and marking —	1417	-	-	1999
5.	3812256	12-3-2012	Nildhara Industries Street No. 4, Vaid Wadi, Gondal Road, Near Railway Crossing, Rajkot, Gujarat - 360004	Pvc insulated cables for working voltages upto and including 1100v	694	-	-	1990
6.	3812357	12-3-2012	Gopi Electricals Amba Estate, Sr. No. 43/1, Plot No. 57-58, Vavdi, Rajkot, Gujarat - 360003	Submersible pumpsets	8034	-	-	2002
7.	3812559	13-3-2012	Purshottam G. Zaveri FP 734/5, Shoriff Bazar, Bhuj, District Kachchh, Gujarat - 370001	Gold and gold alloys, Jewellery/ artefacts-fineness and marking—	1417	-	-	1999
8.	3813359	14-3-2012	Greeva Steel Industries Plot No. 151, GIDC 4, Ghanghali Sihor Road, Sihor, District Bhavnagar, Gujarat - 364240	High strength deformend steel bars and wires for concrete reinforcement	1786	-	-	2008
9.	3813460	14-3-2012	MMG Re Rolling Mills Pvt. Ltd. 177/3/1, Nesda, Near Gaghali Chowkdi, Taluka Sihor, District Bhavnagar, Gujarat	High strength deformend steel bars and wires for concrete reinforcement	1786	-	-	2008

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
10.	3814058	16-3-2012	River Pump Survey No. 207/2, Plot No. 5, Shed No. 1, Shapar Veraval, Rajkot, Gujarat-360024	Submersible pumpsets—	8034	-	-	2002
11.	3814159	16-3-2012	River Pump Survey No. 207/2, Plot No. 5, Shed No. 1, Shapar Veraval, Rajkot, Gujarat-360024	Openwell Submersible pumpsets	14220	-	-	1994
12.	3815767	19-3-2012	Perfect Ploymers GIDC II, Plot No. 319/A, At : Sabalpur, District Junagadh, Gujarat-362001	Irrigation equipment-ploye thylene pipes for irrigation laterals—	12786	-	-	1989
13.	3815868	19-3-2012	Perfect Ploymers GIDC II, Plot No. 319/A, At : Sabalpur, District Junagadh, Gujarat-362001	Irrigation equipment Emitting pipes system	13488	-	-	2008
14.	3816365	19-3-2012	Suntouch Laminate Pvt. Ltd. Lilapar Road, Lakhdhir Nagar, Morvi. District Rajkot, Gujarat-36364	Decorative thermo-setting synthetic resin bonded laminated sheets	2046	-	-	1995
15.	3816062	20-3-2012	Saifee Gold Plaza Super Golden Market, Mochi Bazar, District Junagadh, Gujarat - 362001	Gold and gold alloys, Jewellery/ artefacts-fineness and marking -	1417	-	-	1999
16.	3816163	20-3-2012	Radhika Jewellers Shop No. 1, Station Plot, Opp. Bagicha, Dhari, District Amreli, Gujarat - 365640	Gold and gold alloys, Jewellery/ artefacts-fineness and marking —	1417	-	-	1999
17.	3816264	20-3-2012	Shree Chandan Jewellers G 6, Ground Floor, Trade Center, Kalanala, District Bhavnagar, Gujarat - 364001	Gold and gold alloys, Jewellery/ artefacts-fineness and marking -	1417	-	-	1999
18.	3816769	21-3-2012	P.M. Diesels Pvt. Ltd. Post Box No. 1003, Aji Industrial Estate, Rajkot-3 (India) Rajkot, Gujarat - 360003	Performance requirements for constant speed compression ignition (diesel) engines for general purposes (up to 20 kw)	10001	-	-	1981
19.	3816971	21-3-2012	Amrutdhara Engineering Co. Pramukhraj, Patel Industrial Area, N. H. 8B, Gondal Road,, Kothariya, Rajkot, Gujarat-360002	Pumps regenerative or clear, cold water—	8472	-	-	1998
20.	3817569	22-3-2012	Jay Jalaram Ice Factory Amreli Road, Savarkundla, District Amreli, Gujarat-364515	Packaged drinking water (other than packaged natural mineral water)-	14543	-	-	2004

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
21.	3818268	27-3-2012	Ranwin Rubber Industries B-40, M. P. Shah Industrial Estate, Saru Section, District Jamnagar, Gujarat-361002	Automotive vehicles— tubes for pneumatic tyres -	13098	-	-	1991
22.	3818571	27-3-2012	Indian Steel Corporation Ltd. Survey No. 370, Village Bhimasar, Taluka-Anjar, District Kachchh, Gujarat-370240	Cold-rolled low carbon steel sheets and strips	513	-	-	2008
23.	3818672	28-3-2012	Kishan Electric Eng. Co. Near Wire House, Behind S. T. Workshop, Gondal Road, Rajkot, Gujarat-360004	Pump—vertical trubine mixed and axial flow, for clear cold water—	1710	-	-	1989
24.	3818773	28-3-2012	Patel Beverages Plot No. 55, Survey No. 233, Vrundavan Nagar, Latipar Road, Dhrol, District Jamnagar, Gujarat-361210	Packaged drinking water (other than packaged natural mineral water)—	14543	-	-	2004
25.	3819169	28-3-2012	Shreenath Jewellers Old Natraj Comlex-G.F. 4, S.K. Chowk, Gandhigram, Rajkot, Gujarat - 360007	Gold and gold alloys, Jewellery/ artefacts-fineness and marking —	1417	-	-	1999
26.	3819270	30-3-2012	Sunil Gold Jewellers Shop No. 25, Raj Shrungi Apartment, Opp. Ashapura Mandir, Palace Road, Rajkot, Gujarat - 360001	Gold and gold alloys, Jewellery/ artefacts-fineness and marking —	1417	-	-	1999
27.	3819371	30-3-2012	A. R. Jewellers Ashutosh Complex, Shop No. 1, Nandwana Chowk, Anjar, District Kachchh, Gujarat - 370110	Gold and gold alloys, Jewellery/ artefacts-fineness and marking —	1417	-	-	1999
28.	3820255	30-3-2012	Dev Jewellers NA. S.T. Road, Visavadar, District Junagadh, Gujarat - 362130	Gold and gold alloys, Jewellery/ artefacts-fineness and marking —	1417	-	-	1999
29.	3820356	27-3-2012	Shreenathji Jewellers 10, 11, 12 Raj Plaza Complex, Palace Road, Rajkot, Gujarat - 360001	Gold and gold alloys, Jewellery/ artefacts-fineness and marking —	1417	-	-	1999
30.	3820154	27-3-2012	Satnam Beverages Survey No. 248, Plot No. 3, 8-A, National Highway, Village-Dhuva, Wankaner, District Rajkot, Gujarat	Packaged drinking water (other than packaged natural mineral water)—	14543	-	-	2004

[No. CMD/13 : 11]

K. M. KHAIRKAR, Director & Sc. (E)

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 2012

का.आ.1495.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खण्ड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिए गए मानक(कों) में संशोधन किया गया/किये गये हैं :-

अनुसूची

क्रम सं.	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 12235 (भाग 3) : 2004	1, अप्रैल 2012	30-04-2012
2.	आई एस 12235 (भाग 17) : 2004	1, अप्रैल 2012	30-04-2012
3.	आई एस 13592 : 1992	6, मार्च 2012	10-04-2012

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पुणे, तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : सीईडी/राजपत्र]

ए. के. सैनी, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख (सिविल इंजीनियरी)

New Delhi, the 17th April, 2012

S. O. 1495.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendments to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standards	No. and Year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 12235 (Part 3) : 2004	1, April 2012	30-04-2012
2.	IS 12235 (Part 17) : 2004	1, April 2012	30-04-2012
3.	IS 13592 : 1992	6, March 2012	10-04-2012

Copy of these amendmends are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and its Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune and Thiruvananthapuram.

[Ref : CED/Gazette]

A. K. SAINI, Scientist 'G' & Head (Civil Engg.)

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 2012

का.आ.1496.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गये हैं :-

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 15927 (भाग 2) : 2012 गैसीय ईंधन की पूर्ति के लिए पालिईथाइलिन पाइपों के साथ प्रयोग के लिए पालिईथाइलिन फिटिंगें—विशिष्टि भाग 2 तप्त औजारों के प्रयोग से सॉकेट फ्यूजन व इलेक्ट्रो फ्यूजन से बट फ्यूजन के लिए स्पाइगॉटों की फिटिंगें	—	31-03-2012

इस भारतीय मानक की प्रति भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : सीईडी/राजपत्र]

ए. के. सैनी, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख (सिविल इंजीनियरी)

New Delhi, the 17th April, 2012

S. O. 1496.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. & year of the Indian Standards Established	No. and Year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 15927 (Part 2) : 2012 Polyethylene Fittings for Use with Polyethylene Pipes for the Supply of Gaseous Fuels—Specification Part 2 Spigot Fittings for Butt Fusion for Socket Fusion using Heated Tools and for use with Electro Fusion Fittings	—	31 March, 2012

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune and Thiruvananthapuram.

[Ref : CED/Gazette]

A. K. SAINI, Scientist 'G' & Head (Civil Engg.)

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 2012

का.आ.1497.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खण्ड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिए गए मानक (कों) में संशोधन किया गया / किये गये हैं :-

अनुसूची

क्रम सं.	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 1592 : 2003	2, अप्रैल 2012	10-04-2012

इस संशोधन की प्रति भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे, तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : सीईडी/राजपत्र]

ए. के. सैनी, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख (सिविल इंजीनियरी)

New Delhi, the 17th April, 2012

S. O.1497.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendments to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standards	No. and Year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 1592 : 2003	2, April 2012	10-04-2012

Copy of this amendmend is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and its Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune and Thiruvananthapuram.

[Ref : CED/Gazette]

A. K. SAINI, Scientist 'G' & Head (Civil Engg.)

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 2012

का.आ.1498.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि, इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लेखित परिक्षेत्र की भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है;

और उक्त अनुसूची में वर्णित क्षेत्र का जिसकी रेखांक संख्या सी-1(ई)III/एचआर/867-0811, तारीख 18 अगस्त, 2011 का निरीक्षण, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, (राजस्व विभाग) कोल इस्टेट, सिविल लाईन्स, नागपुर-440 001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या मुख्य

महाप्रबंधक (एक्सप्लोरेशन प्रभाग), केन्द्रीय खान योजना एवं डिजाइन संस्थान, गोंडवाना प्लेस, कांके रोड, रांची-834 001 के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कोलकाता-700001 के कार्यालय में या जिला कलेक्टर, छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि से कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति —

(i) संपूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उसके ऊपर किसी अधिकार के अर्जन पर आक्षेप, या

(ii) भूमि या ऐसी भूमि में या उसके ऊपर कोई अधिकार के प्रतिकर के हित के यदि कोई दावा, या

(iii) खनन पटटा अर्जन करने के अधीन अधिकारों की पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति प्रभावहीन हो जाने और भूमि संबंधी सभी नक्शे, चार्टों तथा अन्य दस्तावेजों का परिदान, भूमि से अयस्कों या अन्य खनिजों के नमूनों का संग्रहण और उनका सम्यक विश्लेषण करने के लिए तथा उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट कोई अन्य सुसंगत अभिलेखों या सामग्रियों की तैयारी के लिए प्रतिकर,

इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, क्षेत्रीय महाप्रबंधक, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, कन्हान क्षेत्र, पोस्ट आफिस डुंगरिया, तहसील जुन्नारदेव, जिला छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश) या महाप्रबंधक (भूमि और राजस्व), वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, राजस्व विभाग, कोल ईस्टेट, सिविल लाईन्स, नागपुर-440 001 (महाराष्ट्र) को भेजेंगे ।

अनुसूची

घोघरा खुली खदान,
घोराबारी कोलियरी नं. 2,
कन्हान क्षेत्र,

जिला - छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश)

[रेखांक संख्या सी-1(ई)III/एचआर/867-0811, तारीख 18 अगस्त, 2011]

क्र.सं.	ग्राम का नाम	पटवारी सर्किल संख्या	तहसील	जिला	क्षेत्रफर हेक्टर में	टिप्पणी
1.	पनारा	22	जुन्नारदेव	छिन्दवाड़ा	55.166	भाग

कुल क्षेत्र : 55.166 हेक्टर (लगभग)

या 136.26 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :-

क-ख : रेखा ग्राम पनारा में आरंभिक बिन्दु 'क' से प्रारंभ होकर उत्तर पूर्व दिशा की ओर ग्राम पनारा से गुजरती हुई बिन्दु 'ख' पर मिलती है ;

ख-ग : रेखा ग्राम पनारा में बिन्दु 'ख' से उत्तर दक्षिण दिशा की ओर से गुजरती हुई बिन्दु 'ग' पर मिलती है ।

ग-घ : रेखा ग्राम पनारा में बिन्दु 'ग' से पूर्व पश्चिम दिशा की ओर से गुजरती हुई बिन्दु 'घ' पर मिलती है ।

घ-क : रेखा ग्राम पनारा में बिन्दु 'घ' से दक्षिण उत्तर दिशा की ओर से गुजरती हुई आरंभिक बिन्दु 'क' पर मिलती है ।

[फा. सं. 43015/14/2011-पीआरआईडब्ल्यू-I]

ए. के. दास, अवर सचिव

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 23rd April, 2012

S.O.1498.—Whereas, it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule hereto annexed;

And, Whereas, the plan bearing number C-1(E)III/HR/867-0811, dated 18th August, 2011 of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur - 440 001 (Maharashtra) or at the office of the Area General Manager (Exploration Division), Central Mine Planning and Design Institute, Gondwana Palace, Kanke Road, Ranchi - 834 001 or at the office of the Coal Controller, 1 Council House Street, Kolkata - 700 001 or at the office of the District Collector, Chhindwara (Madhya Pradesh);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), (hereinafter referred to as the said Act), for all rights the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal from lands described in the said Schedule;

Any persons interested in the land described in the said Schedule may -

(i) object to the acquisition of the whole or any part of the land, or of any rights in or over such land, or

(ii) claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land, or

(iii) seek compensation for prospecting licences ceasing to have effect, rights under mining leases being acquired, and deliver all maps, charts and other documents relating to the land, collection from the land of cores or other mineral samples and due analysis thereof and the preparation of any other relevant record or materials referred to in sub-section (7) of Section 13 of the said Act,

to the office of the Area General Manager, Western Coalfields Limited, Kanhan Area, Post Office Dungaria, Tahsil Junnardeo, District Chhindwara (Madhya Pradesh) or General Manager (Land and Revenue), Western Coalfields Limited, Revenue Department, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur - 440 001 (Maharashtra) within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Ghoghra Opencast Mine,
Ghorawari Colliery No.2,
Kanhan Area,
District- Chhindwara (Madhya Pradesh)

(Plan bearing number C-1(E)III/HR/867-0811, dated 18th August, 2011)

Sl. No.	Name of Village	Patwari Circle Number	Tahsil	District	Area (in hectares)	Remarks
1	Panara	22	Junnardeo	Chhindwara	55.166	Part

Total area : 55.166 hectares (approximately)

or 136.26 acres (approximately)

Boundary description:

A-B : Line starts from Point 'A' in village Panara and passes through village Panara towards North East Direction and meets at Point 'B'.

B-C : Line passes through Point 'B' in village Panara towards North South Direction and meets at Point 'C'.

C-D : Line passes through Point 'C in village Panara towards East West Direction and meets at Point 'D'.

D-A : Line passes through Point 'D' in village Panara towards South North Direction and meets at starting Point 'A'.

[F. No. 43015/14/2011-PRIW-I]

A. K. DAS, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 2012

का.आ.1499.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि, इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लेखित परिक्षेत्र की भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है;

और इस अधिसूचना द्वारा आने वाले क्षेत्र का जिसका रेखांक संख्या सी-1(ई)III/एचआर/865-0811, तारीख 11अगस्त, 2011 है, का निरीक्षण, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, (राजस्व अनुभाग) कोल इस्टेट, सिविल लाईन्स, नागपुर-440 001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या मुख्य महाप्रबंधक (खोज प्रभाग), केन्द्रीय खान योजना एवं डिजाइन संस्थान, गोंडवाना प्लेस, कांके रोड, रांची-834 001 के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कोलकाता-700001 के कार्यालय में या जिला कलेक्टर, छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि से कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति -

(i) संपूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उसके ऊपर किसी अधिकार के अर्जन पर आक्षेप, या

(ii) यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उसके ऊपर कोई अधिकार के प्रतिकर के हित का कोई दावा, या

(iii) खनन पट्टा अर्जन करने के अधीन अधिकारों की पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति प्रभावहीन हो जाने और भूमि संबंधी सभी नक्शे, चार्टों तथा अन्य दस्तावेजों का परिदान, आंतरिक भूमि से या अन्य खनिजों के नमूनों का संग्रहण और उनका सम्यक विश्लेषण करने के लिए तथा उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट कोई अन्य सुसंगत अभिलेखों या सामग्रियों की तैयारी के लिए प्रतिकर की मांग,

इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, क्षेत्रीय महाप्रबंधक, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, कन्हान क्षेत्र, पोस्ट आफिस डुंगरिया, तहसील जुन्नारदेव, जिला छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश) या महाप्रबंधक, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, भूमि और राजस्व विभाग, कोल इस्टेट, सिविल लाईन्स, नागपुर-440 001 (महाराष्ट्र) से कर सकेगा ।

अनुसूची

टाकिया नाला फेज VIII खुली खदान,
घोरावारी कोलियरी नं. 2,
कन्हान क्षेत्र,

जिला - छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश)

[रेखांक संख्या सी-1(ई)III/एचआर/865-0811, तारीख 11 अगस्त, 2011]

क्र.सं.	ग्राम का नाम	पटवारी सर्किल संख्या	तहसील	जिला	क्षेत्रफर हेक्टर में	टिप्पणी
1.	दातला बाडी	28	जुन्नारदेव	छिन्दवाड़ा	18.712	भाग

कुल क्षेत्र : 18.712 हेक्टर (लगभग)

या 46.237 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :-

क-ख : रेखा ग्राम दातला बाडी के आरंभिक बिन्दु 'क' से प्रारंभ होती है और टाकिया नाला की बाहरी सीमा से गुजरती हुई बिन्दु 'ख' पर मिलती है ।

ख-ग : रेखा, नाले की सीमा के साथ 'ख' बिन्दु से प्रारंभ होती है फिर उत्तर पूर्व दिशा में ग्राम से होकर गुजरती है और बिन्दु 'ग' पर मिलती है ।

ग-घ : रेखा, बिन्दु 'ग' से उत्तर दक्षिण दिशा में ग्राम दातला बाडी से गुजरती है और बिन्दु 'घ' पर मिलती है ।

घ-ङ-च : रेखा बिन्दु 'घ' से पूर्व पश्चिम दिशा में बिन्दु 'ङ' से गुजरती है और बिन्दु 'च' पर मिलती है ।

च-क : रेखा बिन्दु 'च' से होकर गुजरती है और पूर्व पश्चिम दिशा में ग्राम दातला बाडी से होकर जाती है और आरंभिक बिन्दु 'क' पर मिलती है ।

[फा. सं. 43015/12/2011-पीआरआईडब्ल्यू-I]
ए. के. दास, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 2012

S.O. 1499.—Whereas, it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the plan bearing number C-1(E)III/HR/865- 0811, dated 11th August, 2011 of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440 001 (Maharashtra) or at the office of the Area General Manager (Exploration Division), Central Mine Planning and Design Institute, Gondwana Palace, Kanke Road, Ranchi - 834 001 or at the office of the Coal Controller, 1 Council House Street, Kolkata - 700 001 or at the office of the District Collector, Chhindwara (Madhya Pradesh);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), (hereinafter referred to as the said Act), for all rights the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal from lands described in the said Schedule;

Any persons interested in the land described in the said Schedules may —

(i) object to the acquisition of the whole or any part of the land, or of any rights in or over such land, or .

(ii) claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land, or

(iii) seek compensation for prospecting licences ceasing to have effect, rights under mining leases being acquired, and deliver all maps, charts and other documents relating to the land, collection from the land of cores or other mineral samples and due analysis thereof and the preparation of any other relevant record or materials referred to in sub-section (7) of Section 13 of the said Act,

to the office of the Area General Manager, Western Coalfields Limited, Kanhan Area, Post Office Dungaria, Tahsil Junnardeo, District Chhindwara (Madhya Pradesh) or General Manager (Land and Revenue), Western Coalfields Limited, Revenue Department, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur - 440 001 (Maharashtra) within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Takia Nallah Phase-VIII Opencast Mine,
Ghorawari Colliery No. 2,
Kanhan Area,
District- Chhindwara (Madhya Pradesh)

[Plan bearing number C-1(E)III/HR/865- 0811, dated 11th August, 2011]

Sl. No.	Name of Village	Patwari Circle Number	Tahsil	District	Area (in hectares)	Remarks
1	Datla Badi	28	Junnardeo	Chhindwara	18.712	Part

Total area : 18.712 hectares (approximately)
or 46.237 acres (approximately)

Boundary description :

A-B : Line starts from Point 'A' and passes along the boundary of Takia Nallah and meets at Point 'B'.

B-C : Line passes from Point 'B' along the boundary of Nallah then passes through village in North East Direction and meets at Point 'C'.

C-D : Line passes from Point 'C' in the North South Direction in village Datla Badi and meets at Point 'D'.

D-E-F : Line passes from Point 'D' in the East West Direction in village Datla Badi, then passes through Point 'E' and meets at Point 'F'.

F-A : Line passes through Point 'F' and passes through village Datla Badi in East West Direction and meets at starting Point 'A'.

[F. No. 43015/12/2011-PRIW-I]
A. K. DAS, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 2012

का.आ.1500.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि, इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के ब्यौरे रेखांक संख्या एसईसीएल/बीएसपी/जीएम(पीएलजी)/भूमि/418 तारीख 8 नवम्बर, 2011 का निरीक्षण कलेक्टर, शहडोल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कोलकाता-700001 के कार्यालय में या साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग), सीपत रोड, बिलासपुर-495006 (छत्तीसगढ़) के कार्यालय में किया जा सकता है;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि से कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

उक्त अनुसूची में विहित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति -

(i) संपूर्ण भूमि या उसके किसी भाग के अर्जन या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों के प्रति आक्षेप कर सकेगा; या

(ii) भूमि में के किसी हित के प्रतिकर या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का दावा कर सकेगा; या

(iii) प्रभावहीन हो गई पूर्वेक्षण अनुज्ञप्तियों, खनन पट्टों के अधीन अर्जित किये जाने पर अधिकारों के लिये प्रतिकर प्राप्त कर सकेगा और उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (7) में निर्दिष्ट भूमि के कोरों से संग्रहण या अन्य खनिज नमूनों तथा उनके सम्यक् विश्लेषण को तथा किसी अन्य सुसंगत अभिलेख या सामग्रियों की निर्मित से संबंधित सभी मानचित्र चार्ट और अन्य दस्तावेज परिदत्त कर सकेगा ।

इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, प्रभारी अधिकारी या विभागाध्यक्ष (राजस्व), साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सीपत रोड, बिलासपुर-495006 (छत्तीसगढ़) को भेजेंगे ।

अनुसूची

धनपुरा ब्लाक, सोहागपुर क्षेत्र,

जिला - शहडोल (मध्य प्रदेश)

[रेखांक संख्या-एसईसीएल/बीएसपी/जीएम(पीएलजी)/भूमि/418 तारीख 8 नवम्बर, 2011]

(पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचना भूमि दर्शाते हुए)

तहसील - सोहागपुर जिला - शहडोल

क्र.सं.	ग्राम का नाम	पटवारी हल्का नम्बर	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	धनपुरा	125	244.000	भाग
2.	चौराडीह	125	422.985	संपूर्ण

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
3.	धनपुरी	125	153.709	भाग
4.	विक्रमपुर	126	158.000	भाग
5.	चिटुहला	127	308.313	संपूर्ण
6.	अहिरगांव	128	197.701	भाग
7.	बरतरा	124	331.046	भाग
8.	मझियार	125	216.156	भाग
9.	गोपालपुर	128	15.000	भाग

कुल : 2046.910 हेक्टर (लगभग)

या 5057.91 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :-

क-ख : रेखा ग्राम मझियार-वोडरी के सम्मिलित सीमा में बिन्दु 'क' से आरंभ होती है और ग्राम मझियार और धनपुरा के पश्चिमी सीमा से गुजरती हुई बिन्दु 'ख' पर मिलती है ।

ख-ग : रेखा ग्राम धनपुरा और धनपुरी के मध्य भाग, ग्राम विक्रमपुर के दक्षिणी भाग से गुजरती हुई ग्राम विक्रमपुर के दक्षिणी सीमा में बिन्दु 'ग' पर मिलती है ।

ग-घ : रेखा ग्राम अहिरगंव के भागत: पूर्वी सीमा, ग्राम अहिरगंव के दक्षिणी भाग, ग्राम गोपालपुर के उत्तरी भाग और ग्राम चिटुहला के भागत: दक्षिणी सीमा से होती हुई बिन्दु 'घ' पर मिलती है ।

घ-क : रेखा ग्राम बरतरा के मध्य भाग और ग्राम मझियार के दक्षिणी भाग से होती हुई आरंभिक बिन्दु 'क' पर मिलती है ।

[फा. सं. 43015/19/2011-पीआरआईडब्ल्यू-I]

ए. के. दास, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 2012

S.O.1500.—Whereas it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule annexed hereto;

And whereas, the plan bearing number SECL/BSP/GM (PLG)/LAND/418 dated the 8th November, 2011 containing details of the area of land described in the said schedule may be inspected at the office of the Collector, Shahdol (Madhya Pradesh) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata-700001 or at the office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur -495006 (Chhattishgarh);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal from lands described in the said schedule; .

Any person interested in the land described in the said schedule may-

(i) object to the acquisition of the whole or any part of the land, or of any rights in or over such land; or

(ii) claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land; or

(iii) seek compensation for prospecting licences ceasing to have effect, rights under mining lease being acquired, and deliver all maps, charts and other documents relating to the land, collection from the land of cores or other mineral samples and due analysis thereof and the preparation of any other relevant record or materials referred to in sub-section (7) of Section 13 of the said Act,

to the Officer-in-Charge or Head of the Department (Revenue), South Eastern Coalfields Limited, Seepat Road, Bilaspur-495006 (Chhattisgarh) within a period of ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Dhanpura Block, Sohagpur Area,

District-Shahdol, Madhya Pradesh

[Plan bearing number SECL/BSP/GM (PLG)/LAND/418 dated the 8th November, 2011]

(Showing the land notified for prospecting).

Tahsil - Sohagpur District- Shahdol

Sl. No.	Name of village	Patwari halka number	Area in hectares	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Dhanpura	125	244.000	Part
2.	Chauradih	125	422.985	Full
3.	Dhanpuri	125	153.709	Part
4.	Vikrampur	126	158.000	Part
5.	Chituhala	127	308.313	Full
6.	Ahirgawan	128	197.701	Part
7.	Bartara	124	331.046	Part
8.	Majhiyar	125	216.156	Part
9.	Gopalpur	128	15.000	Part

Total :- 2046.910 hectares (approximately)

or 5057.91 acres (approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION :-

A-B Line starts from point 'A' on the common boundary of villages Majhiyar-Wodari and passes along western boundary of village Majhiyar, Dhanpura and meets at point 'B'.

B-C Line passes through middle part of village Dhanpura, Dhanpuri, southern part of village Vikrampur and meets at point 'C' on the southern boundary of village Vikrampur.

C-D Line passes along partly eastern boundary of village Ahirgawan, through southern part of village Ahirgawan, northern part of village Gopalpur, along partly southern boundary of village Chituhala and meets at point 'D'.

D-A Line passes through middle part of village Bartara, southern part of village Majhiyar and meets at starting point 'A'.

[F. No. 43015/19/2011-PRIW-I]
A. K. DAS, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 2012

का.आ. 1501.—जबकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्रप्रदेश राज्य में ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइनें बिछाई जानी चाहिए ।

और जबकि, केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपालाइनें बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसके भीतर पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है कि और जो इस में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, वह भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध कराए जाने की तिथि से इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने हेतु उपयोगकर्ता के अधिकार के अधिग्रहण पर अपनी आपत्ति लिखित रूप में स्पेशल डिप्टी कलेक्टर और सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड, राजामुन्द्री परिसम्पत्ति/के.जी.बेसिन, गोदावरी भवन, बेस कॉम्प्लेक्स, राजामुन्द्री-533106, आन्ध्रप्रदेश को भेज सकता है।

अनुसुची

आर. ओ. यु . पाइप लाईन : " मेडपाडु # 1 वेल से येलमन्छिलि # 3 वेल "

मन्दल: येलमन्छिलि	गांव : मेडपाडु	जिले : पसिछम (वेस् ट) गोदावारि		राज्य : आंन्ध्र प्रदेश	
क्रम सँ	गांव का नाम्: मेडपाडु	आर.एस.नं (सर्वे का सम्क्या)	क्शेत्र: फ्ल		
			हेक्टेएर्स	एर्स	वेंज् मिट्र
1	मेडपाडु	198/1B	00	19	02
		198/2A	00	04	45
		198/1D	00	04	45
		198/1E	02	02	02
		198/1G	00	14	16
		181/2B1	00	01	62
		181/1B	00	00	81
		181/2C1	00	08	90
		181/1C	00	09	31
		180/2 केनाल (जि.पि)	00	02	02
		179/1B	00	14	16
		179/3B भाग	00	08	09
		179/3B भाग	00	07	69
		174/2 ड्रऐन (जि.पि)	00	16	19
		171/2	00	13	76
		159/2 आर ऍंड बि (जि.पि)	00	04	86
		158/1 ड्रऐन (जि.पि)	00	02	43
		225/7B ड्रऐन (जि.पि)	00	45	32
		227/1B	00	05	26
		227/4A	00	06	47
		227/5A	00	07	28
		228/6	00	03	24
		229/1A	00	07	28
		224/4B ड्रऐन (जि.पि)	00	15	38
		223/2 ड्रऐन (जि.पि)	00	18	21
		229/2A	00	04	05
		229/3B	00	04	45

1	मेडपाडु (जरी)	232/2A	00	06	07
		232/1A	00	02	02
		237/1B	00	11	33
		237/2D	00	12	95
		237/3B	00	03	24
		234/1 कार्ट ट्रएक् (जि.पि)	00	03	24
		242/2B	00	05	26
		235/2A	00	06	07
		235/3B	00	00	40
		235/3A	00	12	14
		235/4A	00	00	81
		236/1B	00	12	14
		236/2B	00	03	24
		236/7B	00	00	40
		236/1D	00	02	83
		239/1A	00	04	05
		238/1B	00	00	40
		264/2 कार्ट ट्रएक् (जि.पि)	00	06	47
		276/3A	00	01	21
		277/1A	00	04	05
		277/1B	00	19	02
		278/2 कार्ट ट्रएक् (जि.पि)	00	03	24
		283/11A	00	04	86
		279/1A	00	16	19
		279/2A कार्ट ट्रएक्ं (जि.पि)	00	02	43
		282/2A	00	05	67
		282/2C	00	02	83
		282/4A	00	08	09

		280/2 कार्ट ट्रएक् (जि.पि)	00	10	12
		281/2 कार्ट ट्रएक् (जि.पि)	00	03	24
1	मेडपाडु (जरी)	282/1A	00	04	05
		283/1A	00	04	05
		283/2A	00	08	90
		283/10A	00	04	86
		32 कार्ट ट्रएक् (जि.पि)	00	01	62
		33/3A	00	02	43
		33/1A	00	04	86
		33/2A	00	01	62
		36 part	00	04	05
		33/4A	00	08	50
		35/1A	00	06	07
		35/1B	00	05	67
		35/4B	00	03	64
		38/5B	00	03	64
		39/9B	00	04	45
		39/11B	00	02	43
		35/5B	00	03	24
		38/1B कार्ट ट्रएक् (जि.पि)	00	03	64
		38/2B	00	08	09
		35/6B	00	03	64
2	येलमन्छिलि	35/1B	00	03	64
		38/4B	00	08	09
		39/1B	00	05	67
		39/10B	00	04	45
		38/6A	00	04	05
		58 कार्ट ट्रएक् (जि.पि)	00	02	83
		56/1B	00	01	21
		56/2B	00	10	52
		54/7A	00	02	83
		54/8B	00	04	86
		55/1B	00	06	88
		55/2B	00	06	07
		55/3B	00	04	05
		55/5B	00	04	86
		77/1B	00	03	24
		77/9B	00	00	40
		77/10B	00	07	28
		79/1B	00	10	52

1	येलमन्छिलि (जारी...)	52/8A	00	00	40
		52/9B	00	05	67
		80/1B	00	08	09
		80/3B	00	06	07
		81/1B	00	08	09
		82/2A	00	04	05
		82/4A	00	00	81
		82/4C	00	04	45
		83/1B कार्ट ट्रएक् (जि.पि)	00	01	62
		83/3B	00	12	14
		85/1B	00	05	26
		85/2B	00	14	16
		85/2C	00	04	05
		102/1A कार्ट ट्रएक् (जि.पि)	00	02	43
		102/2B	00	10	93
		102/4B	00	21	45
		100/2P, 3A	00	04	45
		Total	**07**	**19**	**93**

[फा. सं. ओ-12026/3/2011-ओ.एन.जी- III]

राज सेखर सिकदार, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 27th January, 2012

S. O. 1501.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest to lay pipelines under the state of Andhra Pradesh by Oil and Natural Gas Corporation Limited.

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipelines are proposed to be laid and which are described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Special Deputy Collector and Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd, Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry-533106, Andhrapradesh.

SCHEDULE

ROU PIPELINE FROM **MEDAPADU # 1 TO ELAMANCHILI # 3**

Mandal: ELAMANCHILI		**Village: MEDAPADU**	**District: WEST GODAVARI**		**State: ANDHRAPRADESH**
Sl.No	Name of the Village	Survey Number	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
1	**MEDAPADU**	198/1B	00	19	02
		198/2A	00	04	45
		198/1D	00	04	45
		198/1E	02	02	02
		198/1G	00	14	16
		181/2B1	00	01	62
		181/1B	00	00	81
		181/2C1	00	08	90
		181/1C	00	09	31
		180/2 Canal (GP)	00	02	02
		179/1B	00	14	16
		179/3B part	00	08	09
		179/3B part	00	07	69
		174/2 Drain (GP)	00	16	19
		171/2	00	13	76
		159/2 R&B road (G.P)	00	04	86
		158/1 Drain (G.P)	00	02	43
		225/7B Drain (G.P)	00	45	32
		227/1B	00	05	26
		227/4A	00	06	47
		227/5A	00	07	28
		228/6	00	03	24
		229/1A	00	07	28
		224/4B Drain (G.P)	00	15	38
		223/2 Drain (G.P)	00	18	21
		229/2A	00	04	05
		229/3B	00	04	45

1	MEDAPADU (Contd...)	232/2A	00	06	07
		232/1A	00	02	02
		237/1B	00	11	33
		237/2D	00	12	95
		237/3B	00	03	24
		234/1Cart Track (G.P)	00	03	24
		242/2B	00	05	26
		235/2A	00	06	07
		235/3B	00	00	40
		235/3A	00	12	14
		235/4A	00	00	81
		236/1B	00	12	14
		236/2B	00	03	24
		236/7B	00	00	40
		236/1D	00	02	83
		239/1A	00	04	05
		238/1B	00	00	40
		264/2 Cart Track (G.P)	00	06	47
		276/3A	00	01	21
		277/1A	00	04	05
		277/1B	00	19	02
		278/2Cart Track (G.P)	00	03	24
		283/11A	00	04	86
		279/1A	00	16	19
		279/2A Cart Track (G.P)	00	02	43
		282/2A	00	05	67
		282/2C	00	02	83
		282/4A	00	08	09
		280/2 Cart Track (G.P)	00	10	12
		281/2 Cart Track (G.P)	00	03	24

1	MEDAPADU (Contd...)	282/1A	00	04	05
		283/1A	00	04	05
		283/2A	00	08	90
		283/10A	00	04	86
2	ELAMANCHILI	**32 Cart Track(G.P)**	00	01	62
		33/3A	00	02	43
		33/1A	00	04	86
		33/2A	00	01	62
		36 part	00	04	05
		33/4A	00	08	50
		35/1A	00	06	07
		35/1B	00	05	67
		35/4B	00	03	64
		38/5B	00	03	64
		39/9B	00	04	45
		39/11B	00	02	43
		35/5B	00	03	24
		38/1B Cart Track (G.P)	00	03	64
		38/2B	00	08	09
		35/6B	00	03	64
		35/1B	00	03	64
		38/4B	00	08	09
		39/1B	00	05	67
		39/10B	00	04	45
		38/6A	00	04	05
		58 Cart Track (G.P)	00	02	83
		56/1B	00	01	21
		56/2B	00	10	52
		54/7A	00	02	83
		54/8B	00	04	86
		55/1B	00	06	88
		55/2B	00	06	07
		55/3B	00	04	05
		55/5B	00	04	86
		77/1B	00	03	24
		77/9B	00	00	40
		77/10B	00	07	28
		79/1B	00	10	52
		52/8A	00	00	40
		52/9B	00	05	67
		80/1B	00	08	09
		80/3B	00	06	07

2	ELAMANCHILI (Contd...)	81/1B	00	08	09
		82/2A	00	04	05
		82/4A	00	00	81
		82/4C	00	04	45
		83/1B Cart Track (G.P)	00	01	62
		83/3B	00	12	14
		85/1B	00	05	26
		85/2B	00	14	16
		85/2C	00	04	05
		102/1A Cart Track (G.P)	00	02	43
		102/2B	00	10	93
		102/4B	00	21	45
		100/2P, 3A	00	04	45
		Total	**07**	**19**	**93**

[F. No. O-12026/3/2011-ONG-III]

R. S. SIKDAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 2012

का.आ. 1502.—जबकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्रप्रदेश राज्य में ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइनें बिछाई जानी चाहिए ।

और जबकि, केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपालाइनें बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसके भीतर पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है कि और जो इस में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, वह भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध कराए जाने की तिथि से इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने हेतु उपयोगकर्ता के अधिकार के अधिग्रहण पर अपनी आपत्ति लिखित रूप में स्पेशल डिप्टी कलेक्टर और सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड, राजामुन्द्री परिसम्पत्ति/के.जी.बेसिन, गोदावरी भवन, बेस कॉम्प्लेक्स, राजामुन्द्री-533106, आन्ध्रप्रदेश को भेज सकता है।

अनुसूचि

आर. ओ. यु . पाइप लाईन : " **केवि#5,10,19,20,21 से मोरि गिसियेस (4 सम्क्या), केवि#4,9,13,14 से मोरि जि.सि.येस (3 सम्ख्या), जि.येस # 49 ऐ..सि (इए/सि) के.वि#7 से मोरि जि.सि.एस (1 सम्खया), के.वि#15,16,17,18 से मोरि जि.सि.येस (1 स्म्क्या) (पूरा 9 सम्खया)** "

मंड्ल: सखिनेटिपल्लि	गांव : अंतरवेदि	जिले : पूर्व (ईस्ट) गोदावारि	राज्य : आन्ध्र प्रदेश		
कृम सँ	गाम क नाम्	आर.एस.नं (सर्वे का सम्क्या)	केसःत्र् फेळ्		
			हेकटेएर्स	एर्स	सेंन्ग् मिट्र
जि.येस # 49 ऐ..सि (इए/सि) के.वि#7 से मोरि जि.सि.एस (1 सम्खया) i.e., EV # 7 अप्रोच रोड मै					
1	**अंतरवेदि**	US – P1	00	02	43
		US – P2	00	02	02
		US – P3	00	04	86
		US – P4	00	03	64
		US – P5	00	02	43
		US – P6	00	03	24
		US – P7	00	03	24
		US – P8	00	04	86
केवि#4,9,13,14 से मोरि जि.सि.येस (3 सम्ख्या) से आगे जि.येस # 49 ऐ..सि (इए/सि) के.वि#7 से मोरि जि.सि.एस (1 सम्खया)					
1	**अंतरवेदि (जारी...)**	US – P9	00	09	71
		US – P10	00	06	88
		US – P11	00	04	45
		US – P12	00	03	64
		US – P13	00	03	64
		US – P14	00	07	28
		US – P15	00	04	05
		US – P16	00	02	02
		US – P17	00	06	88
		US – P18	00	02	83
		US – P19	00	02	02
		US – P20	00	05	67
		US – P21	00	04	05
		US – P22	00	04	45
		US – P23	00	04	05
		US – P24	00	03	64
		US – P25	00	03	64
		US – P26	00	03	64

		US – P27	00	03	24
		US – P28	00	03	24
		US – P29	00	05	67
		US – P30 कार्ट ट्रेक्	00	01	21
		US – P31	00	05	26
		US – P32	00	02	02
		US – P33	00	02	02
		US – P34	00	02	02
		US – P35	00	02	83
		US – P36	00	01	21
		US – P37	00	05	26
		US – P38	00	04	86
		US – P39	00	04	45
		US – P40	00	02	43
		US – P41	00	04	45
		US – P42	00	04	05
		US – P43	00	04	05
		US – P44	00	04	86
		US – P45	00	08	90
		US – P46	00	02	83
		US – P47	00	04	05
	अंतरवेदि	US – P48	00	04	05
1	(जारी...)	US – P49	00	08	50
		US – P50	00	08	09
		US – P51	00	02	02
		US – P52	00	02	43
		US – P53	00	05	67
		US – P54	00	02	43
		US – P55	00	01	62
		US – P56	00	03	24
		US – P57	00	09	31
		US – P58	00	02	02
		US – P59	00	02	02
		US – P60	00	03	24
		US – P61	00	07	69
		US – P62	00	02	43
		US – P63	00	02	43
		US – P64	00	03	24
		US – P65	00	02	43
		US – P66	00	04	45
		US – P67	00	02	02
		US – P68	00	02	02
		US – P69	00	03	24

केवि#5,10,19,20,21 से मोरि गिसियेस (4 सम्क्या) से आगे ऊपर चे लैन सात लगाया गया = पूरा 8 लैन					
1	अंतरवेदि (जारी...)	US – P70	00	02	83
		715/2B	00	15	78
		US – P71	00	06	07
		US – P72	00	03	64
		US – P73	00	03	64
		US – P74	00	03	64
		US – P75	00	05	26
		US – P76	00	04	05
		US – P77	00	04	45
		US – P78	00	02	83
		US – P79	00	02	83
		US – P80	00	02	83
		US – P81	00	02	43
		US – P82	00	02	02
		US – P83	00	02	02
		US – P84	00	02	02
		US – P85	00	02	02
		US – P86	00	03	64
		US – P87	00	06	07
		US – P88	00	05	67
		US – P89	00	04	05
		US – P90	00	04	86
		US – P91	00	04	45
		US – P92	00	10	12
		US – P93	00	06	47
		US – P94	00	02	43
		US – P95	00	02	43
प्रारैम्ब से मुतयाल मेमोरियल सि.सि.यफ सोसैटि का लन्ड					
1	अंतरवेदि (जारी...)	US – P96	00	02	02
		712/1	00	00	40
		US – P97	00	00	81
		712/2	00	00	81
		US – P98	00	00	40
		712/3	00	03	64
		712/4	00	03	24
		712/5	00	03	64
		712/6 (Existing road)	00	01	21
		712/7	00	02	83
		712/8	00	03	64

1	अंतरवेदि (जारी...)	712/9	00	04	86
		712/10	00	03	24
		712/11	00	03	64
		712/12	00	01	62
		712/13	00	01	62
		712/14	00	03	64
		712/15	00	02	02
		712/16	00	01	62
		712/17	00	02	02
		712/18	00	02	02
		712/19	00	03	64
		712/20	00	03	64
		712/21	00	01	62
		712/22	00	02	02
		712/23	00	03	24
		712/24	00	02	43
		712/25	00	02	83
		711/27	00	03	24
		711/26	00	03	24
		711/25	00	02	02
		711/24	00	01	21
		711/23	00	02	43
		711/22	00	03	64
		711/21	00	02	02
		711/20	00	01	21
		711/19	00	01	21
		711/18	00	01	21
		711/17	00	02	02
		711/16	00	01	21
		711/15	00	02	02
		711/14	00	02	02
		711/13	00	02	02
		711/12	00	02	02
		711/11	00	02	02
		711/10	00	02	02
		711/9	00	02	02
		711/8	00	02	02
		711/7	00	02	02
		711/6	00	06	07

के.वि#15,16,17,18 से मोरि जि.सि.येस (1 स्क्या) समयुकत चे क्लुस्ट्र वेल्ल से 8 लऐन					
1	अंतरवेदि (जारी...)	710 भाग्	00	02	02
		711/4 भाग्	00	12	14
		711/5	00	04	05
(All nine lines Continued from Sl. No. 140 which is in the proceedings)					
1	अंतरवेदि। (जारी...)	711/2	00	10	52
		711/4 भाग्	00	02	83
		711/1	00	05	26
		679/15	00	29	14
		711/3	00	06	07
		679/14	00	05	67
		679/13	00	06	07
		679/12	00	03	24
		679/11	00	03	64
		679/10	00	06	07
		679/9	00	04	05
		679/8	00	04	45
		679/7	00	04	45
		679/6	00	04	86
		679/5	00	08	50
		679/4	00	04	05
		679/3	00	08	90
		679/2	00	04	05
		679/1 भाग्	00	03	24
		679/1 भाग्	00	01	62
		678/1A भाग्	00	01	62
		678/1A भाग्	00	03	24
		678/1B भाग्	00	02	43
		678/1A भाग्	00	00	81
		678/1C	00	00	40
		678/1D	00	03	64
		678/1E	00	03	24
		678/1F	00	03	24
		678/1G	00	08	09
		678/1H	00	07	69
		678/1I भाग्	00	02	43
		678/1I भाग्	00	02	43
		678/1J	00	06	88
		678/1K	00	06	88
		678/1L	00	09	31
		678/1M	00	03	24

1	अंतरवेदि। (जारी...)	678/1N	00	03	24
		678/1 O	00	03	24
		678/1P	00	04	05
		678/1Q भाग्	00	10	93
		678/1Q भाग्	00	10	93
		678/1Q भाग्	00	10	93
		675/1A1	00	02	83
		675/1B2	00	14	16
		675/1B3	00	04	45
		674/2L1	00	03	64
		674/2L2	00	10	52
		674/2L3	00	06	47
		674/2L4	00	02	02
		674/2L5	00	04	05
		674/2L6	00	06	88
		674/2L7	00	19	02
		673/2L1	00	10	52
		673/2L2	00	20	23
		673/2L3	00	19	83
		672/2G1	00	07	28
		672/2G2 भाग्	00	03	64
		672/2G2 भाग्	00	03	64
		672/2G3	00	07	69
		672/2G4	00	04	45
		672/2G5 भाग्	00	02	02
		672/2G5 भाग्	00	02	02
		672/2G6	00	04	45
		672/2G7	00	06	47
		672/2G9	00	04	45
		672/2G10	00	02	83
		672/2G11	00	02	02
		671/2D2	00	08	50
		671/2D3	00	03	24
		671/2D4	00	03	24
		671/2D6	00	03	24
		671/2D5	00	03	24
		671/2D7	00	07	69
		671/2D8	00	07	69
		671/2D9	00	03	24
		671/2D10	00	04	86
		671/2D11	00	04	86

1	अंतरवेदि (जारी...)	670/2F1	00	12	14
		670/2F2	00	06	47
		670/2F3	00	04	45
		670/2F4	00	08	09
		670/2F5	00	03	24
		670/2F6	00	03	24
		670/2F7	00	08	09
		670/2F8	00	04	05
		पूरा:	10	37	61

[फा. सं. ओ-12026/4/2012-ओ.एन.जी- III]

राज सेखर सिकदार, अवर सचिव

New Delhi, the 27th January, 2012

S. O. 1502.— Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest to lay pipelines under the state of Andhra Pradesh by Oil and Natural Gas Corporation Limited.

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipelines are proposed to be laid and which are described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Special Deputy Collector and Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd, Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex. Rajahmundry-533106, Andhrapradesh.

SCHEDULE

ROU PIPE LINE FROM KV # 5,10,19,20,21 to Mori GCS (4 Nos) , KV#4,9,13,14 to Mori GCS (3 Nos),.GS # 49 AC (I/C) at KV#7 to Mori GCS (1No), KV#15,16,17,18 to Mori GCS (1No) (Total 9 Nos)					
Mandal: **SAKHINETIPALLI**		Village: **ANTARVEDI**	District: **EAST GODAVARI**	State: **ANDHRAPRADESH**	
Sl.No	Name of the Village	Survey Number	**Area**		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
GS # 49 AC IC at KV # 7 to Mori GCS (1 No) i.e., from KV # 7 beside approach road					
1	ANTARVEDI	US – P1	00	02	43
		US – P2	00	02	02
		US – P3	00	04	86
		US – P4	00	03	64
		US – P5	00	02	43
		US – P6	00	03	24
		US – P7	00	03	24
		US – P8	00	04	86
KV # 4,9,13,14 to Mori GCS (3 Nos) continued with GS #49 AC IC at KV # 7 to Mori GCS (1 No)					
1	**ANTARVEDI (Contd...)**	US – P9	00	09	71
		US – P10	00	06	88
		US – P11	00	04	45
		US – P12	00	03	64
		US – P13	00	03	64
		US – P14	00	07	28
		US – P15	00	04	05
		US – P16	00	02	02
		US – P17	00	06	88
		US – P18	00	02	83
		US – P19	00	02	02
		US – P20	00	05	67
		US – P21	00	04	05
		US – P22	00	04	45
		US – P23	00	04	05
		US – P24	00	03	64
		US – P25	00	03	64
		US – P26	00	03	64
		US – P27	00	03	24
		US – P28	00	03	24
		US – P29	00	05	67
		US – P30 Cart track	00	01	21
		US – P31	00	05	26
		US – P32	00	02	02
		US – P33	00	02	02
		US – P34	00	02	02

		US – P35	00	02	83
		US – P36	00	01	21
		US – P37	00	05	26
		US – P38	00	04	86
		US – P39	00	04	45
		US – P40	00	02	43
		US - P41	00	04	45
		US – P42	00	04	05
		US – P43	00	04	05
		US – P44	00	04	86
		US – P45	00	08	90
		US – P46	00	02	83
		US – P47	00	04	05
		US – P48	00	04	05
		US – P49	00	08	50
		US – P50	00	08	09
		US – P51	00	02	02
1	ANTARVEDI (Contd...)	US – P52	00	02	43
		US – P53	00	05	67
		US – P54	00	02	43
		US – P55	00	01	62
		US – P56	00	03	24
		US – P57	00	09	31
		US – P58	00	02	02
		US – P59	00	02	02
		US – P60	00	03	24
		US – P61	00	07	69
		US – P62	00	02	43
		US – P63	00	02	43
		US – P64	00	03	24
		US – P65	00	02	43
		US – P66	00	04	45
		US – P67	00	02	02
		US – P68	00	02	02
		US – P69	00	03	24
KV # 5,10,19,20,21 to Mori GCS (4 Nos) continued with above four lines = Total 8 lines					
		US – P70	00	02	83
		715/2B	00	15	78
		US – P71	00	06	07
		US – P72	00	03	64
1	ANTARVEDI (Contd...)	US – P73	00	03	64
		US – P74	00	03	64
		US – P75	00	05	26
		US – P76	00	04	05
		US – P77	00	04	45
		US – P78	00	02	83
		US – P79	00	02	83

		US – P80	00	02	83
1	ANTARVEDI (Contd...)	US – P81	00	02	43
		US – P82	00	02	02
		US – P83	00	02	02
		US – P84	00	02	02
		US – P85	00	02	02
		US – P86	00	03	64
		US – P87	00	06	07
		US – P88	00	05	67
		US – P89	00	04	05
		US – P90	00	04	86
		US – P91	00	04	45
		US – P92	00	10	12
		US – P93	00	06	47
		US – P94	00	02	43
		US – P95	00	02	43
	Starting of Mutyalu Memorial C.C.F. Society land				
		US – P96	00	02	02
1	ANTARVEDI (Contd...)	712/1	00	00	40
		US – P97	00	00	81
		712/2	00	00	81
		US – P98	00	00	40
		712/3	00	03	64
		712/4	00	03	24
		712/5	00	03	64
		712/6 (Existing road)	00	01	21
		712/7	00	02	83
		712/8	00	03	64
		712/9	00	04	86
		712/10	00	03	24
		712/11	00	03	64
		712/12	00	01	62
		712/13	00	01	62
		712/14	00	03	64
		712/15	00	02	02
		712/16	00	01	62
		712/17	00	02	02
		712/18	00	02	02
		712/19	00	03	64
		712/20	00	03	64
		712/21	00	01	62
		712/22	00	02	02
		712/23	00	03	24
		712/24	00	02	43
		712/25	00	02	83
		711/27	00	03	24
		711/26	00	03	24
		711/25	00	02	02

		711/24	00	01	21
1	ANTARVEDI (Contd...)	711/23	00	02	43
		711/22	00	03	64
		711/21	00	02	02
		711/20	00	01	21
		711/19	00	01	21
		711/18	00	01	21
		711/17	00	02	02
		711/16	00	01	21
		711/15	00	02	02
		711/14	00	02	02
		711/13	00	02	02
		711/12	00	02	02
		711/11	00	02	02
		711/10	00	02	02
		711/9	00	02	02
		711/8	00	02	02
		711/7	00	02	02
		711/6	00	06	07
KV #15,16,17,18 to Mori GCS (1 No) added from four cluster wells to 8 lines					
1	ANTARVEDI (Contd)	710 pt	00	02	02
		711/4 pt	00	12	14
		711/5	00	04	05
(All nine lines Continued from Sl. No. 140)					
1	ANTARVEDI (Contd...)	711/2	00	10	52
		711/4 pt	00	02	83
		711/1	00	05	26
		679/15	00	29	14
		711/3	00	06	07
		679/14	00	05	67
		679/13	00	06	07
		679/12	00	03	24
		679/11	00	03	64
		679/10	00	06	07
		679/9	00	04	05
		679/8	00	04	45
		679/7	00	04	45
		679/6	00	04	86
		679/5	00	08	50
		679/4	00	04	05
		679/3	00	08	90
		679/2	00	04	05
		679/1 pt	00	03	24
		679/1 pt	00	01	62
		678/1A pt	00	01	62
		678/1A pt	00	03	24
		678/1B pt	00	02	43
		678/1A pt	00	00	81

		678/1C	00	00	40
1	ANTARVEDI (Contd...)	678/1D	00	03	64
		678/1E	00	03	24
		678/1F	00	03	24
		678/1G	00	08	09
		678/1H	00	07	69
		678/1I pt	00	02	43
		678/1I pt	00	02	43
		678/1J	00	06	88
		678/1K	00	06	88
		678/1L	00	09	31
		678/1M	00	03	24
		678/1N	00	03	24
		678/1 O	00	03	24
		678/1P	00	04	05
		678/1Q pt	00	10	93
		678/1Q pt	00	10	93
		678/1Q pt	00	10	93
		675/1A1	00	02	83
		675/1B2	00	14	16
		675/1B3	00	04	45
		674/2L1	00	03	64
		674/2L2	00	10	52
		674/2L3	00	06	47
		674/2L4	00	02	02
		674/2L5	00	04	05
		674/2L6	00	06	88
		674/2L7	00	19	02
		673/2L1	00	10	52
		673/2L2	00	20	23
		673/2L3	00	19	83
		672/2G1	00	07	28
		672/2G2 pt	00	03	64
		672/2G2 pt	00	03	64
		672/2G3	00	07	69
		672/2G4	00	04	45
		672/2G5 pt	00	02	02
		672/2G5 pt	00	02	02
		672/2G6	00	04	45
		672/2G7	00	06	47
		672/2G9	00	04	45
		672/2G10	00	02	83
		672/2G11	00	02	02
		671/2D2	00	08	50
		671/2D3	00	03	24
		671/2D4	00	03	24
		671/2D6	00	03	24
		671/2D5	00	03	24

		671/2D7	00	07	69
		671/2D8	00	07	69
		671/2D9	00	03	24
		671/2D10	00	04	86
		671/2D11	00	04	86
		670/2F1	00	12	14
1	ANTARVEDI (Contd...)	670/2F2	00	06	47
		670/2F3	00	04	45
		670/2F4	00	08	09
		670/2F5	00	03	24
		670/2F6	00	03	24
		670/2F7	00	08	09
		670/2F8	00	04	05
		Total :	**10**	57	61

[F. No. O-12026/4/2012-ONG-III]

R. S. SIKDAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 2012

का.आ. 1503.—जबकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्रप्रदेश राज्य में ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइनें बिछाई जानी चाहिए ।

और जबकि, केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपालाइनें बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसके भीतर पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है कि और जो इस में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, यह भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध कराए जाने की तिथि से इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने हेतु उपयोगकर्ता के अधिकार के अधिग्रहण पर अपनी आपत्ति लिखित रूप में स्पेशल डिप्टी कलेक्टर और सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड, राजामुन्द्री परिसम्पत्ति/के.जी.बेसिन, गोदावरी भवन, बेस कॉम्प्लेक्स, राजामुन्द्री-533106, आन्ध्रप्रदेश को भेज सकता है।

अनुसूचि

आर. ओ. यु . पाइप लाईन : "के.एस.पि #9, के.एस.पि.#7 और के.इब्लुयु.ए.के, के.इब्ल्युडि.बि से के.एस.पि (इब्ल्यु) जि.सि.एस्"

मंडल: मलिकिपुरम्	गांव : केसनपल्लि सिवारु गोल्लपालेम्	जिले : पूर्व(ईस्ट्) गोदावारि	राज्य : आंध्रा प्रदेश		
क्रम सँ	गाम क नाम्:	आर.एस.नं (सर्वे का सम्क्या)	क्षेत्र फ़ैल्		
			हेक्टेयर्स	एर्स	वेंग् मिटर
1	2	3	4	5	6
1	केसनपल्लि सिवारु गोल्लपालेम्	551/2P	00	16	19
	पूरा		00	16	19
	करवाक	389	00	46	13
		394	00	40	87
		395	00	40	87
	पूरा		01	27	87

[फा. सं. ओ-12026/5/2012-ओ.एन.जी- III]

राज सेखर सिकदार, अवर सचिव

New Delhi, the 27th January, 2012

S. O. 1503.— Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest to lay pipelines under the state of Andhra Pradesh by Oil and Natural Gas Corporation Limited.

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipelines are proposed to be laid and which are described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Special Deputy Collector and Competent Authority. Oil & Natural Gas Corporation Ltd, Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan. Base Complex, Rajahmundry-533106, Andhrapradesh.

SCHEDULE

ROU PIPELINE FROM KSP#9,KSP#7 and KWAK, KWDB to KSP (W) GCS.

Mandal: MALIKIPURAM		Village: GOLLAPALEM H/O KESANAPALLI	District: EAST GODAVARI	State: ANDHRAPRADESH	
Sl.No	Name of the Village	Survey Number	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
2	Gollapalem H/o Kesanapalli	551/2P	00	16	19
	TOTAL		00	16	19
	KARAWAKA	389	00	46	13
		394	00	40	87
		395	00	40	87
	TOTAL		01	27	87

[F. No. O-12026/5/2012-ONG-III]

R. S. SIKDAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 2012

का.आ. 1504.—जबकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्रप्रदेश राज्य में ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइनें बिछाई जानी चाहिए ।

और जबकि, केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपालाइनें बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसके भीतर पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है कि और जो इस में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, वह भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध कराए जाने की तिथि से इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने हेतु उपयोगकर्त्ता के अधिकार के अधिग्रहण पर अपनी आपत्ति लिखित रूप में स्पेशल डिप्टी कलेक्टर और सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड, राजामुन्द्री परिसम्पत्ति/के.जी.बेसिन, गोदावरी भवन, बेस कॉम्प्लेक्स, राजामुन्द्री-533106, आन्ध्रप्रदेश को भेज सकता है।

अनुसूचि

आर.ओ.यु . पाइप लाईन : "ताटिपाक जि.सि.एस से केसनापल्लि जि.सि.एस."

मंडल: राजोलु	गांव : कडलि	जिले : पूर्व(ईस्ट्) गोदावरि	राज्य : आंन्ध्र प्रदेश		
क्रम सँ	गाम क नाम्:	आर.एस.नं (सर्वे का सम्ख्या)	क्षेत्र फेळ्		
			हेक्टेर्स	एर्स	वेंन्त् मिट्टर
1	कडलि	417/1A	00	02	83
		417/1C	00	06	07
		417/1B	00	06	07
		417/1D	00	04	05
		417/1E	00	02	43
		152/1	00	02	83
		152/3B	00	01	62
		152/2A	00	01	21
		152/3A	00	03	24
		152/4B	00	02	43
		पूरा	00	32	78

[फा. सं. ओ-12026/7/2012-ओ.एन.जी- III]

राज सेखर सिंकदार, अवर सचिव

New Delhi, the 27th January, 2012

S. O. 1804.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest to lay pipelines under the state of Andhra Pradesh by Oil and Natural Gas Corporation Limited.

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipelines are proposed to be laid and which are described in the Schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Special Deputy Collector and Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd, Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry-533106, Andhrapradesh.

SCHEDULE

ROU PIPELINE FROM TATIPAKA GCS TO KESANAPALLI GCS

Mandal: RAZOLE		Village: KADALI	District: EAST GODAVARI		State: ANDHRAPRADESH
Sl.No	Name of the Village	Survey Number	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
1	KADALI	417/1A	00	02	83
		417/1C	00	06	07
		417/1B	00	06	07
		417/1D	00	04	05
		417/1E	00	02	43
		152/1	00	02	83
		152/3B	00	01	62
		152/2A	00	01	21
		152/3A	00	03	24
		152/4B	00	02	43
		TOTAL	00	32	78

[F. No. O-12026/7/2012-ONG-III]

R. S. SIKDAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 2012

का.आ. 1505.—जबकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्रप्रदेश राज्य में ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइनें बिछाई जानी चाहिए ।

और जबकि, केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपालाइनें बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसके भीतर पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है कि और जो इस में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, वह भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध कराए जाने की तिथि से इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने हेतु उपयोगकर्ता के अधिकार के अधिग्रहण पर अपनी आपत्ति लिखित रूप में स्पेशल डिप्टी कलेक्टर और सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड, राजामुन्द्री परिसम्पत्ति/के.जी.बेसिन, गोदावरी भवन, बेस कॉम्प्लेक्स, राजामुन्द्री-533106, आन्ध्रप्रदेश को भेज सकता है।

अनुसूची

आर. ओ. यु . पाइप लाईन : " पियेम ए.बि से पियेम.ए.ए"

मंडल : पोडूरु	गांव : गुम्मुलूरु पेनुमदँ	जिले : पसिछम (वेस्ट) गोदावारि		राज्य : आंन्ध्र प्रदेश
क्रम सँ	गांव का नाम्: गुम्मुलूरु	आर.एस.नं (सर्वे का सम्क्या)	क़ेसः त्र् फ़ॅळ्	
			हेक्टेएर्स	एर्स	वेंन्ग् मिट्टर
1	गुम्मुलूरु	92 भाग	00	06	07
		102/1	00	09	31
		101/2	00	00	81
		109/1	00	04	86
		110 भाग	00	05	26
		110 भाग	00	01	21
		110 भाग	00	06	07
		110 भाग	00	07	69
		99/1	00	09	71
		122	00	14	57
		121/1	00	06	88
		124	00	00	40
		68	00	00	40
		64/3	00	12	95
		62	00	05	67
		63/1	00	08	90
		63/2	00	10	12
		45	00	01	62
		43/2	00	06	47
		42	00	00	81
		38/3	00	01	21
		40/1	00	03	24
		40/5	00	03	24
		40/3	00	02	83
		40/4	00	04	05
		40/3	00	00	40
		41	00	00	40
2	पेनुमदम	151	00	00	81
		153/3	00	03	64
		153/1	00	04	86
		153/2	00	04	45
		153/2p	00	03	24
		161/6	00	04	86
		161/5	00	02	43

2	पेनुमदम (जारी)	161/4	00	03	24
		161/3	00	03	24
		162/1	00	02	43
		162/1	00	02	02
		162/1	00	00	81
		162/1	00	05	67
		162/2	00	02	02
		पूरा	01	78	87

[फा. सं. ओ-12026/4/2011-ओ.एन.जी- III]

राज सेखर सिकदार, अवर सचिव

New Delhi, the 27th January, 2012

S. O. 1505.— Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest to lay pipelines under the state of Andhra Pradesh by Oil and Natural Gas Corporation Limited.

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipelines are proposed to be laid and which are described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Special Deputy Collector and Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd, Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry-533106, Andhrapradesh.

SCHEDULE

ROU PIPELINE FROM "PMAB TO PMAA"

Mandal: **PODURU**		Villages: **GUMMULURU PENUMADAM**	District: **WEST GODAVARI**		State: **ANDHRAPRADESH**
Sl.No	Name of the Village	Survey Number	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
		92 part	00	06	07
		102/1	00	09	31
		101/2	00	00	81
		109/1	00	04	86
		110 part	00	05	26
		110 part	00	01	21

1	GUMMULURU	110 part	00	06	07
		110 part	00	07	69
		99/1	00	09	71
		122	00	14	57
		121/1	00	06	88
		124	00	00	40
		68	00	00	40
		64/3	00	12	95
		62	00	05	67
		63/1	00	08	90
		63/2	00	10	12
		45	00	01	62
		43/2	00	06	47
		42	00	00	81
		38/3	00	01	21
		40/1	00	03	24
		40/5	00	03	24
		40/3	00	02	83
		40/4	00	04	05
		40/3	00	00	40
		41	00	00	40
2	PENUMADAM	151	00	00	81
		153/3	00	03	64
		153/1	00	04	86
		153/2	00	04	45
		153/2p	00	03	24
		161/6	00	04	86
		161/5	00	02	43
		161/4	00	03	24
2	PENUMADAM (Contd...)	161/3	00	03	24
		162/1	00	02	43
		162/1	00	02	02
		162/1	00	00	81
		162/1	00	05	67
		162/2	00	02	02
		Total	**01**	**78**	**87**

[F. No. O-12026/4/2011-ONG-III]

R. S. SIKDAR, Under Secy.

श्रम और रोजगार मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 मार्च, 2012

का.आ.1506.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डिविजनल इंजीनियर टेलीकाम, बीएसएनएल के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या सी.जी.आई.टी.ए.नं.75/2004) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 26-3-2012 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल-40012/23/1997- आई आर (डी.यू.)]

रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, the 26th March, 2012

S.O. 1506.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the Award (Ref. No. CGITA No.75/2004) of the Central Government Industrial Tribunal/ Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Divisional Engineer Telecom, BSNL and their workmen, which was received by the Central Government on 26-3-2012.

[No. L-40012/23/1997-IR (DU)]

RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

PRESENT:

Binay Kumar Sinha,
Presiding Officer
CGIT-cum-Labour Court,
Ahmedabad,
Dated 16th March, 2012

MISCELLANEOUS APPLICATION (CGIT) NO. 3/2011 IN CONNECTION WITH REFERENCE: (CGITA) No. 75/2004

Divisional Engineer Telecom,
Optical Fiber Dn. I,
Bharat Sanchar Nigam Ltd.,
3rd Floor, Microwave Bldg.,
Navarangpura
Ahmedabad (Gujarat). ....Applicant

V/s

Shri Satyendraprakash Tiwari,
S/o. Ishwar Dutt Tripathi,
Village: Bhujhwan Tiwari Ka Porra,
P.O. Piyarepur (Katehari),
P.S. : Akbarpur,
Distt. Ambedkarnagar (U.P.)-2241151 .....Opponent

For the Applicant : Shri Punil Shah, Advocate
: Shri Hitesh D. Kathrotiya, Advocate

For the Opponent : Shri D.S. Gohel, Advocate

ORDER/AWARD

This is a case filed by the applicant D.E.T.(BSNL) for setting aside the award dated 28-02-2011 passed by this tribunal in reference CGITA No. 75/2004. The application has been filed on 16-8-2011 with affidavit.

(2) Facts giving arise to this Misc. case, shortly stated, is that a dispute had been referred by the Government of India, Ministry of Labour/Shram Mantralaya by order dated 9-03-1998 for adjudication by formulating the terms of reference under the schedule -

> "Whether the action of the management of Department of Telecom in denying temporary status to Shri Satyendraprakash Tiwari Muster Roll Casual workman of Coaxial Cable Project is legal and justified? If not to what relief the concerned is entitled to?"

The case was registered initially as reference ITC 24/ 1998 before the Industrial Tribunal, Ahmedabad and the parties were noticed. Thereafter the second party workman filed his statement of claim and the first party management Divisional Engineer Telecom (presently the applicant in Misc. case) also filed its written statement denying to the claim of the workman in claiming for temporary status. Both sides lead evidences oral and documentary in this case. The workman examined himself on 24-01-2001 and was thoroughly cross-examined by the first party management lawyer. The documents of the second party were marked exhibits. Thereafter the management of the first party also examined witness on 22-03-2001 who was also thoroughly cross-examined by the second party lawyer. The documents of the second party were also marked exhibits thereafter the case was pending for hearing argument in the court of Industrial Court, Ahmedabad. Subsequently record received on transfer in this tribunal by order of the Ministry on 1-11-2010 and thereafter notices were issued to both parties. The second party appeared with lawyer but the first party or its lawyer who was holding power did not appear. Then argument of 2nd party (workman) was heard and the record was kept reserved for award and the award was passed by order dated 28-02-2011 allowing the reference and directing the first party management of BSNL to reinstate the workman Shri Satyendraprakash Tiwari with further order as to payment of 25 % back wages with interest. The award was sent for publication and after its publication the notice with copy of award were sent to the parties.

(3) The contention made in the Misc. application by the applicant management of BSNL through Divisional Engineer Telecom that after adducing evidence by the parties in the reference case the said case was transferred. The case was transferred from Industrial Tribunal, Ahmedabad to this CGIT-cum-Labour Court, Ahmedabad but the officer of the first party who was attending the court was not aware about transfer of case from Industrial Court, Ahmedabad to this CGIT-cum-Labour Court, Ahmedabad and no any notice has been received from this court regarding transfer and pendency of case in the CGIT-cum-Labour Court. Further contention is that the award was passed without hearing argument of the first party and the copy of award was not received by the department rather applicant's department came to know from the respondent who sent notice to the department for implementation of the award and then the department of the applicant came to know about passing of ex-parte award against the management of BSNL. Further contention is that the court had not issued notice to the applicant's department and so there is ground to set aside ex- parte award passed by this tribunal. Further contention raised is that the award passed by the tribunal is not speaking order and that this tribunal while passing award has not properly appreciated the documentary evidence as well as oral evidence of the first party management in the reference case.

(4) On the other hand contention of the respondent as per written reply at Ext. 4 is that the Misc. application is time barred and not maintainable since it has not been filed before expiry of 30 days from the date of publication under Section 17 A of ID Act. Further contention is that no ex-parte award was passed rather award was passed by party after weighing the evidence of both sides oral and documentary. Along with the reply application the copy of representation dated 24-06-2011 addressed to the Deputy General Manager Project, M-W Building, Navarangpura, Ahmedabad has also been filed praying for reinstatement of his service as per award dated 28-02-2011.

(5) The learned counsels of both sides were heard at length and the original record of the CGIT 75/2004 was also called for in connection with this case which was also perused. It appears from the original record of reference CGITA 75/2004 that the copy of the award was sent through register post with A.D. on the address of the Divisional Engineer Telecom C.C.P Navarangpura, Ahmedabad (present applicant) on 1-06-2011 but it was refused to receive as per endorsement of the postal peon. So Misc. case at Ext. 1 in setting aside the award dated 22-02-2011 has not been filed within 30 days of the date of publication of the award or even 30 days of the service of the copy of the award through register post on 1-06-2011 or even on representation of the present O.P. dated 24-06-2011 on the subject of his reinstatement made to the Deputy General Manager Project, M-W Building, Navarangpura, Ahmedabad. More so, the Misc. case is not attached with separate application under Section 5 of the Limitation Act for condonation of delay.

(6) More so, from perusal of the record in the reference CGITA 75/2004 for ascertaining as to whether notice/ intimation had been given to the first party or not, it appears that the record was being adjourned from dates to dates since 21-08-2007 for arguments when the case record was pending before this tribunal thereafter the case record was transferred in the State Industrial Court from where several notices were issued to the parties and the second party workman with lawyer appeared before the State Industrial Court who was insesin of the case record and in spite of notices the first party management did not appear with his lawyer so appointed when the case was pending earlier before this CGIT and the record being adjourned for hearing arguments. Thereafter again case record return back to this CGIT from the Industrial Court, Ahmedabad as per order of the Ministry of Labour and Employment. From perusal of the record of Reference case 75/2004 it also appear that the first party management (present applicant of Misc. case) had also authorized Shri I.H. Patel SSS(O) O/o DEPT (S & P)Ahmedabad to represent the first party management besides Shri R. S. Munshi AGP was also representing the first party management in the reference case. On receipt of the record order passed for issuing notice and on issuance of notice second party workman (present respondent) appeared in the reference case whereas no one turned up for argument on behalf of the first party though the evidence both oral and documentary had already been adduced on behalf of the first party, also had thoroughly cross-examined the workman on his oral deposition. So such contention of the applicant is not worthy of credence that ex-parte award was passed. Rather, from going through the copy of the award attached to the Misc. case, it appears that the contention of both parties were incorporated and the issues were framed and the evidence in details of both sides were scrutinized on each and every issues and thereafter award was passed after weighing the evidence of both sides. More so, appointed lawyer or the representative of the first party, though residing in Ahmedabad did not care to attend the court on the date of argument and so, after hearing argument of the second party, the record was kept reserved for award and after scrutinizing the evidence of both sides the award dated 28-02-2011 have been passed. So, it is not a case of passing of ex-parte award rather it is a case when the evidence of both sides were thoroughly scrutinized and considered in the issues. There is no question of passing any ex-parte award for taking sympathetic attitude in favour of the applicant for setting aside the award. More so, the Misc. case is not supported by condonation application under Section 5 of the Limitation Act and whereas the Misc. case is clearly time barred as the Misc. case was not filed within 30 days of the date of publication of award as

per provision of Section 17 A of the ID Act and the award has become enforceable. For the reasons noted above this Misc. application praying for setting aside award dated 28-02-2011 is devoid by any merit and so the same is dismissed on contest. No order as to cost.

BINAY KUMAR SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2012

का.आ.1507.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 128/99) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 27-3-2012 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल-22012/192/1998-आई आर(सी-II)]

डी. एस. एस. श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th March, 2012

S.O. 1507.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 128/99) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of WC L and their workmen, which was received by the Central Government on 27-3-2012.

[No. L-22012/192/1998-IR (C-II)]

D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/R/128/99

Presiding Officer : SHRI MOHD. SHAKIR HASAN

The Chief General Secretary,
K.K.M.P(HMS), PO Junnardeo,
Distt. Chhindwara (MP) ...Workman

Versus

The Chief General Manager,
Nandan Mine No.1, WCL,
PO Nandan,
Distt. Chhindwara (MP) ...Management

AWARD

Passed on this 14th day of March, 2012

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No.L-22012/192/98/IR(CM-II) dated 23-3-99 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:—

" Whether the action of the Manager, Nandan Mine No.1 of WCL, Kanhan Area, PO Nandan, Distt. Chhindwara (MP) in dismissing the services of Shri Sukhlal, S/o Jhalakoo, Fitter Helper of Nandan Mine No.1 w.e.f. 23-4-97 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The case of the Union/workman in short is that the workman Shri Sukhlal was fitter-helper at Nandan Mine of WCL. He became sick and was under treatment since 6-9-96 to 2-1-97 and came to resume his duty on 3-1-97 but allowed to join on duty on 16-1-97. He was charge sheeted for his absence from 6-9-96 to 15-1-96. He gave his reply and submitted medical certificate. A departmental enquiry was started against him but the Enquiry Officer had not considered his medical certificate. Lastly he was dismissed on 26-4-97. It is stated that the punishment was disproportionate to his misconduct. It is submitted that the workman be reinstated with back wages.

3. The management appeared and filed Written Statement in the case. The case of the management, interalia, is that the workman was initially appointed as General Mazdoor. Subsequently he was working on the post of Fitter Helper. He was habitual absentee. He remained absent from duty unautorisedly without intimation, permission and sanctioned leave. His attendance particular in the year 1994 was 112 days, in the year 1995, 113 days and in the year 1996 79 days. The workman was unauthorisedly absent from 6-9-96 without leave or without information. He was chargesheeted on 15-1-97 for his unauthorized absence. Pending departmental action he was allowed to join duty w.e.f. 22-1-97. Shri R. Ambedkar was appointed as Enquiry Officer and Shri T.K. Chakraborthy, Office Superintendent was appointed as Management Representative. The delinquent workman appeared in the departmental enquiry and admitted the charges. The management Representative submitted documents in support of the charges. The workman gave his statement in defence. After enquiry, the Enquiry Officer submitted his enquiry report holding him guilty of the charges. The Competent Authority considering the enquiry report and the record of the enquiry agreed with the finding of the Enquiry Officer and passed the order dated 26-4-97 of termination from service. There is no violation of natural justice. It is stated that in case the departmental proceeding is vitiated, the management be given opportunity to prove misconduct in the Tribunal. It is submitted that the action of the management in terminating the services of the workman is legal and justified.

4. On the basis of the pleadings of the parties, the following issues are framed for adjudication-

1. Whether the departmental enquiry conducted by the management against the workman is legal and proper?

II. Whether the management is entitled to prove misconduct against the workman in Court ?

III. Whether the punishment of termination awarded to the workman is justified?

IV. To what relief the workman is entitled?

5. The Union/workmen became absent after appearing in the proceeding and did not appear inspite of subsequent registered notice. As such the reference proceeded exparte on 1-9-2010 against the workman.

6. **Issue No. I & II**

Since the reference is proceeded exparte against the Union/workman these preliminary issues are also taken up along with other issues finally. The pleading of the Union/ workman shows that no point is raised that there was violation of natural justice in conducting departmental enquiry against the workman. The original documents of the departmental enquiry shows that the workman had participated in the enquiry and he had been given opportunity to defend himself. The management had filed his attendance particulars which clearly show that he was habitual absentee. The enquiry report shows that the Enquiry Qfficer had considered the medical certificate filed by the workman but even then his 62 days unauthorized absence was proved. This shows that the findings of the Enquiry Officer is not perverse. I find that there is no violation in conducting the departmental proceeding. It is therefore held that the departmental enquiry conducted by the management against the workman is just, proper and legal. I also find that there is no need to lead evidence to prove misconduct by the management in Court. These issues are decided against the Union/workman and in favour of the management.

7. **Issue No. III**

The management witness Shri R.Ambarkar was working as Project Officer. He was Enquiry Officer. He has stated that the workman had admitted the charges. Thereafter the Management Representative submitted documents in support of the charges. The document shows that his attendance for three years was very poor and appears to be habitual absentee. This shows that the punishment awarded was proportionate. I do not find any reason to interfere in the order of punishment awarded by the management. This issue is decided in favour of the management and against the workman.

8. **Issue No. IV**

On the basis of the discussion made above, I find that the workman is not entitled to any relief. The reference is accordingly answered.

9. In the result, the award is passed without any order to costs.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2012

का.आ. 1508.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सुपरिन्डेन्ट ऑफ पोस्ट आफिस, नांदेड डिवीजन नांदेड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, नागपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी/एनजीपी/306/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-3-2012 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल-40011/21/2000-आई आर (डी यू)]

रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th March, 2012

S.O.1508.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT/ NGP/306/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Nagpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to The Superintendent of Post Office, Nanded Division, Nanded and their workman, which was received by the Central Government on 27-3-2012.

[No. L-40011/21/2000-IR (DU)]

RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI J. P. CHAND, PRESIDING OFFICER, CGIT-CUM-LABOUR COURT, NAGPUR

Case No.CGIT/NGP/306/2000

Date: 15-03-2012

Party No. 1

The Supdt. of Post Office
Nanded Division, Nanded 431602(MS).

Versus

Party No. 2

Shri Javed Anwar, Secretary,
Bhartiya E.D. Employees Union,
Mastanpur, Nanded- 431602 (MS).

AWARD

(Dated: 15th March, 2011)

In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) ("the Act" in short), the Central Government has referred the industrial dispute between the employers, in relation to the management of Post Office and Shri Vithal Maroti Emde, for adjudication, as per letter No.L-40011/21/2000-IR (DU) dated 28-09-2000, with the following schedule:—

"Whether the action of the management of Supt. Of Post Office, Nanded Division, Nanded in terminating the services of Sh. Vithal Maroti Emde, Ex-EDBPM, Shikara BO, Distt. Nanded is legal, proper and justified? If not, to what relief the workman is entitled and from which date?"

2. On receipt of the reference, the parties were noticed to file their respective statement of claim and written statement and accordingly, the workman, Shri Vithal Maroti Emde filed his statement of claim and the management of the Suptd. of Post Office, Nanded Division, Nanded (here-in-after referred to as the "Party No. 1") filed its written statement.

The case of the workman is that he was in the service of the party no. 1 w.e.f. 30-03-1999 and he completed 9 months of satisfactory service and his services were terminated by the party no. 1 on 14-12-1999 without giving any chance to him to put forth his case and before termination of his services, the mandatory provision of the Act were not complied with, by the party no. 1 and neither any salary nor any pay was paid to him for rendering services as the Branch Post Master of Shikara for nine months and his said appointment was against the clear vacancy of the Branch Post Master and on 30-06-1999, he had applied for regular appointment in the said post and his name was called for from the employment exchange of Nanded and the party no. 1 conducted his interview and selected and appointed him on 01-04-1999 as Branch Post Master of Shikara and after termination of his services, the post of Branch Post Master was filled up, but he was not called for, the interview and as he was appointed in the department of post on 01-04-1999, his name was removed from the list of the Employment Exchange and he also became overage for the services of the State and Central Government.

The workman has prayed for a direction to party no. 1 to regularize him as the Branch Post Master of Shikara.

3. In the written statement, it is pleaded by party no. 1 that as one Extra Department Branch Office at village Shikara was opened on 26-03-1999, and as for regular appointment of the Post Master, a selection process had to be initiated as per the rules and since there was no sufficient time available for initiation of such process for functioning of the said post office, it had to resort for temporary provisional appointment and accordingly, the workman was engaged purely on provisional and temporary basis and he was categorically made known that his appointment was provisional till a regular candidate is duly selected and appointed and the workman agreed to the said terms of his temporary engagement and also signed a declaration to that effect and since the regular incumbent was duly selected and appointed, the service of the workman was discontinued w.e.f. 25-10-2000 and as such, the question of compliance of the provision of the Act does not arise at all and one Mr. Sardul, Extra Department Branch Post Master ("EDBPM" in short), who was working at Berli Branch Office, (a regular selected permanent employee) was declared surplus, so his services were deployed as Branch Post Master of Shikara Branch Post Office w.e.f. 02-07-2001 and as a regular permanent employee is worked in the said post, and discontinuance of the service of the workman is justified, proper and legal and as such, the workman is not entitled for any relief.

4. It is necessary to mention here that on 25-03-2011, the learned advocate for the party no. 1 filed a pursis of withdrawal of power for the party no.1. The party no. 1 , thereafter did not appear in the case. On 03-08-2011, the learned advocate for the workman filed a pursis to take the statement of claim and documents filed as evidence. It was also mentioned in the said pursis that workman does not want to adduce evidence. In view of the said pursis, the (examination-in-chief) of the workman filed on affidavit was expunged. It is also necessary to mention here that no document had been filed by the workman till 03-08-2011. As party no. 1 did not appear on 21-10-2011 to advance argument, argument was heard from the learned advocate for the workman exparte and the case was posted for award.

5. On perusal of the statement of claim filed by the workman, it is found that the stands taken by the workman are quite inconsistent. According to paragraph one of his statement of claim, the workman was appointed on 30-03-1999 and he was terminated on 14-12-1999. However, in the sub-para of para no. 1 the workman has claimed that on 30-06-1999, he filed application for regular appointment and party no. 1 interviewed and selected and appointed him on 01-04-1999 as the Branch Post Master of Shikara.The statements are contradictory to each other. Moreover, if the workman had actually applied for regular appointment on 30-06-1999 and thereafter, he had been interviewed and selected, then there was no question of his appointment on 01-04-1999 on the basis of the selection as mentioned above.

6. According to the management, the workman was appointed on purely temporary, adhoc and provisional basis on 30-03-1999, till the appointment of the regular Branch Post Master and the workman was intimated about such appointment and the workman also executed a declaration to that effect and as the regular permanent Branch Post Master was posted at Shikara Branch Post Office, the workman was disengaged on 25-10-2000.

7. Except the copy of the charge report dated 30-03-1999 showing the workman of taking charge of the Branch post office and a copy of acquaintance roll in respect of one V.M. Emade (the documents were filed on 21-10-2011), no other evidence has been adduced by the workman.

8. It is well settled that when a workman raises a dispute challenging the validity of the termination of his services, it is imperative for him to file written statement before the Industrial Court setting out grounds on which the order is challenged and he must also produce evidence to prove his case. If the workman fails to appear or to file written statement or to produce evidence, the dispute referred by the Government cannot be answered in favour of the workman and he could not be entitled to any relief.

In this case, the workman has failed to produce valid evidence in support of his claim and as such, the reference cannot be answered in his favour and he is not entitled to any relief. Hence, it is ordered:-

ORDER

The action of the management of Supt. Of Post Office, Nanded Division, Nanded in terminating the services of Sh. Vithal Maroti Emde, Ex-EDBPM, Sikhara BO, Distt. Nanded is legal, proper and justified. The workman is not entitled to any relief.

J. P. CHAND, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2012

का.आ. 1509.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सुपरिन्डेन्ट ऑफ पोस्ट आफिस, नांदेड डिवीजन नांदेड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नागपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी/एनजीपी/308/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-3-2012 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल-40011/23/2000-आई आर (डी यू)]

रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th March, 2012

S.O. 1509.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT/NGP/308/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Nagpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to The Superintendent of Post Office, Nanded Division, Nanded and their workman, which was received by the Central Government on 27-3-2012.

[No. L-40011/23/2000-IR (DU)]

RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI J. P. CHAND, PRESIDING OFFICER, CGIT-CUM-LABOUR COURT, NAGPUR

Case No.CGIT/NGP/308/2000

Date: 15-03-2012

Party No. 1

The Suptd. of Post Office,
Nanded Division, Nanded
Maharashtra - 431602

Versus

Party No. 2

Shri Javed Anwar, Secretary,
Bhartiya E.D. Employees Union,
Mastanpura, Nanded,
(MS) 431602

AWARD

(Dated: 15th March, 2012)

In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of section 10 of Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) ("the Act" in short), the Central Government has referred the industrial dispute between the employers, in relation to the management of Post Office and Shri Vasant Narsingrao Kandapalliwar, for adjudication, as per letter No.L-40011/23/2000-IR (DU) dated 28-09-2000, with the following schedule:-

> "Whether the action of the management of Suptd. of Post Office, Nanded Division, Nanded in terminating the services of She Vasant Narsingrao Kondapalliwar Ex-EDBPM, Kothari DO, distt. Nanded is legal, proper and justified? If not, to what relief the workman is entitled and from which date?"

2. On receipt of the reference, the parties were noticed to file their respective statement of claim and written statement and accordingly, the workman, Shri Vasant Narsingrao Kondapalliwar ("the workman" in short) filed his statement of claim and the management of the Post Office, Nanded (here-in-after referred to as the ("Party No. 1") filed its written statement.

The case of the workman as projected in the statement of claim is that due to the death of his father, Late Narsingrao Kandewar, who was working as the Extra Departmental Branch Post Master Kothari (Chi) ("EDBPM" in short), he was appointed as the EDBPM of Kothari in April 1996, on compassionate ground and after his working for eight months continuously, the party no.1 terminated his services without giving him any opportunity of making submission and his compassionate appointment was terminated on the ground of his having sound financial position and he also requested the Post Master General, Bombay, but his request was rejected and while rejecting his claim for compassionate appointment, the documents collected were not verified from Revenue Department and he was also not given any chance of being heard in the

matter and the provisions of the Act were not complied with, before the termination of his services. The workman has made prayer to give a direction to party no.1 to give him regular service.

3. The party no.1 in its written statement has pleaded inter-alia that one M.K. Kondapalliwar was working as EDBPM, Kothari (Kinwat) and he expired on 22-04-1996 and due to his sudden death, the post of EDBPM, Kothari became vacant and as it was not possible for the department to make arrangement for regular appointment by following the recruitment procedure, the charge of Kothari branch office was given to the workman on provisional basis, he being the son of deceased M.K. Kondapalliwar and the said arrangement was purely on temporary and provisional basis and not on compassionate ground and thereafter, the department called for nomination from the employment exchange and also issued open notification for filling up the vacancy and after following the recruitment process, the department selected Shri Sarpe as regular ED BPM and charge of Kothari Branch office was handed over to Shri S.N. Sarpe on 16-12-1996 by the workman. The further case of the party no. 1 is that on the account of the death of his father, the workman submitted application for appointment on compassionate ground under relaxed recruitment Rules and the application was considered by the Circle Relaxation Committee and the same came to be rejected on the ground of the workman not to be in financial hardship and the fact of such rejection was intimated to the workman vide letter dated 07-01-1998 and the representation of the workman to the Director General, New Delhi was also rejected by the Director General and the fact of such rejection was intimated to the workman as per letter dated 01-05-1998 and the appointment of the workman was temporary and stop gap arrangement and as a regular incumbent after due selection came to be appointed, the service of the workman was discontinued and as such, the workman is not entitled to get any relief.

4. It is necessary to mention here that on 25-03-2011, the learned advocate for the party no. 1 filed a pursis intimating about withdrawal of power for party no.1. Thereafter, party no. 1 did not appear in the case. On 03-08-2011, the learned advocate for the workman filed a pursis to treat the statement of claim and documents filed by the workman as evidence and that the workman does not want adduce any evidence. In view of the parties evidence (the examination-in-chief) of the workman on affidavit was expunged. On 21-10-2011 argument from the side of the workman was heard exparte and the case was posted for award.

It is necessary to mention here that in this case, no evidence, documentary or oral has been adduced by the workman.

5.It is settled beyond doubt that the Tribunal cannot travel beyond the schedule of reference and cannot adjudicate points raised by the parties beyond the schedule. As the schedule of reference is regarding termination of the services of the workman, the point regarding the validity or otherwise of the order of rejection of the application of the workman for compassionate appointment cannot be considered.

6. It is also well settled that whenever a workman raises a dispute challenging the validity of the termination of the service, it is imperative for him to file written statement before the Industrial Court setting out grounds on which the order is challenged and he must also produce evidence to prove his case. If the workman fails to appear or file statement or produce evidence, the dispute referred by the Government cannot be allowed in favour of the workman and he would not be entitled to any relief. In this case, the workman has not adduced any evidence in support of his claim and as such, he is not entitled to any relief. Hence, it is ordered:-

ORDER

The action of the management of Suptd. of Post Office, Nanded Division, Nanded in terminating the services of Shri Vasant Narsingrao Kondapalliwar Ex- EDBPM, Kothari DO, Distt. Nanded is legal, proper and justified. The workman is not entitled to any relief.

J. P. CHAND, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2012

का.आ.1510.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दी फ्रंटलाइन सेल्समार्ट प्रा.लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, मुम्बई के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी-28 ऑफ 2011) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-3-2012 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/12/2011-आईआर (डीयू)]

रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th March, 2012

S.O.1510.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No.CGIT-28 of 2011) of the Central Government Industrial Tribunal - cum-Labour Court No.1, Mumbai now as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to The Frontline Selesmart Pvt. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 27-3-2012.

[No. L-40012/12/2011-IR (DU)]

RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO.1, MUMBAI

JUSTICE G. S. SARRAF, Presiding Officer

REFERENCE NO. CGIT-1/28 OF 2011

Parties:

Employers in relation to the management of

Airtel Limited

Frontline Salesmart Pvt. Ltd.

And

Their Workman Sanjay Nair

Appearances :

For Airtel : Shri Umesh Nabar, Adv.

For Frontline Salesmart Pvt. Ltd. : Shri.A.K.Karandikar, Adv.

For the workman : Absent.

State : Maharashtra

dated the 9th day of February 2012.

AWARD

1. This is a reference made by the Central Government in exercise of its powers under clause (d) of sub section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act 1947. The terms of reference given in the schedule are as follows:

"Whether the individual worker Shri Sanjay Nair is a worker of M/s. Frontline Salesmart Pvt. Ltd./ M/s.Airtel Limited ? If yes, whether the action of the management of M/s. Airtel Limited for terminating his services is legal and justified ? What relief the workman is entitled to and from which date ?"

2. The workman is not present today. The workman was not present on the previous dates namely; 19-12-2011 and 9-1-2012. There is no material on record to dispose of the reference on merits.

3. In view of the continuous absence of the workman the reference stands disposed of as not prosecuted by the workman.

JUSTICE G. S. SARRAF, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 मार्च, 2012

का.आ.1511.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मनेजमैन्ट ऑफ कोलडेम हाइड्रो इलैक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट और अदर्स के प्रबंध तंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. -2, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या -130 /2 के 11) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-03-2012 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/207/2010-आईआर (डीयू)]

रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th March, 2012

S.O.1511.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No130/2 K 11) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.II, Chandigarh as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of KOL Dam Hydro Electric Power Project and Others and their workmen, which was received by the Central Government on 30-3-2012.

[No. L-42012/207/2010-IR (DU)]

RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, CHANDIGARH

Present: Sri A.K. RASTOGI, Presiding Officer

Case No. I.D.130/2011

Registered on 28-4-2011

Sh. Jiwan Bahadur S/o Sh. Veer Bahadur Vill. Thamane, PO Bagenour, Tehsil Salyani, District Salyani (HP).

..Applicant

Versus

1. The General Manager, Kol Dam Hydro Electric Power Project, HTPC, VPO Barmana; Bilaspur (HP)

2. Project Manager, Italian Thai Development Co. Ltd., Kol Dam Hydro Electric Power Project, Village Kayan, PO Slapper, The. Sundernagar, Mandi (HP).

3. M/s. U.R. Infrastructure Company, Pvt. Ltd. Village Chamb, Post Office Harnora, Bilaspur.

...Respondents

APPEARANCES

For the workman ....None for workman

For the Management ...Sh. Shamsher Singh for Respdt. No.2

AWARD

Passed on 19-3-2012

Central Government vide Notification No. L-42012/207/2010-IR(DU) Dated 1-4-2011, by exercising its powers under Section 10 Sub section (1) Clause (d) and sub section 2(A) of the Industrial Disputes Act, 1947(hereinafter' referred to as Act). has referred the following Industrial dispute for adjudication to this Tribunal:-

"Whether the action of the management of M/s. U.R.Infrastructure Company, Pvt. Ltd. , a sub contractor of M/s. Italian Thai Development Public Co. Ltd.a contractor of M/s. NTPC, Ltd. in

retrenchment of services of Sh. Jeevan Bahadur son of Shri Veer Bahadur w.e.f. 1-8-2008 without following the principle of "Last Come First Go" is legal and justified ? What relief the workman is entitled to ?"

After receiving the reference notices were issued to the parties. Only respondent No.2 Project Manager, Italian Thai Development Co. Ltd., Kol Dam Hydro Electric Power Project, has appeared. But the workman and other respondents did not turn up despite registered notices sent to them. Notice sent to the workman on: 10-5-2011 by UPC and on 22-9-2011, 18-1-2012 sent through registered post received back undelivered without any postal endorsement. It appears that the workman does not reside on the address given in the reference. Therefore, service is not possible on the workman. Under the reference order, the workman was to file his claim within 15 days of the receipt of the order of reference but the workman fails to file the claim statement within the time given in the reference order. Hence a no dispute award is passed in the case. let two copies of the Award be sent to the Central Government for further necessary action.

ASHOK KUMAR RASTOGI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 मार्च, 2012

का.आ.1512.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीकाम डिस्ट्रक्ट इन्जीनीयर, राजगढ़ के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी/एलसी.आर/18/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-03-2012 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/278/2001-आईआर (डीयू)]

रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th March, 2012

S.O.1512.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. CGIT/LC/R/18/2002) of the Central Government Industrial Tribunal -cum- Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecom District Engineer, Rajgarh and their workmen, which was received by the Central Government on 30-3-2012.

[No. L-40012/278/2001-IR (DU)]

RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, JABALPUR

NO. CGIT/LC/R/18/2002

PRESIDING OFFICER: SHRI MOHD. SHAKIR HASAN

Shri Peerukhan,
S/o Shri Noorkhan,
R/o vill. Bavdalya PO Gulavata,
Tehsil Sarangpur,
Rajgarh ... Workman

Versus

The Telecom District Engineer,
O/o the TDE, Rajgarh,
At Biaora,
Rajgarh ...Management

AWARD

Passed on this 5th day of March 2012

1. The Government of India, Ministry of Labour *vide* its Notification No.L-40012/278/2001-IR(DU) dated 3-1-2002 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:—

> " Whether the action of the management of Telecom District Engineer, Rajgarh in terminating the services of Shri Peerukhan S/o Shri Noor Khan w.e.f. 1st June 1999 is justified? If not, to what relief the workman is entitled for ?"

2. The case of the workman, in short is that he was appointed as casual labour on muster roll in January 1993 under Divisional Officer, Sarangpur and worked at different places for extension of cable lines and erection of pole alongwith different linemen till 1-6-99 when he was terminated orally without notice. He had worked more than 240 days in a calendar year. He was entitled to be regularized in view of the policy formulated on the direction of the Hon'ble Apex Court. It is submitted that the termination order be set aside with back wages.

3. The management appeared and filed Written Statement to contest the reference. The case of the management, interalia, is that the alleged workman was never employed by the management at any point of time as casual labour. Since he was not engaged, the question of violation of the Industrial Dispute Act, 1947 (in short the Act, 1947) doesnot arise. It is submitted that the alleged workman is not entitled to any relief.

4. On the pleadings of the parties, the following issues are settled for adjudication-

I. Whether the alleged workman was terminated by the management w.e.f. 1-6-99 and the action is justified ?

II. To what relief the workman is entitled?

5. Issue No. I

The workman subsequently became absent and has not adduced any evidence since 18-12-09 in the case. His evidence was accordingly closed on 6-9-2010.

6. On the other hand, the management has examined one witness Shri Ramjani Khan who is working as Sub Divisional Engineer (Admn.). He has supported the case of the management. He has stated that the alleged workman was never engaged by the management. He has also filed a report of the S.D.O. which shows that he had never worked. His evidence is unrebutted. There is no reason to disbelieve his evidence. This clearly shows that he was never employed by the management. This issue is decided against the workman and in favour of the management.

7. Issue No. II

On the basis of the discussion made above, I find that the alleged workman is not entitled to any relief. Accordingly the reference is answered.

8. In the result, the award is passed without any order to costs.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 2012

का.आ.1513.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 152/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2-4-2012 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/109/2003-आईआर (बी-I)]
रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 2nd April, 2012

S.O.1513.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No.152/2003) of the Central Government Industrial Tribunal -cum - Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the management of State Bank of India and their workmen, received by the Central Government on 2-4-2012.

[No. L-12012/109/2003-IR (B-I)]
RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

NO. CGIT/LC/R/152/2003

PRESIDING OFFICER: SHRI MOHD. SHAKIR HASAN

Shri Ganesh Dole,
S/o Ramesh Dole,
Mahajena Peth,
Near Kammeshwar Oil Mill,
Burhanpur, Distt. Khandwa (MP) ...Workman

Versus

The Asstt. General Manager,
State Bank of India, Region-II,
Zonal Office, Hamidia Road,
Bhopal (MP) ... Management

AWARD

Passed on this 19th day of March, 2012

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-12012/109/2003/IR(B-I) dated 14-8-03 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

> "Whether the action of the management of Asstt. General Manager, State bank of India, Region-II, Bhopal in terminating the services of Shri Ganesh Dole, S/o Shri Ramesh Dole w.e.f. 11-12-98 is justified? If not, to what relief the workman is entitled for ?"

2. The case of the workman, in short, is that Shri Ganesh Dole was appointed by the management Bank as temporary daily wages peon against the clear vacant post and worked continuously from 12-4-92 to 11-12-98. Thereafter he was terminated without notice and without payment of compensation under the provision of Section 25 F of the Industrial Dispute Act, 1947 (in short the Act, 1947). It is stated that Ram Singh Raikwar and Raju Nimbarkar were also engaged on daily wages at Mandi Chauk Branch but they were regularized in the services of the bank. It is stated that there are vacant posts of Class IV employees in branches of the bank but the workman was discriminated and was terminated from the services of the Bank. It is submitted that the workman be reinstated with back wages.

3. The management appeared and filed Written Statement to contest the reference. The case of the management, inter-alia, is that Shri Ganesh Dole was employed as purely daily rated on contract basis for discharging the duties of Hammal at Burhanpur Branch of the State bank of India. He worked in the year 1992 for 192 days, in 1994 for 264 days, in 1995-262 days, in 1996- 250 days, in 1997- 266 days and in 1998-230 days. Since he was engaged on contract basis, the provision of Section 2(oo) (bb) of the Act, 1947 is applicable. It is stated that he was paid one month wages for notice and Rs. 5400 as

retrenchment compensation as has been required under Section 25-F of the Act, 1947. His case is different from the case of Ram Singh Raikwar and Raju Nimbarkar. It is stated that there were settlements with the Unions and the management for giving opportunity of permanent absorption of the casual labour/temporary employees in the Bank who had worked prior to 14-8-91. He was engaged after the cut out date and therefore he is not entitled to any relief.

4. On the basis of the pleadings of the parties, the following issues are framed for adjudication—

I. Whether the action of the management in terminating the services of Shri Ganesh Dole w.e.f. 11-12-98 is justified ?

II. To what relief the workman is entitled ?

5. Issue No. I

The workman has adduced oral and documentary evidence. Shri Ganesh Dole is the workman himself. He has stated that he was daily wages employee and worked from 12-4-1992 to 11-12-1998. He has also admitted at Para-12 of his evidence that he received cheque of Rs. 5400 at the time of termination. The said paper is filed by the workman through which the cheque of Rs. 5400 in lieu of notice and compensation were paid. The said document is marked as Exhibit W/1. This document is admitted by the management. Exhibit W/1 clearly shows that one month wages of Rs.1350 and compensation of Rs. 4050 were paid in compliance of the provision of Section 25-F of the Act, 1947. Thus it is clear that he was daily wager in the management Bank and when his services were not required, he was paid one month wages and compensation under Section 25-F of the Act, 1947. This shows that there was no violation of the provision of the Act, 1947.

6. The workman has filed copy of the reply of the management filed before the Asstt. Labour Commissioner which is marked as Exhibit W/2. This document is also admitted by the management. The management had taken consistent plea that he was terminated according to law. Exhibit W/3 is failure report of the Asstt. Labour Commissioner (C), Bhopal. It shows that the parties did not arrive on any settlement. Thus the oral and documentary evidence of the workman show that there is no illegality in terminating his services.

7. On the other hand, the management has also examined one witness. Shri Surender Shah is working as Branch Manager, in SBI. He has stated that the workman had worked as daily wages employee from 1992 to 1998. He has specifically mentioned the number of days of each years as has been pleaded in the written statement. At Para 8 in his evidence, he has stated that the compensation and wages of notice period was paid to the extent of Rs.5400 on 11-12-98. This fact is an admitted fact and the workman has filed the document which is Exhibit W/1. Thus the evidence of both the parties clearly shows that the management's action was justified in accordance with the provision of Section 25-F of the Act, 1947. This issue is decided in favour of the management and against the workman.

8. Issue No. II

On the basis of discussion made above, the workman is not entitled to any relief. According to the reference is answered.

9. In the result, the award is passed without any order to costs.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 2012

का.आ.1514.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 23/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2-4-2012 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/301/2001-आईआर (बी-I)]

रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 2nd April, 2012

S.O.1514.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 23/2005) of the Central Government Industrial Tribunal -Cum -Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the management of State Bank of India, and their workmen, received by the Central Government on 2-4-2012.

[No. L-12012/301/2001-IR (B-I)]

RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL- CUM -LABOUR COURT, JABALPUR

NO. CGIT/LC/R/23/05

PRESIDING OFFICER: SHRI MOHD. SHAKIR HASAN

Shri Ravinder Kumar Gupta,
C/o Deputy General Secretary,
State Bank of India Staff Congress,
5/235, Pragati State Bank Staff Colony,
Vikasnagar, Jabalpur ... Workman

Versus

The Chief General Manager,
State Bank of India,
Local Head Office,
Hoshangabad Road ... Management

AWARD

Passed on this 15th day of March, 2012

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No.L-12012/301/2001-IR(B-I) dated 7-11/2-2005 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:—

> " Whether the action of the management of State Bank of India to terminate Shri Ravinder Kumar Gupta from service is legal and justified ? If not, to what relief is the disputant concerned is entitled to ?"

2. The case of the workman in short is that the workman Ravinder Kumar Gupta was appointed as temporary messenger on 2-7-1979 and was posted at Regional Office, DM Section, Jabalpur of State Bank of India and worked there till 14-6-1980 for a continuous period of 347 days. Thereafter he was stopped from work without assigning any reason and without complying the provision of Section 25-F of the Industrial Dispute Act, 1947 (in short the Act, 1947). He approached the Unions for his grievances. However at the instance of the Union, he was again appointed as temporary messenger in the same office on 3-9-1985 and worked till 31-3-1986 for 168 days. The workman was advised to fill up a prescribed form for permanent absorption in the Bank vide letter dated 27-12-1985 but inspite of submission of his form alongwith school leaving certificate, he was not given any appointment for permanent absorption in the bank. It is alleged that the management Bank had appointed persons to whom he had named in violation of the provision of Section 25 G and 25 H of the Act, 1947. In view of the circular dated 29-4-1985 of the management Bank all temporary employees who completed 90 days of his service as on 31-10-1984 were to be given a chance for permanent appointment in the Bank. Provision of Shastri Award is also violated. It is submitted that the workman be reinstated with back wages.

3. The management appeared and filed Written Statement in the reference case. The case of the management, interalia, is that the workman was engaged on daily wages on temporary basis as messenger at the Regional Office of the bank at Jabalpur from 2-7-1979 to 14-6-1980 for 145 days intermittently. There was no requirement of his service as such he was discontinued. Again he was engaged in the same capacity from 3-9-1985 to 31-3-1986 for 165 days. The workman was engaged on contract basis on exigency of work. The provision of Section 2(oo)(bb) of the Act, 1947 is attracted and he was not entitled to retrenchment compensation under the provision of Section 25-F of the Act, 1947. In view of the settlements between the Union and the management, the application was invited on prescribed form from such daily rated employees who had worked stipulated period. The workman also submitted his application. He appeared in the interview and was offered part time appointment in 1/3rd salary vide order dated 31-3-1997. He was given posting at Khamariya, Jhansighat Branch. He received the order on 6-6-1997 but he failed to join there. These facts have been concealed by the workman. Under the circumstances, he is not entitled to any relief.

4. On the basis of the pleadings of the parties, the following issues are framed for adjudication-

I. Whether the action of the management in terminating the services of Shri Ravindra Kumar Gupta is legal and justified ?

II. To what relief the workman is entitled?

5. Issue No. I

To prove the case the workman has adduced oral and documentary evidence. The workman Shri Ravinder Kumar Gupta has stated that he worked from 2-7-1979 to 14-6-1980 for 347 days but he was stopped from work on 15-6-1980 without assigning any reason in violation of the provision of the Act, 1947. He worked more than 240 days. Again he worked from 3-8-1985 to 31-3-1986 for 168 days. He has stated that he had given application that he was daily wages employee. His evidence clearly shows that he shall not be deemed to be in continuous service for a period of one year during a period of twelve calendar months preceding the date with reference because during a period of twelve calendar months preceding the date 31-3-1986, he had worked only for 168 days and had not worked 240 days. Thus the provision of Section 25 (B)(2) of the Act, 1947 is not attracted. His continuous service preceding the date with reference was less than one year and therefore Section 25 F of the Act, 1947 is also not applicable. It appears that his evidence shows that there is no violation of the provision of the Act, 1947.

6. The workman has also filed documents. Ex-W/1 is a certificate given by Office Manager. This certificate shows that he worked from 2-7-1979 to 14-6-1980. Exhibit W/1-A is another certificate dated 13-4-1986 which goes to show that he worked from 3-9-85 to 31-3-1986 for 168 days on temporary basis. This shows that he worked from 3-9-85 to 31-3-1986 for 168 days on temporary basis. This shows that he had not worked continuously for a period of one year during the period of twelve calendar months preceding the date with reference and the provision of section 25 B(2) of the Act, 1947 is not attracted. Since his service is said to be less than 240 days, the provision of section 25 F of the Act, 1947 is not violated. His evidence clearly shows that the action of the management is legal and justified.

7. On the other hand, the management has also adduced one witness. Shri S.K.Rai is Chief Manager in Zonal Office, Jabalpur. He has supported the case of the management. He has stated that the workman was engaged from 2-7-1979 to 14-6-1980 for 148 days and from 3-9-85 to 31-3-1986 for 165 days. His evidence also shows that there is no violation of the provision of Section 25 F of the Act, 1947. The evidence of the parties clearly shows that he

was engaged on daily wages as purely temporary employee. Thus the evidence of the management also establishes that the action of the management is justified.

8. Another point is raised by the workman that there was circular of the management Bank that who had completed 90 days of his temporary/casual service was to be given a chance for permanent appointment. The workman has filed telex note dated 29-4-89 which is marked as Exhibit W/2. This shows that it was decided that those temporary employees who have put in 90 days total temporary service on 1-10-1984 in the Bank may be given a chance of consideration for permanent appointment. It is urged by the learned counsel for the workman that admittedly he had worked more than 90 days before 1984 and he was denied appointment inspite of application. It is evident that there is no reference to consider that the workman was entitled to be taken for permanent appointment. It is a settled principle that the Tribunal cannot go beyond the reference. However the workman has himself filed a letter dated 27-12-85 issued by the bank which is marked as Exhibit W/3. It shows that the permanent job was offered and he was directed to report at the place of posting after doing certain compliances. There is no evidence on the record to show that the workman had appeared before the place of posting after following the directions given to him.

9. On the other hand, the management has contended that he was again offered part time appointment on 1/3rd salary and was posted at Khamaria, Jhansighat Branch. He received the order on 6-6-1997 but he failed to join there. The management witness has supported this fact in his evidence. Thus it is clear that he was offered job but the workman had not availed this opportunity. Moreover it is not a point for consideration in this reference. Thus the evidence of the parties clearly shows that the action of the management is legal and justified. This issue is decided against the workman and in favour of the management.

10. Issue No. II

On the basis of the discussion made above, I find that the workman is not entitled to any relief. The reference is accordingly answered.

11. In the result, the award is passed without any order to costs.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 2012

का.आ.1515.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 182/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2-4-2012 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/222/2000-आईआर (बी-I)]

रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 2nd April, 2012

S.O.1515.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No.182/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-Cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the management of State Bank of India and their workmen, received by the Central Government on 2-4-2012.

[No. L-12012/222/2000-IR (B-I)]
RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

NO. CGIT/LC/R/182/2000

PRESIDING OFFICER: SHRI MOHD. SHAKIR HASAN

Shri N.P.Tiwari,
Dy. General Secretary,
State Bank of India Staff Congress,
5/235, Pragati State Bank Staff Colony,
Vikasnagar,
Jabalpur (MP) ...Workman

Versus

The Asstt. General Manager,
State Bank of India,
Zonal Office, Region-II,
Marhatal,
Jabalpur ...Management

AWARD

Passed on this 16th day of March, 2012

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No.L-12012/222/2000-IR(B-I) dated 16-10-2000 has referred the following dispute for, adjudication by this tribunal:—

> "Whether the action of the Manager, State Bank of India Seoni in terminating the services of Shri N.P.Tiwari, S/o Dindayal Tiwari, Messenger w.e.f. 31-12-87 is justified ? If not, what relief the workman is entitled?"

2. The case of the workman, in short, is that he was appointed on the post of messenger-cum-waterman on 1-12-84 at Seoni Branch of State Bank of India. He worked continuously from 1-12-84 to 31-12-87 and had worked more than 240 days in every year. He was orally terminated on 31-12-87 without complying the provision of Industrial Dispute Act, 1947(in short the Act, 1947). It is stated that the management employed another new messengers to whom he had named and they are still working. It is stated

that the management has violated the provision of Section 25 F, 25 G and 25 H of the Act, 1947. He is still unemployed and he had not been given opportunity in special drive of appointment. It is submitted that the workman be reinstated with back wages.

3. The management appeared and filed Written Statement in the case. The case of the management, interalia, is that the workman was employed on purely daily wages at Seoni Branch of the bank. The said engagement was on contractual basis. He had worked 76 days in 1985, 16 days in 1986 and 136 days in 1987 only. He was never appointed against any permanent post of messenger. His engagement would be covered by the provision as contained in Section 2(oo) (bb) of the Act, 1947. He had never worked 240 days in a calendar year as required under Section 25 B of the Act, 1947. He was not entitled for retrenchment compensation under Section 25 F of the Act, 1947. The management Bank and the State Bank of India Employees Association entered into number of settlements time to time for permanent absorption of casual workers/ temporary employees into the services of the Bank. The workman also applied for permanent absorption in the Bank on advertisement in the newspaper. He was empanelled in the list of eligible candidates on the basis of number of days. The workman was not found selected for permanent employment on the basis of his seniority and available vacancies. Under the Circumstances, the workman is not entitled to any relief.

4. On the basis of the pleadings of the parties, the following issues are framed for adjudication—

I. Whether the action of the management in terminating the services of the workman w.e.f. 31-12-87 is justified ?

II. To what relief the workman is entitled ?

5. Issue No. I

The workman has examined oral and documentary evidence in the case. Shri Narayan Prasad Tiwari is the workman himself. He has stated that he was engaged on 1-12-84 as Messenger-cum-waterman on vacant post in Seoni Branch of State Bank of India and worked till 31-12-87. He worked more than 240 days in a calendar year. He has stated that no appointment letter was given to him and received wages of the days he worked on the basis of daily wages. This clearly shows that he was daily wages worker and was not engaged against any permanent post.

6. The workman has filed documents which are admitted by the management. Exhibit W/l and Exhibit W/5 are the certificates granted by the then Branch Manager of Seoni Branch. The said certificates clearly show that he was engaged on daily wages. These certificates prove the case of the management that the workman worked 76 days in 1985, 16 days in 1986 and 136 days in 1987 only. This shows that he shall not be deemed to be in continuous service for a period of one year during a period of twelve calendar months preceding the date with reference. This shows that the provision of Section 25B(2) of the Act, 1947 is not attracted and there was no violation of the provision of Section 25 F of the Act. Exhibit W/2 is the petition filed by the workman before the Asstt. Labour Commissioner, Chhindwara raising industrial dispute. Exhibit W/3 is the failure report of Asstt. Labour Commissioner, Chhindwara to the Ministry. Exhibit W/4 is the reference order of the Ministry. Exhibit W/6 is the rejoinder of the workman of the reply of the management filed before Asstt. Labour Commissioner, Chhindwara. These documents donot prove the case of the workman. Thus the oral and documentary evidence adduced by the workman show that the workman was engaged as casual wages employee and had not completed one year continuous service as required under Section 25 B of the Act, 1947.

7. The learned counsel for the workman argued that those casual employees who had worked 90 days in the Bank were permanently absorbed in the bank. The management had appointed number of new messengers in the Bank services. It is evident that there is no reference to decide that whether the workman is entitled to be appointed as messenger against permanent post on the basis of the services rendered by him as casual employee. It is a settled principle that the Tribunal cannot go beyond the reference. Secondly it is evident from the pleading and evidence of the management that the workman was empanelled in the list in view of the settlement between the management and the Unions but he was not selected for permanent employment on the basis of his seniority and available vacancies.

8. On the other hand, the workman has examined oral and documentary evidence. Shri Indra Pal Verma is working as Chief Manager at Seoni Branch of the State Bank of India. He has supported the case of the management. His evidence shows that the workman had not worked 240 days in any twelve calendar months specially preceding the date with reference. His evidence shows that the action of the management is justified. The management has filed settlements which are marked as Exhibit M/l to M/5. These settlements show that the casual labours were permanently absorbed on the basis of seniority and available vacancies. The oral evidence shows that he was empanelled in the list but he was not absorbed for lack of vacancies and the said list was valid upto 1997. Thus it is clear that the action of the management is justified. This issue is decided against the workman and in favour of the management.

9. Issue No. II

On the basis of the discussion made above, it is clear that the workman is not entitled to any relief. The reference is, accordingly, answered.

10. In the result, the award is passed without any order to costs.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 2012

का.आ.1516.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 4/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2-4-2012 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/162/2004-आईआर (बी-1)]
रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 2nd April, 2012

S.O.1516.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No.4/2005) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the management of State Bank of Indore, and their workmen, which was received by the Central Government on 2-4-2012.

[No. L-12012/162/2004-IR (B-I)]

RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/RJ/4/2005

PRESIDING OFFICER : Shri Mohd. Shakir Hasan

Shri Gokul Pandole,
R/o Gandhi Ward,
Behind State Bank of India,
Multai, Tehsil Multai,
Distt. Betul (MP)

...Workman

Versus

The General Manager (Operations),
State Bank of Indore,
Head Office, 5, Yeshwant Niwas Road,
Indore

...Management

AWARD

Passed on this 13th day of March, 2012

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No.L-12012/162/2004-IR(B-I) dated 25-11-2004 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:—

"Whether the action of the management of General Manager (O) State Bank of Indore in terminating the services of Shri Gokul Pandole w.e.f. 25-9-2000 is justified? If not, to what relief the workman is entitled for?"

2. The case of the workman, in short is that the workman Shri Gokul Pandole was appointed on the post of peon in 1989 under Manager, Multai Branch of the management Bank. In the year 1996, he was engaged in a newly opened branch in Tikamgarh on 16-7-96 and worked till 11-9-1997. Thereafter another new branch was opened at Balaghat District where he worked from 12-9-97 to 12-12-97 . He was again transferred to Multai Branch on 13-12-1997 and worked continuously till 23-9-2000. He worked more than 240 days on the post of peon as required under Section 25 B of the Industrial Dispute Act, 1977 (in short the Act, 1947). He was terminated on 25-9-2000 without following the mandatory provision of Section 25-F of the Act, 1947. He is unemployed after termination from service. It is submitted that the workman be reinstated with back wages and consequential benefits.

3. The management appeared and filed Written Statement to contest the reference. The case of the management, interalia, is that Shri Gokul pandole was engaged on daily rated casual labour in Multai Branch for 2-3 hours at the rate agreed by him on as and when required basis. He was never appointed by the bank nor any appointment letter was issued to him. His engagement came to an end each day after working hours whenever he was so engaged. It is submitted that the reference be answered in favour of the management.

4. On the basis of the pleadings of the parties, the following issues are settled—

I. Whether the action of the management in terminating the services of the workman w.e.f. 25-9-2000 is justified?

II. To what relief the workman is entitled?

5. **Issue No. I**

In order to prove his case, the workman has adduced oral and documentary evidence. The workman Shri Gokul Pandole has stated in his evidence that he was employed as daily wages employee. Admittedly no appointment letter was issued nor his name was forwarded by the Employment Exchange. He has not stated as to how many days he worked in 1999 and 2000. The reference is that he was terminated on 25-9-2000. He has filed two certificates. It appears that one was issued from Multai Branch on 16-11-1992 and another was issued from Tikamgarh branch. There is no document to show that he was working from 13-12-97 to 23-9-2000 at Multai Branch when he was alleged to have been terminated. Thus it is clear that for the period of one year during twelve calendar months preceding the date of. reference or the date of termination, he had not worked 240 days to attract the provision of Section 25(B) (2)

of the Act, 1947. Since there is no sufficient evidence to prove one year continuous service under the provision of Section 25 B (2) of the Act, the provision of Section 25-F of the Act, 1947 appears to be not violated. Thus the evidence of the workman is not sufficient to prove his case of illegal termination.

6. On the other hand, the management has also examined one witness. Shri Ashok Somkumwar is Branch Manager of Multai Branch. He has supported the case of the management. He has stated that Shri Gokul Pandole was engaged as daily rated casual labour in Multai Branch for 2 to 3 hours during the period from 16-7-96 to 11-9-97 on agreed rate. He has denied that he worked from 13-12-1997 to 23-9-2000 at Multai Branch. Admittedly he was not appointed on regular post. This is not a case of regularization. As such the ruling cited in respect of regularization is not applicable. It is evident from the evidence adduced in the case that the workman has failed to prove the violation of any provision of the Act, 1947 in terminating his services by the management. This issue is decided against the workman and in favour of the management.

7. **Issue No. 1**

On the basis of the discussion made above, it is clear that the workman is not entitled to any relief. Accordingly the reference is answered.

8. In the result, the award is passed without any order to costs.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2012

का.आ.1517.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, भुवनेश्वर के पंचाट (संदर्भ संख्या 37/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-4-2012 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/26/2008-आईआर (बी-I)]

रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd April, 2012

S.O.1517.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 37/2008) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Bhubaneswar as shown in the Annexure in the industrial dispute between the management of State Bank of India, and their workmen, received by the Central Government on 3-4-2012.

[No. L-12012/26/2008-IR (B-I)]

RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BHUBANESWAR

Present :

Shri J. Srivastava,
Presiding Officer, C.G.I.T.-cum-Labour,
Court, Bhubaneswar.

INDUSTRIAL DISPUTE CASE No. 37/2008.

Date of Passing Award-16th March, 2012

Between :

The Assistant General Manager,
State Bank of India, Bhubaneswar
Main Branch, Bhubaneswar,
Dist. Khurda (Orissa).

... 1st Party-Management

(And)

Their workman Sri Antaryami Pradhan,
Qrs. No. VR-5/1, Kharvela Nagar, Unit-3,
Bhubaneswar. (Orissa)

... 2nd party-Workman

Appearances :

Shri Alok Das, Authorized Representative	For the 1st Party-Management.
None.	For the 2nd Party-Workman

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour has referred the present dispute existing between the employers in relation to the Management of State Bank of India and their workman under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act vide their Letter No. 12012/26/2008/IR (B-1), dated 2-6-2008 to this Tribunal for adjudication to the following effect :

> "Whether the action of the management of State Bank of India, Main Branch, Bhubaneswar in terminating the services of Sri Antaryami Pradhan w.e.f. 30-9-2004, is fair, legal and justified? To what relief is the workman concerned entitled ?"

2. The 2nd Party-workman has filed his statement of claim alleging that he had joined his services as a Messenger on temporary/casual/daily wage basis on 27-5-1989 after succeeding in interview. He was assured to get permanent appointment order after one year or on completion of 240 days' work in a calendar year, but despite completion of several years of continuous satisfactory service and putting in more than 240 days' work in each

year he was not regularized, instead terminated and refused employment from 30-9-2004 by the 1st Party-Management without any written communication or payment of compensation, The 1st Party-Management in refusing employment to him violated all principles of natural justice and mandatory provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947. He therefore brought the matter in to the notice of the C.G.M. and C.D.O. of the State Bank of India, L.H.O., Bhubaneswar. But on hearing nothing, he raised an industrial dispute before the Regional Labour Commissioner (Central) vide his letter dated 2-3-2005. Conciliation proceedings were started. but they failed and thereupon a failure report was submitted to the Government and the Government made the present reference. He is thus entitled to get full back wages and reinstatement with continuity of service with effect from 30-9-2004.

3. The 1st Party-Management in its reply through written statement has stated that the present dispute is misleading and misconceived in as much as the 2nd Party-workman had already raised a similar dispute along with 124 other workers through the State Bank of India Temporary 4th Grade Employees Union before the Assistant Labour Commissioner (Central), Bhubaneswar challenging their alleged termination of service by the 1st Party-Management, In the said dispute the failure report was sent by the Asst. Labour Commissioner (Central), Bhubaneswar to the Ministry of Labour who in turn referred the matter to this Tribunal for adjudication and the same is pending before this Tribunal being I. D. Case No. 7/2007. The name of the 2nd Party-workman is appearing at Sl. No. 23 in Annexure-A to the said reference. Thus, raising a common dispute for same cause of action and again raising individual dispute for same relief is nothing but an abuse of the process of law and amounts to multiplicity of litigation. The Asst. Labour Commissioner (Central) while conciliating the individual disputes disregarded the direction of the Deputy Chief Labour Commissioner (Central) not to take any further action on the separate disputes raised by the same workers for the same cause of action. The allegation of the 2nd party-workman that he was discontinued from service on 30-9-2004 and was signing bogus vouchers is not correct. He was engaged intermittently on temporary/daily wages basis due to exigencies of work. It is denied that he had joined the Bank on 27-5-1989 and was performing the duty, which is regular and perennial in nature. It is further denied that he was performing his duties with all sincerity and honesty and to the best of satisfaction of the Authority. The 2nd Party-workman has never completed several years of continuous service in the Bank nor he has completed 240 days of continuous service in any calendar year preceding the date of his alleged termination. In order to give an opportunity for permanent absorption to the ex-temproray employees/daily wagers in the Bank in view of the various settlements entered into between the All India State Bank of India Staff Federation and the Management of the State Bank of India all eligible persons were called for interview. The 2nd Party-workman was also called for an interview along with other eligible persons in the year 1993. As he was not found successful in the said interview he could not be appointed in the Bank. The Union or the 2nd Party-workman has never challenged the implementation of the settlement which has now gained finality. It is further submitted that some of the wait-listed candidates, who would not be absorbed in the Bank's service due to expiry of the panel on 31st March, 1997 filed Writ Petitions before the Hon'ble High Court of Orissa. But the Hon'ble High Court of Orissa by a common order dated 15-5-1998 passed in O.J.C. No. 2787/1997 dismissed a batch of Writ Petitions and upheld the action of the Management of the Bank. This order of the Hon'ble High Court was also upheld by the Hon'ble Supreme Court of India in S.L.P. No. CC-3082/1999. Hence the above matter has attained finality and cannot be re-agitated. Since the services of Sri Pradhan were terminated in December, 1992 has claim has become stale by raising the dispute after lapse of a period of 13 years. It is a settled principle of law that delay destroys the right to remedy. Thus raising the present dispute after 13 years of alleged termination is liable to be rejected.

4. On the pleadings of the parties following issues were framed :—

ISSUE

1. Whether the present reference of the individual workman during the pendency of the I.D. Case No. 7/2007 before this Tribunal on the same issue is legal and justified?
2. Whether the workman has worked for more than 240 days as enumerated under section 25-F of the Industrial Dispute Act?
3. Whether the action of the Management of State Bank of India, Main Branch. Bhubaneswar, in terminating the services of Shri Antarayami Pradhan, with effect from 30-9-2004 is fair, legal and justified?
4. To what relief is the workman concerned entitled ?

5. The 2nd Party-workman despite giving sufficient opportunity did not produce any evidence either oral or documentary in support of his claim and willingly kept himself out of the proceedings at the stage of evidence by absenting himself or his Union representative.

6. The 1st Party-Management has adduced the oral evidence of Shri Abhay Kumar Das as M.W.-1 and filed documents marked as Ext.-A to Ext.-J in refutation of the claim of the 2nd Party-workman.

FINDINGS

ISSUE NO.1

7. A specific plea has been raised by the 1st Party-Management that a group of 125 employees including the 2nd Party-workman had already raised a similar dispute in I.D. Case No. 7/2007 before this Tribunal for the same relief which is pending for adjudication. The dispute as referred to in I.D. Case No. 7/2007 is given below for comparison with the dispute in the present case—

> "Whether the action of the Management of State Bank of India, Orissa Circle, Bhubaneswar in not considering the case of 125 workmen whose details are in Annexure-A for re-employment as per Section 25(H) of Industrial Disputes Act, 1947 is legal and justified?" If not, what relief the workmen are entitled to ?"

8. The name of the 2nd party-workman appears at Sl. No. 23 in Annexure-A to the above reference. In both the cases the matter of disengagement or so called retrenchment is involved to be considered in one or the other way and the relief claimed is with regard to re-employment. But challenge has been made more specifically against the termination of service of the 2nd Party-workman in the present case while in I.D. Case No. 7/2007 prayer has been made with regard to consideration of the case of 125 workmen for re-employment as per Section 25-H of the Industrial Disputes Act, 1947. In fact, in the latter case the workmen have submitted or virtually surrendered to their cessation of employment or alleged termination, whereas in the present case they have challenged their termination on facts and law. Virtually in the present case validity and legality of the alleged termination has to be tested at the alter of facts and legal propositions. Therefore it cannot be said that issues involved in both the cases are same. This case can proceed despite pendency of I.D. Case No.7 /2007 and the present reference by the individual workman pending for adjudication is maintainable being legal and justified. This issue is therefore decided in the affirmative and against the 1st Party-Management.

ISSUE No. 2

9. The onus to prove that the 2nd Party-workman has completed one year or 240 days of continuous service during a period of 12 calendar months preceding the date of his alleged termination for disengagement from service lies on him, but the 2nd Party-workman has not adduced any evidence either oral or documentary in support of his' coutention. He has only alleged in his statement of claim that he was appointed in on 27-5-1989 and worked till 30-9-2004 on temporary/casual/daily wage basis, but he has not filed any certificate or reliable document showing the break-up of year-wise service rendered by him under the 1st Party-Management during the above period. The 1st Party-Management, on the other hand, has alleged that the 2nd Party-workman was engaged intermittently on temporary/daily wage basis due to exigencies of work and he had never completed 240 days continuous service in a calendar year. M.W.-1 Shri Abhay Kumar Das in his statement before the Court has stated that "the disputant was working intermittently for few days in our branch on daily wage basis in exigencies.... He had not completed 240 days of continuous and uninterrupted service preceding the alleged date of termination". He has denied the allegation that the workman was discontinued with effect from 30-9-2004, but stated that '"In-lact the workman left the branch from working since March, 1990". The 2nd Party-workman has to disprove the evidence led by the 1st Party-Management, but he has not come before the Court to give evidence. A temporary or daily wage worker has no right to claim reinstatement and particularly when such an employee had not worked for 240 days continuously a period of 12 calendar months preceding the date of his so-called termination. Thus he is not entitled to get benefit of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947. This issue is hereby decided against the 2nd Party-workman for failing to prove that he had worked for 240 days continously during a period of 12 calendar preceding the date of his disengagement or alleged termination from service.

ISSUE NO. 3

10. Since the 2nd Party-workman could not prove that he had rendered 240 days continuous service under the 1st Party-Management during a period of 12 calendar months preceding the date of his disengagement or alleged termination, he is not entitled for re-employment even in case of his alleged illegal and arbitrary termination. Moreover, he was a temporary/casual/daily wage employee. His services can be terminated at any time without assigning any cause by the 1st Party-Management. He has no legal right to be retained in service for the extended period, if he was appointed for a certain period or when no time is specified. The 2nd Party-workman has not filed any letter of appointment or proof of having rendered service under the 1st Party-Management for a specified period against a regular post. The 1st Party-Management has further alleged that in time of exigencies only the 2nd Party-workman was employed. It means that with the end of exigencies his job also came to an end. In view of the matter the action of the management of State Bank of India, Main Branch, Bhubaneswar in terminating the services of Sri Antaryami Pradhan with effect from the alleged date of his termination is fair, legal and justified. This issue is accordingly decided in the affirmative and against the 2nd Party-workman.

ISSUE No. 4

11. In view of the fmdings recorded above under Issues no, 2 and 3 the 2nd Party-workman is not entitled to any relief whatsoever claimed.

12. Reference is answered accordingly.

JITENDRA SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2012

का.आ.1518.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उत्तर पूर्व रेलवे के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, लखनऊ के पंचाट (संदर्भ संख्या 54/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-4-2012 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/9/2007-आईआर (बी-I)]
रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd April, 2012

S.O.1518.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 54/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Lucknow as shown in the Annexure in the industrial dispute between the management of North Eastern Railway and their workmen, received by the Central Government on 3-4-2012.

[No. L-41012/9/2007-IR (B-I)]
RAMESH SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, LUCKNOW

PRESENT : Dr. MANJU NIGAM, Presiding Officer

I.D. No. 54/2007

Ref. No. L-41012/9/2007-IR (B-I) dated: 8-10-2007

BETWEEN

The Divisional Secretary
North Eastern Railway Shramik Sangh
283/63, Gari Kanora, Premvati Nagar
P.O. Manaknagar, Lucknow (UP)
(Espousing cause of Shri Jalaluddin)

AND

The Sr. Divisional Personnel Officer
North Eastern Railway
DRM Office, Ashok Marg
Lucknow.

AWARD

1. By order No. L-41012/9/2007-IR (B-I) dated : 8-10-2007 the Central Government in the Ministry of Labour, New Delhi in exercise of powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) referred this industrial dispute between the Divisional Secretary, North Eastern Railway Shramik Sangh, 283/63, Gari Kanora, Premvati Nagar, P.O. Manaknagar, Lucknow and the Sr. Divisional Personnel Officer, North Eastern Railway, DRM Office, Ashok Marg, Lucknow for adjudication.

2. The reference under adjudication is:

"Kya Purvottar, Railway Prabandhan dwara Shri Jalaluddin Putra Shri Siddiq Sthanapann Khalasi se dinank 1-8-1985 tak kaiya karaye jane ke uprant kanisth karmkaaron ke upar varsh 1996-97 main hui screening main use sammilit na kar naukari na diya jana nayayochit evam vaidh hai? Yadi nahi, to kaamgaar kis raathat ko pane ka haqdaar hai?"

3. The case of the workman's union, in brief, is that the workman, Jalaluddin worked under opposite party for 13 months and 27 days in total even then he was not screened and made regular; whereas on the contrary the workmen junior to him were screened in 1996-97 and were regularized, which is violation of not only railway rules but also that of Industrial Disputes Act, 1947. Accordingly, the workman's union has prayed that workman be screened and regularized above the workmen junior to him.

4. The workman's union has filed photocopy of order dated 13-5-91; whereby the workman and four other workmen were re-engaged for a period of 3 months i.e. from 13-5-91 to 13-8-91. It has also filed photo copy of as many as three representations, addressed to the DRM, NER, Lucknow along with postal receipts, in support of his claim.

5. The opposite parties were called upon to file their written statement vide registered notice dated 1-6-2009 and in response thereto Shri Rahul Nigam, Advocate filed his authority on behalf of the opposite party on 21-12-2009. Thereafter, the authorized representative of the management appeared before this court on several dates and moved adjournments, seeking time to file written statement and when no written statement was field, even after lapse of more than 2 years time the ex-parte orders against the opposite party was passed vide dated 22-2-2011, in the presence of authorized representative of the opposite party; and next date 1-4-2011 was fixed for workman's evidence.

On 1-4-2011 the workman's union filed its evidence, the copy of the same was supplied to the A/R of the management and next date 23-5-2011 was fixed for cross-examination of the workman's witness. On 23-5-2011 the opposite party remained absent and accordingly, the case was ordered to proceed ex-parte against the management and next date 29-7-2011 was fixed for ex-parte argument. None turned up on 29-9-2011 and next date 29-9-2011 was fixed. On 29-9-2011 both the parties were present and at the request of the workman 4-11-2011 was fixed for argument. On 4-11-2011 the management did not turn up and accordingly, heard arguments of the workman and

reserved the file, keeping in view the reluctance of the management to contest the case and long pendency of the case since 2007.

7. Heard representative of the workman and perused evidence on record.

8. It is the case of the workman's union that the workman worked under different authorities of the NE Railway for 13 months and 27 days; but his services were not regularized after screening whereas other workmen junior to the workman were screened and regularized. The case of the workman's union was not controverted by the management of the railways even by filing its written statement; however its authorized representative was present on several dates before this Tribunal and requested for date for filing the same. When the opposite party did not file any written statement in support of its case, the case was ordered to proceed ex-parte against the management and thereafter the management did not bother about making any effort to recall the ex-parte orders.

9. I have scanned entire evidence on record. The schedule of reference order is regarding validity of the action of the management about non-inclusion of the workman, Jalaluddin in the screening held in 1996-97 and not giving him employment even having worked up to 1-8-1985 as substitute Khalasi; but the workman's union in its statement of claim has not contested that it has worked from 16-6-81 to 15-10-81, from 14-6-84 to 25-9-84, from 1-5-86 to 31-7-86 and from 30-4-91 to 13-8-91. Thus, from the own pleadings of the workman's union it comes out that the workman worked up to 13-8-91 and in para 2 of its statement of claim it has submitted that above working days may be verified from office order dated 13-5-91, which is annexed as annexure - 1 to the statement of claim. Apart from filing photocopy of order dated 13-5-91, the workman's union has not filed any document to sustain that the workman actually worked with the opposite party for the duration claim by it.

10. It is well settled that if a party challenges the legality of the action; the burden lies upon it to prove illegality of the action and if no evidence is produced, the party invoking jurisdiction of the court must fail. In the present case burden was on the workman's union to set out the grounds to challenge the validity of action of the management in not including him in the screening of the year 1996-97 even having worked up to 1-8-1985 and to prove that the action of the management of the railways was illegal. It was the case of the workman's union that the workman had worked with the opposite party for 13 months and 27 days, even then he has not been screened and made regular. Although this claim has not been denied by the management; even then it was for the workman's union to lead evidence to show that the workman in fact worked during the duration, claimed by it. In (2002) 3 SCC 25 Range Forest Officer Vs S.T. Hadimani Hon'ble Apex Court has observed as under:

> "Filing of an affidavit is only his own statement in his favour and that can not be regarded as sufficient evidence for any court or tribunal to come to the conclusion that a workman had, in fact, worked for 240 days or order or record of appointment or engagement for that period was produced by the workman. On this ground alone, the award is liable to be set aside. "

15. Analyzing its earlier decisions on the aforesaid point Hon'ble Apex Court has observed in 2006 (108) FLR R.M. Yellatti & Asstt. Executive Engineer as follow:

> "It is clear that the provisions of the evidence Act in terms do not apply to the proceedings under Section 10 of the Industrial Disputes Act. However, applying general principles and on reading the aforestated judgments we find that this Court has repeatedly taken the view that the burden of proof is on the claimant to show that he had worked 240 days in a given year. This burden is discharged only upon the workman stepping in the witness box. This burden is discharged upon the workman adducing cogent evidence, both oral and documentary. In cases of termination of services of daily wages earner, there will be no letter of appointment or termination. There will also be no receipt or proof of payment. Thus, in most cases, the workman (claimant) can only call upon the employer to produce before the Court the nominal muster roll for the given period, the letter of appointment or termination, if any, the wage register, the attendance register etc. Drawing of adverse inference ultimately would depend thereafter on facts of each case. The above decisions however make it clear that mere affidavits or self serving statements made by the claimant/ workman will no suffice in the matter of discharge of the burden placed by law on the workman to prove that he had worked for 240 days in a given year. The above judgments further lay down that mere non production of muster rolls per se without any plea of suppression by the claimant workman will not be the ground for the tribunal to draw an adverse inference against the management."

16.In the present case the workman in its affidavit has sated that he has worked as for 13 months and 27 days in total with the opposite parties and even then he has not been made regular after screening. He has further stated that the workman junior to him whose name had been reflected at serial nos. 2 to 5 in the office order dated 13-5-91 have been screened in the screening for the year 1996-97 and were made regular. But has not field any documentary evidence, except for order dated 13-5-91, to support his contention that he actually worked for 13 months and 27 days and he was entitled to the screened. The office order dated 13-5-91, which has been filed by

1331 GI/12-22

the workman's union in support of its contention regarding working days of the workman is nothing but an order whereby the workman and four other workmen had been engaged as Casual Labour Waterman on daily wages against Hot Weather Establishment for 03 months. It is very specifically mentioned in the said office order that "they (workmen) automatically be discharged on an from 13-08-91 and will have no claim for their regular absorption in service." Accordingly, from above office order, relied by the workman's union it comes out that the workman had worked with the opposite party for 03 months only.

17. Admittedly, the management of the railways did not turn up to contest its case or to deny that the claim of the workman's union; but this does not mean that the claim of the workman's union is liable to be accepted even in absence of the cogent evidence/proof of working. All casual labours engaged in the railways are provided with Casual Labour card which is though maintained by the railway but is retained by the concerned casual labour. This Casual Labour Card has all details regarding working days and unit where the casual labour works and this is the best evidence on the part of a casual labour that he actually worked with the railways and to substantiate its contention regarding working days the workman must have field its casual labour card; but it has neither filed the same nor has made any whisper regarding its lost or its retention by the management. Thus, the lack of proof weakens the contention of the workman's union that the workman actually worked for the duration claimed by it.

18. Further, the authorized representative of the workman's union has contented that the termination of the services of the workman w.e.f. 14-8-91 (mentioned as 1-8-85 in the reference order), without giving him notice or retrenchment compensation is contrary to the Rule 2304, Chapter XXIII and Rule 2511, Chapter XXV of the Indian Railway Establishment Manual.

The workman's union has relied on 1192 (64) FLR 1137 U.P. State Food and Essential Commodities Corpn. and another VS. Krishna Kumar Dubey which relates to termination of services of workman without complying with the provisions of Section 25 F in spite of continuous working for more than 240 days. The present case is not applicable in the instant case as it not the case of the workman's union that the workman was terminated in violation of provisions of Section 25 F on the contrary it has pleaded the workman was not screened and made regular.

In 1999 (81) FLR 746 Samishta Dube vs. City Board Etawah and another, relied by the workman's union relates to 'First come last go' rule and in 2010 (124) FLR 1067 Haryana State Industrial Development Corporation Ltd. Vs. Presiding Officer, Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hisar and another relates to termination of senior and retaining of junior; whereas in the present case the workman has not sustained through cogent evidence that who were the juniors to him and who were retained by the management. In this regard he has filed only office order dated 13-5-91, paper No. 4/4, which is just an engagement order in respect of workman and four other workmen for a period of three months only and in the said office order no where it is mentioned that the other workman are juniors to the workman. Also, he has not filed any order showing that said workmen had been screened or regularized.

In 1992 (64) FLR 1055 Union of India and others vs. Basant Lal and others Hon'ble Apex Court has observed that a casual labour employed in the construction work on the open line hen they would acquire a temporary status after continuous employment of 120 days, but if the workers were employed on a project work then they can acquire temporary status only after completing 360 days of service. But, in the present case the workman's union has utterly failed to prove that the workman was employed in construction work on the open line or was employed on a project work.

In 2003 (96) FLR 1094 the Union of India and another vs. Girja Shankar and others Hon'ble Allahabad High Court has observed that in accordance with Railway Establishment Manual, Chapter XXV Rule 2511 the workman remained in service for more than 120 days, he acquired status of temporary government Servant; but in the present case there is no specific pleading from the workman's union that the workman was employed in construction work on the open line and he competed mandatory period of 120 days' working.

Likewise other case laws, relied upon by the workman are not applicable with reference to the pleading of the present case.

19. In the instant case, the main contention of the workman's union is that the workman was not screened even after having worked for 13 months 27 days, as per details given hereunder :

(i) From 16-06-81 to 15-10-81 for 120 days.

(ii) From 14-06-81 to 25-09-84 for 107 days.

(iii) From 01-05-86 to 31-07-86 for 90 days.

(iv) From 30-0-91 to 13-08-91 for 102 days.

The workman's union has not filed any documentary proof in support of working days claimed by it, even the Casual Labour Card, which is retained by the workman, containing all details regarding working days, has not been filed. Further, as observed by Hon'ble Apex Court in 1992 (64) FLR 1055 Union of India and others Vs. Basant Lal and others a casual labour employed in the construction work on the open line hen they would acquire a temporary status after continuous employment of 120 days, but if the workers were employed on a project work then they

can acquire temporary status only after completing 360 days of service. But, in the present case there is no whisper from the workman's union that whether the workman was employed in construction work on the open line or was employed on a project work.

Thus, in absence of specific pleadings from the workman's union about engagement of the workman in construction work on the open line or on a project work it is hard to draw a finding as to when the workman became entitled for grant of temporary status. Also, lack of any substantive proof weakens the case of trade union, as Hon'ble Apex Court in (2002) 3 SCC 25 Range Forest Officer vs S. T. Hadimani Hon'ble Apex Court has observed that filing of an affidavit is only his own statement in his favour and that cannot be regarded as sufficient evidence to arrive at a conclusion that the workman actually worked so.

20. There is no document on record to show that the workman actually worked as casual labour for the duration alleged by the workman's union and thus he was entitled for grant of temporary status. As it only temporary status attained casual labour are screened on existence of vacancy, therefore, it is hard to draw a finding to the effect that he workman was entitled for getting screened. The office order dated 13-5-91, which is claimed to be in support of working days by the workman, does not suffice the need and accordingly, the claim of the workman's union falls for the want of evidence. Mere pleadings are no substitute for proof. Initial burden of establishing the fact of continuous work for required number of days was on the workman's union but it has failed to discharge the above burden. There is no reliable material for recording findings that the workman had worked for the duration alleged and he was entitled for grant of temporary status and thereafter for screening in the year 1996-97 and the alleged unjust or illegality was committed to the workman.

21. Accordingly, the reference is adjudicated against the workman's union and I come to the conclusion that the action of the management of North Eastern Railways in terminating the services of the workman rather screening him in the year 1996-97 and regularizing him was neither unjustified nor illegal; hence, the workman, Jalaluddin is not entitled to any relief.

22. Award as above.

Dr. MANJU NIGAM, Presiding Officer

Lucknow
19-3-2012.

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2012

का.आ.1519.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूको बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जयपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 68/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-3-2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/72/2006-आई आर (बी-II)]

शीश राम, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 3rd April, 2012

S.O.1519.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 68/2006) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Jaipur now as shown in the Annexure in the industrial Dispute between the employers in relation to the management of UCO Bank and their workman, which was received by the Central Government on 28-3-2011.

[No. L-12011/72/2006-IR (B-II)]

SHEESH RAM, Section Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JAIPUR

Presiding Officer : Sh. N. K. Purohit

I.D. 68/2006

Reference No. L-12011/72/2006 IR (B-II)

Dated 17-10-2006

The State Secretary

UCO Bank Employees' Association

C/o UCO Bank, Panch Batti,

M. I. Road, Jaipur.

V/s.

The General Manager (Operation)
UCO Bank, Head Office,
10, BTM Sarni, Kolkata-700001.

AWARD

8-2-2012

1. The Central Government in exercise of the powers conferred under clause (d) of sub-section 1 and 2 (A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following Industrial dispute to this tribunal for adjudication :—

> "Whether the action of the management of UCO Bank through Assistant General Manager, Jaipur in awarding the punishment of reducing of pay of Shri Laxman Singh, clerk by one stage of his pay scale by its order dated 6-12-2005 is justified ? If not, what relief the workman is entitled to?"

2. The union in his claim statement has stated that the workman is working as clerk in the non-applicant bank. Non-applicant no. 2 issued a charge sheet to the workman on 6-11-04 when he was posted at the Banipark branch of the bank and without affording opportunity to file his reply, the enquiry officer was appointed on 13-12-04. The enquiry report was submitted on 4-6-05. The workman filed his representation against the said enquiry vide his letter dated 8-7-05. Thereafter, the non-applicant no. 2 vide its letter dated 29-7-05 issued a show cause notice to him. The workman filed his reply on 8-8-05. After affording opportunity of personal hearing vide order dated 17-8-05 the disciplinary authority awarded punishment of reducing of pay of the workman by two stage of his pay scale and excluding subsistence allowance, pay and other allowances of suspension period were forfeited and his suspension period was considered as period not spent on duty. In appeal against the said order, the appellate authority awarded the punishment of reducing of pay by one stage of his pay scale.

3. The union has challenged the impugned order of the disciplinary authority dated 6-12-05 and appellate authority dated 17-8-05 on the ground of violation of principle of natural justice. The union has alleged that the appointment of enquiry officer was against the rules and principle of natural justice because the workman was charge sheeted on the basis of complaint of non-applicant no. 2 who himself was disciplinary authority therefore, appointment of enquiry officer who was subordinate to him was against the principle of natural justice. It has further been alleged that the witnesses produced were senior to the enquiry officer and were also posted on higher posts and documents were exhibited without any evidence. The documents requested by the workman were not provided to him and he was not given opportunity to produce defense evidence. It has also been alleged that finding of the enquiry officer are preversed. The union has prayed to declare the impugned order dated 6-12-05 and 17-8-05 as illegal and unjustified and for giving consequential benefits to the workman accordingly.

4. In reply, the management has denied the claim of the union. The management has averred that despite several opportunities given to the workman, he did not file his reply to the charge sheet. The appellate authority has only modified the punishment of reducing of pay by one stage of his pay scale instead of two stages. The rest of the punishment has not been changed. The enquiry was conducted as per law. The enquiry cannot be considered as vitiated merely on the grounds that witnesses were senior to the enquiry officer. The workman was given sufficient opportunity to produce his defense. The impugned orders are valid and justified; therefore, claim of the union deserves to be rejected.

5. At the stage of hearing on the point of fairness of enquiry, directions were given to non-applicant to produce the entire record of the domestic enquiry but non-applicant despite directions to produce the said record. On 28-7-11 none appeared on behalf of the non-applicant, therefore, ex-party proceedings were drawn against the non-applicant.

6. Heard ex-party arguments of learned representative appearing on behalf of the union.

7. The learned representative on behalf of the union contends that the management has failed to produce entire enquiry record, therefore, in absence of any record the enquiry be declared unfair and the impugned order of punishment be declared illegal and unjustified. In this regard he has relied on 2003 LAB IC 2346 (Bom.) and copy of order of the Hon'ble Raj. High Court dated 11-8-09 passed in S.B. Civil Writ petition no. 3891/96 C.S.K. Samiti Ltd. V/s Judge, Labour Court, Jaipur and others.

8. The union in his claim statement has alleged that enquiry conducted against the workman was unfair and against the principle of natural justice, therefore, it was imperative on the part of the management to produce the entire disciplinary proceedings record to show that enquiry was conducted in consonance with the principle of natural justice.

9. In 2003 LAB IC 2346 (Bom.) the workman was dismissed from service after holding disciplinary enquiry against him but complete enquiry papers were not produced before the labour court. Hon'ble High Court while holding the enquiry vitiated observed as under :—

> "The entire enquiry proceedings with the report of the enquiry officer must be produced before the Labour Court and not trunketed documents of the proceedings to rely upon. In the instant case the Labour Court was at loss to find out what papers were missing which perhaps would have helped the delinquent workmen in the enquiry. It is possible to level charge against the management that some documents which would have gone against the management and which would have favoured the delinquent workmen, were deliberately withheld by the management from the enquiry officer or from the Labour Court. To avoid such serious charges it is a duty of the employer to produce the whole proceedings of the enquiry including the reports of the enquiry officer before the Labour Court. The employer has not perfomed this simple act which it was supposed to do."

10. In order dated 11-8-09 passed in S.B. Civil Writ Petition No. 3891/96 Labour Court declared the domestic enquiry as unfair because despite assertion made by the workman that the enquiry is unfair, the petitioner therein did not produce the entire enquiry report before the labour court. Hon'ble Raj. High Court observed as below :—

"The petitioner failed to produce the relevant record before the Labour Court. In fact, the representative of the petitioner has shown his inability before him to produced the record. The Court was satisfied that he has no record except preliminary enquiry report and the Labour Court has taken the view that enquiry was not held in conformity of principles of natural justice."

No case is made out for interference. The writ petition is disposed of."

11. In the present case, the management sought several adjournments for producing enquiry report. Subsequently, on 28-7-11 none appeared on behalf of the management, therefore, ex-party proceedings were drawn against the management. Under these circumstances, the non-applicant has failed to brought on record any record pertaining to domestic enquiry to justify their alleged action against the workman vide impugned order dated 6-12-05.

12. In view of the legal propositions enunciated in the decisions supra, in absence of any enquiry record it is deemed that the enquiry conducted against the workman was not fair and proper and enquiry stands vitiated.

13. For the foregoing reasons, the impugned order of the disciplinary authority as well as the order of appellate authority dated 17-8-05 & 6-10-05 respectively are unjustified and the same are set aside. Resultantly, the workman is entitled to get all consequential benefits. The reference under adjudication is answered accordingly.

14. Award as above.

N. K. PUROHIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2012

का.आ.1520.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, नागपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआई/एनजीपी/36/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-3-2012 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/210/2000-आई आर (बी-II)]

शीश राम, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 3rd April, 2012

S.O.1520.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. CGIT/NGP/36/2005) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Nagpur now as shown in the Annexure in the industrial Dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 25-3-2012.

[No. L-12012/210/2000-IR (B-II)]

SHEESH RAM, Section Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI J. P. CHAND, PRESIDING OFFICER, CGIT-CUM-LABOUR COURT, NAGPUR

Case No. CGIT/NGP/36/2005 Date : 12-03-2012

Party No. 1 : The Zonal Manager,
Central Bank of India,
Zonal Office, Kamptee Road,
Nagpur-440001.

Versus

Party No. 2 : Shri Devidas S/o. Bapurao Ratnaparkhi
R/o. Ambika Nagar, Arni Road,
Tehsil-Darwha, Distt. Yavatmal (MS)

AWARD

(Dated : 12th March, 2012)

In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of section 10 of Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) ("the Act" in short), the Central Government has referred the industrial dispute between the employers, in relation to the management of Central Bank of India and their workman Shri Devidas Ratnaparkhi, for adjudication, as per letter No.L-12012/210/2000-IR (B-II) dated 21-04-2005, with the following schedule :—

"Whether the action of the management in relation to Central Bank of India in terminating the services of Shri Devidas Bapurao Ratnaparkhi, Central Bank of India, Darwha Branch, Tah. Darwha, Distt. Yavatmal on 30-04-2004 is legal & justified ? If not, what is the relief to which the workman is entitled ?"

2. On receipt of the reference, the parties were noticed to file their respective statement of claim and written statement and accordingly, the workman, Shri Devidas Ratnaparkhi ('the workman" in short), filed the statement of claim and the management of the Central Bank of India ("Party No. 1" in short) filed its written statement.

The case of the workman as projected in the statement of claim is that he was working with party no. 1 as a peon, from 1991 till 30-04-2004, continuously and sincerely without any break and he had completed more than 240 days of work in each and every year during the said period and the party no. 1 without following the mandatory provisions of sections 25-F and 25-G of the Act and without giving one month's notice or making payment of one month's wages in lieu of notice and retrenchment compensation terminated his services illegally and improperly, adopting unfair labour practice and the entire records regarding his service are with party no.1 and the termination of his services without compliance of the mandatory provisions of the Act is illegal and improper and is liable to be set aside. It is further pleaded

by the workman that the party no.1 also did not follow the mandatory provisions of section 25-G of the Act and did not adopt the principles of "last come first go", while terminating his services and also did not display any seniority list and retained his juniors in service and also employed new employees in breach of section 25- H of the Act and the party no.1 also fabricated and prepared false record and documents and made false entries in the records.

The workman has prayed to declare the order of termination of his services as illegal and for his reinstatement in service with continuity and full back wages.

3. The party no. 1 in the written statement has pleaded inter-alia that the workman was never employed as its regular or permanent employee and he was engaged on daily wages as a casual worker, as and when required at Darwha branch and the allegation of illegal termination of his services is absolutely false and he being a daily wager has absolutely no right to claim reinstatement in service and sections 25-F, 25-G and 25-H of the Act have no application to the present case and the workman was given to understand that the engagement was only a stop gap/temporary arrangement and he was engaged depending upon the availability of work and it would not create any vested right in him to claim regularization or permanency in the bank's service and it is a Nationalized Bank and it is required to follow the proper recruitment procedure in case any vacancy is to be filled in and if any person is to be recruited against a clear vacancy in class IV vacancy, his candidature must be recommended by the concerned Employment Exchange and no objection certificated from the Employment Exchange for carrying out recruitment is also a condition in this regard and it is already held by the Hon 'ble Apex Court in a series of judgments that even if a casual or daily rated employee has completed 240 days of continuous service in a year, he cannot claim regularization or permanency as a matter of right, particularly in public sector undertakings and Government departments, in as much as a course of action would tantamount to offering backdoor entry and the workman was not appointed on a regular basis against any vacancy and his name was not borne on the muster roll of the branch and there was no employer-employee relationship between it and the workman and the workman was paid his remuneration at daily-rate on vouchers and there was never any deduction from his wages towards LIC premium, Provident fund etc and the workman worked as a casual employee on daily wages as and when required during the period from 01-07-1995 to 27-01-2004 and he worked intermittently and not continuously and the actual period of work of the workman is furnished as per annexure A and the allegations of the workman in respect of preparation of fabricated and false record by it are not only patently false but also malicious and defamatory and the workman is not entitled to any relief.

4. Both the parties have adduced oral evidence, in support of their respective claims, besides placing reliance on documents. The workman has examined himself as a witness in support of his claim. In his examination-in-chief, which is on affidavit, the workman has reiterated the facts mentioned in the statement of claim. However, in the cross-examination, he has admitted that he worked on daily wages in Darwha Branch and his name was not in the muster roll of permanent employees and he was being paid on vouchers only and no appointment order was issued in his favour and he had not appeared for any screening test, interview etc.

5. One Naresh B. Bajpal, an Asst. Regional Manager, has been examined as a witness on behalf of the party no. 1. This witness has also reiterated the facts mentioned in the written statement in his evidence. In his cross-examination the witness has stated that he has no personal knowledge of the tenure of the workman and the evidence given by, him is on the basis of the records. The witness for the management has admitted that the workman was doing the work of sweeping and other work of sub-staff and after 2004, they had not engaged the workman.

6. At the time of argument, it was submitted by the learned advocate for the workman that the workman worked with the Bank as a peon from 1991 to 30-04-2004 and he had completed more than 240 days of work in every calendar year which is proved beyond doubt from the evidence adduced by the workman, but the Bank terminated the services of the workman orally w.e.f. 30-04-2004, without giving one month's notice or one month's wages in lieu of notice and retrenchment compensation, as required under section 25-F of the Act and due to non-compliance of the mandatory provisions of section 25-F of the Act, the termination of the services of the workman is illegal and as such, he is entitled for reinstatement in service with continuity and full back wages. It was further submitted by the learned advocate for the workman that the Bank also violated the provisions of sections 25-G and 25-H of the Act, as no seniority list of the daily wagers was published and juniors to the workman were retained in service by the bank and new employees were also appointed by the bank and therefore, the reference is to be answered in favour of the workman.

7. On the other hand, it was submitted by the learned advocate for the party no.1 that the workman was not a regular or permanent employee of the Bank and his engagement was on daily wages basis as a casual worker as and when required and the workman had not completed 240 days of work either in any calendar year or the preceding 12 months of the alleged dated of termination and the workman in his evidence has admitted that no appointment letter was issued to him and he did not appear in any test or interview and as such, there is no question of the application of sections 25- F, 25-G and 25- H of the Act. It was also urged that as the initial engagement of the workman was not in accordance with the prescribed rules

of appointment, the workman is not entitled for reinstatement in service, as per the principles enunciated by the Hon'ble Apex Court in a number of decisions.

8. Perused the record including the statement of claim, written statement and the oral and documentary evidence adduced by the parties and found that the workman was engaged on daily wages as a casual worker by party no. 1 and not on permanent basis. It is also clear that the engagement of the workman was not by following the due procedure of appointment applicable to the Bank. It is well settled by the Hon'ble Apex Court in a number of decisions that a temporary workman, who is not appointed in accordance with the terms of the relevant Rules of appointment, has no right to claim regular appointment and if the appointment is on casual basis, the same would come to an end, when it is discontinued and similarly, a temporary employee has no right to claim to be made permanent and on the expiry of the term of his appointment, he is not entitled for reinstatement in service.

9. In this case, the case of the workman is that he had worked from 1991 till 30-04-2004 continuously without any break and completed more than 240 days of work in every calendar year. Such claim has been denied by party no .1. In view of the stands taken by the parties, I think it apt to mention the principles enunciated by the Hon'ble Apex Court in this regard, before embarking upon the discussion of the merit of the case.

The Hon'ble Apex court, in the decision reported in AIR 1966 SC-75 (Employees,Digawadih colliery Vs. Their workmen) have held that :—

"Though section 25-F speaks of continuous service for not less than one year under the employer, if the workman has actually worked for 240 days during a period of 12 calendar months both the conditions are fulfilled. The definition of "Continuous Service" need not be read into section 25-B. The fiction converts service of 240 days in a period of twelve calendar months into continuous service for one complete year. The amended section 25- B only consolidates the provisions of section 25(B) and 2(eee) in one place, adding some other matters. The purport of the new provisions, however, is not different. In fact, the amendment of section 25-F of the principal Act by substituting in clause (b) the words "for every completed year of continuous service" has removed a discordance between the unamended section 25 B and the unamended Cl. (b) of section 25-F. No uninterrupted service is necessary it the total service is 240 days in a period of twelve calendar months either before the several changes or after these. The only change in the Act is that this service must be during a period of twelve calendar months preceding the date with reference to which calculation has to be made. The last amendment has now removed a vagueness which existed in the unamended section 25-B".

In the decision reported in AIR 1981 SC-1253 (Mehanlal Vs. M/s. Bharat Electronics Ltd.), the Hon'ble Apex Court have held that,

"Industrial Disputes Act (14 of 1947). Section 25-B (1) and (2)-Continuous service-Scope of sub-sections (1) and (2) is different, (words and phrases-Continuous Service)

Before a workman can complain of retrenchment being not in consonance with Section 25-F, he has to show that he has been in continuous service for not less than one year under that employer, who has retrenched him from service. Section 25-B as the dictionary clause for the expression "continuous". Both in principle and are precedent it must be held that section 25-B (2) comprehends a situation where a workman to not in employment for a period of 12 calendar months, but has rendered for a period of 240 days within the period of 12 calendar months commencing and counting backwards from the relevant date, i.e. the date of retrenchment. If he has, he would be deemed to be in continuous service for a period of one year for the purpose of section 25-B and chapter V-A".

The Hon'ble Apex Court in the decision reported in AIR 2003 SC-38 (M/s. Essen Deinay Vs. Rajeev Kumar) has held that:

"Industrial Disputes Act (14 of 1947- S.25-F, 10-Retrenchment compensation-Termination of services without payment of Dispute referred to Tribunal, Case of workman/claimant that he had worked for 240 days in a year preceding his termination. Claim denied by management— Onus lies upon claimant to show that he had in fact worked for 240 days in a year. In absence of proof of receipt of salary workman is not sufficient evidence to prove that he had worked for 240 days in a year preceding his termination."

So, it is clear from the principles enunciated by the Hon'ble Apex Court in the decisions mentioned above that for applicability of section 25-F of the Act, it is necessary to prove that the workman worked for 240 days in preceding 12 calendar months commencing and counting backwards from the relevant date and the burden of such proof is upon the workman. So, keeping in view the settled principles enunciated by the Hon'ble Apex Court, now, the present case at hand is to be considered.

10. The present case at hand in now to be considered with the touch stone the principles enunciated by the Hon'ble Apex Court and it is to be found out if the workman has been able to prove that he had infact worked at least for 240 days in a year preceding his termination. According to the workman, his services were orally terminated on 30-04-2004. So, it is necessary to prove that in the preceding twelve calendar months of 30-04-2004, the workman had worked for 240 days.

Besides his own oral evidence, the workman has produced several documents in support of his claim and the documents have been marked as Exts. W-5 to W-16. Ext W-5 is the copy of the certificate granted by the Bank in favour of the workman in respect of the working days from 1991 to 31-3-1995 and according to the said certificate, the workman worked for 177 days, 186 days, 68 days, 88 days and 59 days in 1991, 1992, 1993, 1994 and till March, 1995 respectively. Ext. W-6 is a letter written by the branch manager regarding regularization of the workman in 1997-98, Ext. W-16 is a certificate granted in 1998 about the workman working in the Bank on daily wages for three years, Ext. 7 is a letter written by the Branch Manager on 02-04-1999 regarding the regularization of the workman and Ext. W-8 is a letter dated 14-01-2000 of the Regional Manager to the Branch Manager to submit the days of engagement of the workman in the Bank. Ext. W-9 is the copy of the letter submitted by the Branch Manager, showing the date of the engagement of the workman from 1991 to 1999. According to the document Ext. W-9, the workman had worked as part time sweeper for 42 days, 20 days, 122 days, 34 days, 51 days, 35 days, 33 days and 331 days in 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997, and 1998 respectively and on full time for 130, 164, 64, 53, 88, 285, 314 and 258 days in 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997, and 1999 respectively, Ext. W-10 is a letter written by the Branch Manager to the Regional Office on 12-02-2000 regarding the reason of engagement of the workman in the bank, Ext. W -11 is a letter written by the Branch Manager to the Regional office on 15-05-2000 regarding forwarding particulars of the workman, Ext. W-12 is a letter written by the Branch Manager on 16-05-2000 regarding payment of wages of the workman, Ext. W-13 is a letter written by the Branch Manager regarding the working days of the workman for 243 days, 311 days, 363 days and 258 days in 1996, 1997, 1998 and 1999 respectively, Ext. W-14 is also a letter of the Branch Manager written on 25-05-2001, regarding the temporary engagement of the workman and Ext. W-15 is a letter showing that the workman was working on 03-06-2003. None of the documents filed by the workman shows that the workman had infact worked for 240 days in the preceding of 12 months of 30-04-2004. In fact, no document has been filed by the workman to prove that he worked with party no. 1 after 03-06-2003. As he has failed to show that the workman actually worked for 240 days in the preceding 12 months of 30-04-2004, it is held that the provisions of Section 25-F of the Act are not applicable.

There is also no legal evidence on record to show that any other daily wager was working in the Bank and that junior to the workman were retained in service or that new employees were engaged in the Bank after termination of the workman. Hence, provisions of Sections 25-G and 25-H are also not attracted in this case. Hence, it is ordered :—

ORDER

The action of the management in relation to Central Bank of India in terminating the services of Shri Devidas Bapurao Ratnaparkhi, Central Bank of India, Darwha Branch, Tah. Darwha, Distt. Yavatmal on 30-04-2004 is legal and justified. The workman is not entitled to any relief.

J. P. CHAND, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 2012

का.आ. 1521.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, नागपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी/एनजीपी/13/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-03-2012 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल.-12012/174/2000-आई आर (बी-II)]

शीश राम, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 3rd April, 2012

S.O. 1521.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT/NGP/13/2001) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Nagpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between employers in relation to the management of Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 25-3-2012.

[No. L-12012/174/2000-IR (B-II)]

SHEESH RAM, Section Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI J. P. CHAND PRESIDING OFFICER, CGIT-CUM-LABOUR COURT, NAGPUR

Case No. CGIT/NGP/13/2001 Dated : 05-03-2012

Party No.1 : The Asstt. General Manager,
Bank of India, S.V. Patel Road, Near
Railway Station, Nagpur-440 001

V/s

Party No. 2 : Shri Metha Kuksu Gedam
R/o Edodi (Danddegaon), Tal. & Dist.
Gondia-441606 (Maharashtra).

AWARD

(Dated: 05th March, 2012)

This is a reference made by the Central Government for adjudication of the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of India

and their workman, Shri Matha Kuksu Gedam ("the workman" in short) as per letter No.L-12012/174/2000-IR(B-II) dated 26-02-2001/2-3-2001 with the following schedule:-

"Whether the action of the management of Bank of India through the Zonal Manager, Nagpur in dismissal from services of the bank without notice to Shri Matha S/o Kuksu Gedam, workman of the aid bank is legal, proper and justified? If not, what relief the said workman is entitled and from what date?".

2. On receipt of the reference, the parties were noticed to their respective statement and accordingly, the workman filed his statement of claim and the management of the Bank of India (here-in-after referred to as the Party No. 1) filed its written statement.

3. The case of the workman is that he came to be appointed as a Peon with the Party No.1 on 4-12-1980 and was posted at Ekodi branch in the Dist. of Gondia and he is a workman and the Bank is an industry as defined in the Industrial Disputes Act, 1947 ("the Act" in short) and the Bank being a commercial establishment, provisions of the standing orders are applicable to it, which have got overriding effect and on 8-1-1997, a charge sheet was submitted against him containing false charges and an enquiry was conducted against him in a most illegal and arbitrary manner and the charge sheet was submitted under the provisions of Bipartite Settlement and not under the standing orders, which have got overriding effect and as such, no enquiry could have been conducted and the charge sheet was barred by limitation and relevant documents were not supplied to him alongwith the charge sheet and the Inquiry Officer, Shri T.G. Jankiraman did not know Hindi and as such, the Inquiry Officer conducted the enquiry in English, a foreign language for him and he requested to conduct the enquiry in Hindi, but the Inquiry Officer recorded the proceedings in English and none of the documents and so also the charge sheet were read over and explained to him and he was not allowed to engage an advocate to defend him and he was also not allowed for cross-examination of the management witnesses and to examine witnesses from his side and as the enquiry report was in English, he could not able to understand the same and the enquiry was conducted in violation of the principles of the natural justice and the findings recorded by the Inquiry Officer are illegal and perverse and in fact, no charge was proved against him and the appeal preferred by him against the order of dismissal passed on 24-9-1997 came to be dismissed by the Appellant Authonty by order dated 11-11-1997 mechanically, without giving personal hearing to him and his past records were not considered at the time of passing the order of dismissal from services and the punishment of dismissal from services is shockingly disproportionate to the charges leveled against him. The workman has prayed to set aside the order of dismissal from service dated 24-9-1997 and to reinstate him in service with continuity, back wages and all consequential reliefs.

4. Party No.1 in its written statement has pleaded inter-alia that the workman was appointed in the Bank on 4-12-1980 as a daily wages sepoy and was posted at Ekodi branch and he was appointed in permanent service w.e.f. 1-9-1983 and Standing Orders are not applicable to the Bank and the workmen staff of Bank of India, called as "award staff' are governed by the awards of Shastri Tribunal and Desai Tribunal and by the Bipartite Settlements and the charges leveled against the workman were not false and the departmental enquiry was held in accordance with the procedure laid down by the provisions of the Bipartite Settlement governing the award staff and in consonance with the principles of natural justice and the workman was given full opportunity to defend his case and the charges were not barred by law of limitation and the charge sheet was submitted on 8-1-1997, immediately after the misconduct came to light and reported to the Disciplinary Authority and the workman was supplied with all the relevant documents, which were duly admitted in the enquiry and there was no objection from the side of the defence representative for admission of the said documents and the workman was defended by the defence representative, who was well versed in Marathi and English and the charge sheet was explained to the workman in his own language and he understood the same and the workman on 4-2-1997 admitted before the Inquiry Officer that the contention of the charge sheet was understood by him, after the same was read over and explained to him and the defence representative on 14-2-1997 also did not raise any objection that the charge sheet was not understood by them or that they found any difficulty in understanding the enquiry proceedings and during the entire period of the enquiry, no objection was raised from the side of the workman that the enquiry proceedings were not understood by him and there was never any request from the side of the workman to allow him to engage advocate and all the 5 witnesses produced by the management in the enquiry, were cross-examined by the defence representative and the workman examined himself as a witness in his defence and also intimated of his having no other witness for examination in the enquiry and the findings of the Inquiry Officer are not illegal and perverse and the findings are based on evidence on record and the Appellant Authority passed the order after going through all the relevant records, findings of the Inquiry Officer, submission made by the defence representative and the documents adduced in the enquiry and the punishment imposed against the it was proved that the workman is not shockingly workman disproportionate as misappropriated the Bank's fund fraudulently and also forged Bank's record and as such, the punishment is proportionate to the gravity of the misconduct proved against the workman and the workman is not entitled for any relief.

5. As this is a case of dismissal of the workman services, after holding a departmental enquiry, the validity of the departmental enquiry was taken as a preliminary issue for consideration and by order dated 26-04-2011, the departmental enquiry held against the workman was found to be legal, proper, justified and by following the principles of natural justice.

6. It is necessary to mention here that as on the date of hearing of argument, neither the workman nor his advocate appeared to make argument, the case was proceeded ex-parte against the workman.

7. At the time of argument, it was submitted by the learned advocate for the party no. I that by order dated 26-04-2011, the Tribunal has already found the departmental enquiry held against the workman to be legal and proper and in accordance with the principles of natural justice and the six charges leveled against the workman have been conclusively proved in a properly conducted departmental enquiry and the charges were also admitted by the workman and as such, the findings of the enquiry officer cannot be said to be perverse and the punishment imposed against the workman is not shockingly disproportionate and the workman is not entitled to any relief.

8. Before delving into the merit of the matter, I think it proper to mention the settled principles regarding the power of a Tribunal in interfering with punishment awarded by the competent authority in departmental proceedings. In a number of decisions, the Hon'ble Apex Court have held that:-

"The jurisdiction of the Tribunal to interfere with the diciplinary matters or punishment cannot be equated with an appellate jurisdiction. The Tribunal cannot interfere with the findings of the Inquiry officer or competent authority where they are not arbitrary or utterly perverse. The power to impose penalty on a delinquent officer is conferred on the competent authority either by an Act of legislature or rules made under the proviso to Art. 309 of the Constitution. If there has been an enquiry consistent with the rules and in accordance with principles of natural justice, what punishment would meet the ends of justice is a matter exclusively within the jurisdiction of the competent authority. If the penalty can lawfully be imposed and is imposed on the proved misconduct, the Tribunal has no power to substitute its own discretion for that of the authority. The adequacy of penalty unless it is malafide is certainly not a matter of the Tribunal to concern itself with. The Tribunal also cannot interfere with the penalty if the conclusion of the Inquiry Officer or the competent authority is based on evidence even if some of it is found to be irrelevant or extraneous to the matter."

9. Now, the present case at hand is to be considered with the touch stone of the principles enunciated by the Hon'ble Apex Court as mentioned above. On perusal of the materials on record, it is found that the enquiry officer has based his findings on the materials on record of the departmental proceeding. He has assigned cogent reasons in support of such findings. This is not a case of no evidence. Hence, it cannot be said that the findings of the enquiry officer are perverse.

10. So far the question of punishment is concerned; it is found that serious misconducts have been proved against the workman in a properly held departmental enquiry. In this instant case, the workman has been found to be guilty of defrauding and cheating the bank and also of committing misappropriation and other serious misconducts. There is nothing wrong in the bank losing confidence of faith in such an employee and awarding punishment of dismissal. The workman was holding a position of trust, where honesty and integrity were inbuilt requirements of functioning and therefore, the matter required to be dealt with firmly and not leniently. Hence, the punishment of dismissal from services of the workman cannot be said to be shockingly disproportionate to the proved misconducts. Hence, it is ordered:

ORDER

The action of the management of Bank of India through the Zonal Manager, Nagpur in dismissal from services of the bank without notice to Shri Matha S/o Kuksu Gedam, workman of the said bank is legal, proper and justified. The workman is not entitled to any relief.

J. P. CHAND, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 2012

का.आ.1522.—केन्द्रीय सरकार संतुष्ट हो, जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उप-खण्ड(vi) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ..... दिनांक 24-10-2011 द्वारा भारतीय खाद्य निगम जो कि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 6 में शामिल है को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए दिनांक 27-10-2011 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था:

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उप-खण्ड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए दिनांक 27-04-2012 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[फा. सं. एस.-11017/5/91-आई आर (पी एल)]

चन्द्र प्रकाश, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 11the April, 2012

S.O. 1522.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so requires that in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of the clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Emloyment, dated 24-10-2011 the service in the Food Corporation of India (FCI) which is covered by item 6 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act,1947 (14 of 1947) to be a Public Utility Service for the purpose of the said Act, for a period of six months from the 27th October, 2011.

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Dispute Act,1947, the Central Government hereby declares the said industry to be a Public Utility Service for the purposes of the said Act, for a period of six months with effect from the 27th April, 2012.

[F. No. S-11017/5/91-IR (PL)]

CHANDRA PRAKASH, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 2012

का.आ.1523.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी/एलसी/आर/130/97) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-03-2012 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल.-12012/124/96-आई आर (बी-II)]

शीश राम, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 11th April, 2012

S.O. 1523.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT/LC/R/130/97) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Jabalpur now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workman, which was received by the Central Government on 23-3-2012.

[No. L-12012/124/96-IR (B-II)]

SHEESH RAM, Section Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/R/130/97

PRESIDING OFFICER: SHRI MOHD. SHAKIR HASAN

Shri Kailash Kumar Yadav,
C/o Shri Pawan Sahu,
Near Talwar Bhawan,
Subhash Nagar, Kasaridih,
Durg (CG) .....Workman

Versus

The Branch Manager,
Bank of Baroda,
Civic Centre,
Bhilai ..... Management

AWARD

Passed on this 6th day of March, 2012

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L- 12012/124/96-IR(B-II) dated 13-5-97 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:-

> "Whether the action of the management of Bank of Baroda in respect of their Civic Centre Branch Bhilai in terminating the services of Shri Kailash Kumar Yadav, Messener w.e.f. 9-1-94 is legal and justified? If not, to what relief the said workman is entitled?"

2. The case of the workman, in short, is that he was appointed as Messenger on 1-8-1993 after verifying his testimonies and worked continuously till 8-1-1994 for a total period of 161 days including weekly offs and holidays. He was illegally and arbitrarily discontinued and appointed new person from 9-1-1994 and again appointed Shri Manoj Kumar after terminating him. It is stated that he was terminated in violation of Section 25-F, 25-G and 25-H of the Industrial Dispute Act, 1947 (in short the Act, 1947). It is stated that the management has also violated the provision of Shastri Award. It is submitted that the workman be reinstated with back wages and all consequential benefits.

3. The management appeared and filed Written Statement to contest the reference. The case of the management interalia is that the reference is bad in law. Shri Kailash Kumar Yadav was engaged by the Branch Manager for sweeping of the branch premises as daily wager and the termination was not a retrenchment under the Act, 1947. It is stated that there is no violation of the provision of Section 25-F of the Act. It is submitted that there is no violation of the Shastri Award and the management is justified in disengaging him.

4. On the basis of the pleadings of the parties, the following issues are framed for adjudication-

I. Whether the action of the management in terminating the services of the workman w.e.f. 9-1-1994 is legal and justified?

II. To what relief the workman is entitled?

5. **Issue No. I**

The workman Shri Kailash Yadav is examined to prove his case. He was stated that he worked from 1-8-93 to 8-1-94 for 161 days only. This shows that the workman had not worked for a period of one year as provided under Section 25 B (2) of the Act, 1947. This is clear that when he had not worked for a period of one year, the provision of Section 25-F of the Act, 1947 is not attracted.

6. The workman has also filed photocopy of voucher which is admitted by the management and is marked as Exhibit W/1. The said voucher shows that he was engaged on daily wages. This voucher was only for six days. This shows that he was neither appointed as temporary employee nor as a regular employee. It is argued by the learned counsel for the management that Shastri Award is not applicable to the daily wager rether it is applicable to temporary or regular employee of the Bank. The workman has failed to show that Shastri Award is applicable to daily wager as well.

7. On the other hand, the management has also examined one witness. The management witness Shri Mir Fazhullah Hussan is Chief Manager. He has supported the case of the management. He has stated that Shri Kailash Yadav was never on the roll of the Bank. He was engaged by the Branch Manager on casual basis to meet the exigency. He was engaged on daily wages and his contract started in the morning and came to an end automatically after end of the day. He has stated that the provision of section 2(oo) (bb) of the Act, 1947 is attracted. He has stated that the workman has himself claimed that he worked only 161 days. His evidence also supports that the provision of the Act, 1947 is not violated. Thus this issue is decided in favour of the management and against the workman.

8. **Issue No. II**

On the basis of the discussion made above, I find that the workman is not entitled to any relief. Accordingly the reference is answered.

9. In the result the award is passed without any order to costs.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 2012

का.आ. 1524.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी/एलसी/आर/12/06) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-03-2012 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-12012/139/2005-आई आर (बी-II)]

शीश राम, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 11th April, 2012

S.O. 1524.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT/LC/R/12/06) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Jabalpur now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 25-3-2012.

[No. L-12012/139/2005-IR (B-II)]

SHEESH RAM, Section Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/R/12/06

PRESIDING OFFICER: SHRI MOHD. SHAKIR HASAN

Shri Vishwakarma,
S/o Shri Jairamji Vishwakarma,
PO Ghat Biroli, Tehsil Multai,
Betul .....Workman

Versus

The Regional Manager,
Central Bank of India,
Regional Office,
Above City Post Office,
Malgalwara, Hoshangabad. ..... Management

AWARD

Passed on this 7th day of March, 2012

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L- 12012/139/2005-IR(B-II) dated 20-4-06 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :-

> "Whether the action of the management of Regional Manager, Central Bank of India, Hoshangabad in terminating the services of Shri Ashok Vishwakarma w.e.f. 1-4-99 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The case of the workman, in short, is that he was appointed as a Farash to work as Sweeper in the year 1994 on the monthly pay of Rs. 440. He worked continuously till 31-3-99 in the management Bank at Ghat Viroli Branch. He had worked more than 240 days in a calendar year. He was terminated on 1-4-99 without any notice and without payment of any compensation as required under Section 25-F of the Industrial Dispute Act, 1947 (in short the Act, 1947). It is stated that the principle of "Last come first go" is not followed and the management had violated the provision of Section 25-G and 25-H of the Act, 1947 and

Rules 76 and 77 of the Industrial Disputes Rules. It is stated that he filed several applications before the management but he was not again re-engaged. It is submitted that the workman be reinstated with back wages.

3. The management appeared and filed Written Statement to contest the reference. The case of the management interalia is that the applicant was engaged intermittently as part time Karamchari/peon on temporary basis as casual worker in 1994 to 1999 an was paid wages on daily basis for the days he worked. It is admitted that the applicant/workman submitted several representations but he had suppressed his qualification as he passed 10+2 examination and had disclosed as 8th examination pass. His representation was not considered. He had not completed 240 days in a calendar year and the provision of Section 25-F of the Act was not violated. His case was not indentical to the case of Shri Shaukram Barasker and Shri Anil Rathor. It is submitted that the reference be answered in favour of the management.

4. On the basis of the pleadings, the following issues are formulated for adjudication-

I. Whether the action of the management in terminating the services of Shri Ashok Vishwakarma w.e.f. 1-4-1999 is justified?

II. Whether the workman is entitled to back wages?

III. To what relief the workman is entitled?

5. **Issue No. I**

The management has not adduced any evidence in the case. The workman has adduced oral and documentray evidence. The workman Shri Ashok Vishwakarma has supported his case in his evidence. He has stated that he was engaged in the year 1994 to 31-3-99. He has further stated that from April 1998 to March 1999 he worked all the days of the month. He has proved his representations which were submitted time to time to the management which are marked as Exhibit W/1 to W/6. These representations also disclose the period of his work done in the Bank. His representations show that he worked continuously from Feb. 1998 to March 1999. There is no denial by the management that the period given in the representations which are Exhibit W/1 to W/6 are not correct. This clearly shows that he worked continuously for a period of one year as has been provided in Section 25-B of the Act, 1947. Admittedly no notice was given nor any compensation was paid as has been provided in Section 25-F of the Act, 1947. This clearly shows that the termination of the workman was in violation of the provision of Section 25-F of the Act, 1947.

6. The learned counsel for the management has argued that he was part time daily wager and he had concealed the material facts of his qualification and therefore the management's action was justified. It is urged by the learned counsel for the workman that daily wager is not appointed against any post and therefore no qualification is prescribed for engagement of daily wager. The management has failed to adduce any evidence that the workman had concealed the material fact of his qualification. Secondly I also find that for daily wage employee, no qualification is required and the contention raised by the learned counsel for the management is not tenable. Thus this issue is decided in favour of the workman and against the management.

7. **Issue No. II**

Now the another inportant point is as to whether the workman was gainfully employed or not after termination and whether he is entitled to back wages. The workman Shri Ashok Vishwakarma has stated in his evidence that he is presently working as Blacksmith. This shows that he is gainfully employed during his termination period. He appears to be not entitled for back wages as he is gainfully employed during the period of termination. This issue is accordingly decided.

8. **Issue No. III**

On the basis of the discussion made above, it is clear that the action of the management is not justified in terminating the services of Shri Ashok Vishwakarma. As such the management is directed to reinstate the workman within two months from the award without back wages.

9. In the result, the award is passed with cost of Rs. 5000 (Five Thousand only) to be paid to the workman.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2012

का.आ.1525.—राष्ट्रपति, केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-सह-श्रम न्यायालय सं: 1 चंडीगढ़ के पीठासीन अधिकारी के रिक्त पद हेतु लिंक अधिकारी के रूप में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-सह-श्रम न्यायालय सं: 2 चंढीगढ़ के पीठासीन अधिकारी, श्री अशोक कुमार रस्तोगी के कार्यकाल को 19-4-2012 से एक माह की अवधि तक अथवा 65 वर्ष की आयु पूरी होने तक अथवा नियमित पदधारक की नियुक्ति होने तक अथवा अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो तब तक के लिए बढ़ाते हैं ।

[सं: ए-11016/3/2009-सी.एल.एस.-II]

अजय जोशी, अवर सचिव

New Delhi, the 18th April, 2012

S.O. 1525.—The President is pleased to extend the period of additional charge of the post of Presiding Officer of the CGIT-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh in favour of Shri Ashok Kumar Rastogi, Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court No. 2, Chandigarh as Linked Officer for a period of one month beyond 19-4-2012 or till the date he attains 65 years of age or till the appointment of a regular incumbent or until further orders, whichever is the earliest.

[No. A-11016/3/2009-CLS-II]

AJAY JOSHI, Under Secy.

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New-Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.